शुक्रवार, 8 मई 2026

मौसम

तापमान 24 – 33
आर्द्रता 90%
सूर्योदय: 05:00 सूर्यास्त: 18:05

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष षष्ठी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

भाजपा नीत बिहार सरकार के मंत्रिमंडल का बड़ा विस्तार, निशांत कुमार समेत 32 नेताओं ने ली शपथ पृष्ठ 6

सुविचार : गुणवान बनने के लिए एक-एक क्षण का सदुपयोग करना पड़ता है।

RED-X
B.W.P. PLY, BOARDS& DOORS
'X' Factor that Makes A Difference
Stockist :
GULAB CHAND LAL CHAND& Co.
9831114555
9874415555

आज जारी होगा माध्यमिक परीक्षा के नतीजे

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की ओर से शुक्रवार को वर्ष 2026 के माध्यमिक परीक्षा परिणाम घोषित किए जाएंगे। सुबह 9.30 बजे बोर्ड अध्यक्ष रामानुज गांगुली पत्रकार सम्मेलन के माध्यम से आधिकारिक रूप से परिणाम जारी करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार, सुबह 10.15 बजे से परीक्षार्थी ऑनलाइन अपना रिजल्ट देख सकेंगे। माध्यमिक परीक्षा का परिणाम बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट ुलीश-वरीं.ले और थइइडए आफिसियल वेवसाइट पर उपलब्ध रहेगा। इसके अलावा, छात्र-छात्राएं मोबाइल ऐप के जरिए भी अपना परिणाम देख सकेंगे। इसके लिए गूगल प्ले स्टोर से ळठर्शीश्रीी, चरवहूराळज्ञ ठश-र्ीश्रीी और एवींळीी -र्ी डाउनलोड किया जा सकता है। बोर्ड की ओर से यह भी जानकारी दी गई है कि परिणाम घोषित होने के दिन ही संबंधित स्कूलों में मार्कशीट और अन्य आवश्यक दस्तावेज वितरित किए जाएंगे। छात्र-छात्राएं स्कूल से अपने दस्तावेज प्राप्त कर सकेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर सेना का सख्त संदेश

सीमा पार कोई आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं, भारत अपनी शर्तों पर करेगा कार्रवाई

- पाकिस्तान के 11 हवाई अड्डों और नौ आतंकी शिविरों पर हमले का दावा
- स्वदेशी हथियार प्रणालियों की क्षमता का प्रदर्शन

जयपुर : ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना ने पाकिस्तान को स्पष्ट और कड़ा संदेश देते हुए कहा कि नियंत्रण रेखा के पार कोई भी आतंकी ठिकाना सुरक्षित नहीं है। सेना ने कहा कि भारत अपनी सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा के लिए किसी भी समय, किसी भी तरीके से आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करने में सक्षम है।जयपुर में आयोजित संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में थलसेना, वायुसेना और नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने ऑपरेशन सिंदूर के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने इसे सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के लिए पाकिस्तान को दंडित करने हेतु पिछले कई दशकों में भारत का सबसे व्यापक और प्रभावी सैन्य अभियान बताया। सेना के उप प्रमुख (रणनीति) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा कि नियंत्रण रेखा के उस पार कोई भी स्थान अब आतंकवादियों के लिए सुरक्षित नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत हर उस आतंकी ढांचे पर प्रहार करेगा जो देश की सुरक्षा के लिए खतरा बनेगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि कार्रवाई कब और कैसे होगी, यह पूरी तरह भारतीय सेना तय करेगी।घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं बल्कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई रणनीतिक नीति का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि यह अभियान अंत नहीं बल्कि एक शुरुआत है और आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत ने सात मई को पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित नौ आतंकी शिविरों पर सटीक हवाई हमले किए थे। इन हमलों में करीब 100 आतंकवादी मारे गए थे। सेना के अनुसार इस कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने जवाबी हमले करने का प्रयास किया, लेकिन भारतीय सुरक्षा बलों ने अधिकांश हमलों को विफल कर दिया। बाद में दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों के बीच हॉटलाइन पर बातचीत हुई, जिसके बाद 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति बनी। लेफ्टिनेंट जनरल घई ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर ने यह साबित कर दिया कि भारत अब केवल सीमित जवाब देने की नीति तक सीमित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने अपने कई आतंकी शिविरों को सीमा से दूर अंदरूनी क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया है, लेकिन दूरी भारत की सटीक मारक क्षमता से उन्हें बचा नहीं सकती। उन्होंने कहा कि भारत ने अपने रणनीतिक उद्देश्यों को पूरा करने के बाद संघर्ष समाप्त करने का फैसला लिया। दुनिया भर में लंबे समय तक चलने वाले युद्धों के बीच भारत ने सीमित समय में अपने लक्ष्य हासिल कर सैन्य कार्रवाई रोककर जिम्मेदार राष्ट्र होने का परिचय दिया। वायुसेना के वरिष्ठ अधिकारी एयर मार्शल ए. के. भारती ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय वायु शक्ति ने निर्णायक भूमिका निभाई। उन्होंने दावा किया कि भारतीय सेना ने पाकिस्तान के नौ आतंकी शिविरों को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया तथा 11 हवाई अड्डों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के 13 विमानों को जमीन या हवा में नष्ट किया गया, जिनमें एक महत्वपूर्ण हवाई निगरानी विमान भी शामिल था। नौसेना संचालन महानिदेशक वाइस एडमिरल ए.एन. प्रमोद ने कहा कि भारतीय नौसेना की अग्रिम तैनाती के कारण पाकिस्तानी नौसेना रक्षात्मक स्थिति में आ गई और अधिकतर समय बंदरगाहों तक सीमित रही।

शुभेंदु के पीए की हत्या : सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस, हमलावरों की तलाश के लिए कई टीम गठित

हत्या में इस्तेमाल मोटरसाइकिल बरामद, मालिक की नहीं हुई पहचान

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य पुलिस भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के मामले की जांच के तहत सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और हमलावरों का पता लगाने के लिए कई टीम गठित की गई हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या इस घटना को सुपारी लेकर हत्या करने वालों ने अंजाम दिया। पुलिस अधिकारी ने कहा कि एक फोरेंसिक टीम गुरुवार की सुबह घटनास्थल पर पहुंची और नमूने एकत्र किए। अधिकारी ने बताया कि अपराध जांच विभाग (सीआईडी) के अधिकारी भी मौके पर मौजूद थे। अधिकारी ने कहा कि परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को देखते हुए ऐसा लगता है कि हत्या पूर्व नियोजित थी। जांचकर्ता घटनास्थल एवं आसपास के इलाकों की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं और हमलावरों का पता लगाने के लिए पुलिस के कई दल गठित किए गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने रथ की कार को रात करीब 10.15 बजे डोलतला एवं मध्यमग्राम चौमाथा के बीच दोहरिया के पास रोका और वे गोलीबारी करने के बाद फरार हो गए। पुलिस को संदेह है कि हत्यारे दो मोटरसाइकिलों पर सवार होकर दो अलग-अलग दिशाओं में भागे। अधिकारी ने कहा कि एक संभवत: मुख्य सड़क से जेसोर रोड की ओर गया, जबकि दूसरा बाईं ओर की एक संकरी गली से राजारहाट की ओर गया। वारदात के बारे में एक अन्य पुलिस अधिकारी ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज में छोटी कार मध्यमग्राम की ओर जाती दिखाई दी। जांचकर्ताओं ने कहा कि वे हत्यारों की गतिविधियों का पता लगाने के लिए कोलकाता पुलिस और बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय, दोनों की मदद ले रहे हैं, ताकि उनके अधिकार क्षेत्रों में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की जांच की जा सके। उन्होंने कहा कि हमलावरों द्वारा छोड़ी गई छोटी कार पर लगी नंबर प्लेट फर्जी पाई गई है। यह नंबर सिलीगुड़ी के एक व्यक्ति का है जो चाय बागान में काम करता है। छोटी कार का चेसिस नंबर और इंजन नंबर मिटा दिया गया है। इससे संकेत मिलता है कि उन्होंने हत्या की पहले से साजिश रची थी। उन्होंने बताया कि सिलीगुड़ी के उस व्यक्ति से मोथाबाड़ी पुलिस पूछताछ कर रही है। अधिकारी ने कहा कि वह दावा कर रहा है कि अपना वाहन बेचने के इरादे से उसने उसकी तस्वीर एक ऑनलाइन मंच पर अपलोड की थी। हम उसके दावों की पुष्टि कर रहे हैं और जांच कर रहे हैं। जांचकर्ता ने बताया कि पुलिस ने गुरुवार को रथ के आवास की ओर जाने वाली सड़क से गोली का एक खोखा बरामद किया। उन्होंने कहा कि प्रारंभिक फोरेंसिक जानकारी के अनुसार, हमलावरों ने संभवत: 'ग्लॉक 47 एक्स' पिस्तौल का इस्तेमाल किया।

हत्याकांड की जांच में जुटी एसआईटी टीम

हत्या के मामले में पुलिस ने तीन को पकड़ा

मध्यग्राम के दोहारिया इलाके में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। इस मामले में तीन कुख्यात आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार किए गए तीनों आरोपित पेशेवर 'सुपारी किलर' यानी भाड़े के शूटर हैं। पुलिस अब उनसे लगातार पूछताछ कर यह जानने की कोशिश कर रही है कि इस सनसनीखेज हत्या के पीछे कौन लोग हैं और किसने इसकी साजिश रची थी। जांच के दौरान पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल टावर लोकेशन और स्थानीय सूत्रों की मदद से आरोपितों की पहचान की। इसके बाद, कई जगहों पर छापेमारी कर तीनों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस का दावा है कि आरोपितों के पास से आग्नेयास्त्र और कई अहम सुराग भी मिले हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपित सीधे गोली चलाने की घटना में शामिल थे। हालांकि, उन्होंने कहा कि यह पता लगाना अब सबसे महत्वपूर्ण है कि ये लोग किसके इशारे पर काम कर रहे थे। पुलिस का अनुमान है कि इस हत्या के पीछे कोई बड़ा गिरोह सक्रिय था।

जनसंख्या नियंत्रण और समान नागरिक संहिता के लिए जनसहयोग जरूरी : मोहन भागवत

मैसूरु (कर्नाटक) : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने बृहस्पतिवार को कहा कि जनसंख्या नियंत्रण नीतियों और समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के क्रियान्वयन के लिए जनसहयोग तथा दीर्घकालिक सोच आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जाति आधारित राजनीति तभी समाप्त होगी जब समाज स्वयं जातिगत पहचान से ऊपर उठेगा। भागवत ने यहां 'राष्ट्रीय विकास की उत्प्रेरक के रूप में सामाजिक समरसता' विषय पर व्याख्यान देने के बाद आयोजित संवाद कार्यक्रम में यह बात कही। उन्होंने विभिन्न धर्मों और समुदायों के बीच सौहार्द पर जोर दिया तथा लोगों से नारेबाजी के बजाय आचरण के माध्यम से सामाजिक जीवन में समानता अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, ''समाज जाति को याद रखता है, इसलिए राजनीतिक नेता उसका लाभ उठाते हैं। उनका उद्देश्य वोट प्राप्त करना होता है। यदि उन्हें

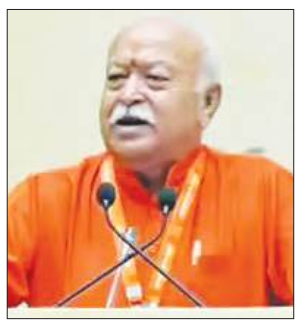

काम के आधार पर वोट नहीं मिलते, तो वे जाति के आधार पर वोट हासिल करेंगे।'' जनसंख्या नियंत्रण विधेयक और समान नागरिक संहिता से जुड़े एक सवाल के जवाब में भागवत ने कहा कि आरएसएस सरकार नहीं, बल्कि एक सामाजिक संगठन है। उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी कानून तभी सफल हो सकता है जब उसे जनता का सहयोग मिले। उन्होंने कहा, ''पहले लोगों को शिक्षित करना जरूरी है। नीति आवश्यक है, लेकिन नीति तभी सफल होगी जब जनता का सहयोग मिलेगा।'' आपातकाल के दौरान अपनाए गए जनसंख्या नियंत्रण उपायों का उल्लेख करते हुए भागवत ने कहा कि आक्रामक तरीके से लागू की गई नीतियों के कारण जनता में असंतोष पैदा हुआ था और राजनीतिक प्रतिक्रिया भी देखने को मिली थी। जनसंख्या नियंत्रण के संदर्भ में, उन्होंने कहा कि एक समय ऐसी सरकार थी जिसने आपातकाल के दौरान, विशेष रूप से उत्तर भारत में, जनसंख्या को नियंत्रित करने के लिए आक्रामक प्रयास किए थे। उन्होंने कहा कि लोगों को जबरन नसबंदी के लिए ले जाया गया था, और बाद में वह सरकार पूरी तरह से पराजित हो गई। उन्होंने कहा कि भविष्य की जनसंख्या नीतियों को तैयार करने से पहले जनसांख्यिकीय असंतुलन, महिलाओं की शिक्षा, सशक्तीकरण और स्वास्थ्य जैसे सभी पहलुओं पर विचार किया जाना चाहिए।

पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञों की समिति ने वाराणसी-कोलकाता एक्सप्रेसवे को दी हरी झंडी

नयी दिल्ली : पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने वाराणसी और कोलकाता को जोड़ने के लिए 235 किलोमीटर लंबे 'ग्रीनफील्ड एक्सप्रेसवे' बनाने की पर्यावरण मंजूरी देने की सिफारिश की है। इस योजना के पश्चिम बंगाल में 103 हेक्टेयर से अधिक आरक्षित और संरक्षित वन क्षेत्र के भू उपयोग में बदलाव करने की जरूरत होगी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) की प्रस्तावित परियोजना का एक हिस्सा बाघों के प्राकृतिक आवास से भी होकर गुजरेगा। इसमें चार से छह लेन के एक्सप्रेसवे का निर्माण शामिल है और जिसकी लागत 9,250 करोड़ रुपये है। इस परियोजना के विवरण पर विशेषज्ञ मूल्यांकन समिति (ईएसी) की 444वीं बैठक में चर्चा की गई, जो 23 अप्रैल और 24 अप्रैल के बीच हुई थी। बैठक विवरण के मुताबिक यह परियोजना पुरुलिया, बांकुड़ा, पश्चिम मेदिनीपुर, हुगली और हावड़ा जिलों से होकर गुजरेगी और इसके लिए गैर-वन क्षेत्रों में 40,000 पेड़ों और वन क्षेत्रों में 10,000 पेड़ों की कटाई की आवश्यकता होगी। प्रस्तावित परियोजना से 7.75 किलोमीटर की दूरी पर जंगल महल हाथी गलियारा भी स्थित है। मौजूदा समय में हाथी गलियारे के कई हिस्सों से राष्ट्रीय राजमार्ग गुजरता है। प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र में वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के अंतर्गत अनुसूची-ख में सूचीबद्ध 17 प्रजातियां पाई जाती हैं, जैसे कि सियार, सांभर हिरण, धारीदार लकड़बग्घा, भारतीय लोमड़ी, भारतीय हाथी और तेंदुआ।

96.6 प्रतिशत पॉक्सो मामलों में मुख्य आरोपी परिचित: एनसीआरबी

नयी दिल्ली : नाबालिगों के यौन शोषण के 44,126 मामलों में से 96.6 प्रतिशत मामलों में करीबी परिचित ही मुख्य अपराधी के रूप में सामने आए हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की ताजा रिपोर्ट में सामने आयी है। एनसीआरबी द्वारा जारी अपनी रिपोर्ट 'भारत में अपराध 2024' में बताया गया है कि वर्ष के दौरान देश भर में नाबालिगों पर यौन हमले से संबंधित लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) की धारा चार और छह के तहत कुल 44,126 मामले दर्ज किए गए हैं। नवीनतम एनसीआरबी आंकड़ों के अनुसार, ये आंकड़े एक भयावह तस्वीर पेश करते हैं क्योंकि इस श्रेणी में आने वाले कुल 44,126 मामलों में से 42,634 (लगभग 96.6 प्रतिशत) मामलों में करीबी परिचित प्रमुख आरोपी के रूप में सामने आए हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि 3,658 मामलों में परिवार के सदस्य शामिल थे, जबकि 16,668 मामलों में पारिवारिक मित्र, पड़ोसी, नियोक्ता या अन्य परिचित व्यक्तियों का नाम लिया गया था। इनमें से सबसे अधिक मामले दोस्तों, ऑनलाइन दोस्तों या सह-जीवन साथी द्वारा विवाह का झांसा देकर किए गए थे, जिनकी संख्या 22,308 थी। जिन मामलों में अपराधी अज्ञात था या उसकी पहचान नहीं हो पाई, उनकी संख्या मात्र 1,492 थी, जो कुल मामलों का 3.4 प्रतिशत है। राज्यों में तमिलनाडु में सबसे अधिक

5,320 पॉक्सो के मामले दर्ज किए गए, उसके बाद महाराष्ट्र में 4,829 और मध्य प्रदेश में 3,721 मामले दर्ज किए गए। उत्तर प्रदेश 3,671 मामलों के साथ अगले स्थान पर रहा। केंद्र शासित प्रदेशों में, दिल्ली में सबसे अधिक 1,038 मामले दर्ज किए गए, उसके बाद जम्मू-कश्मीर में 228 और पुडुचेरी में 82 मामले दर्ज किए गए। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 77 मामले सामने आए। आंकड़ों से यह भी पता चलता है कि आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, नगालैंड, सिक्किम, उत्तराखंड, त्रिपुरा और चंडीगढ़, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, लक्षद्वीप, लद्दाख और पुडुचेरी सहित कई केंद्र शासित प्रदेशों और राज्यों में 100 प्रतिशत मामले ज्ञात अपराधियों से जुड़े हुए पाए गए।

राज्यपाल ने ममता मंत्रिमंडल किया भंग, नई भाजपा सरकार के गठन का रास्ता साफ

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल आर एन रवि ने राज्य विधानसभा को उसका कार्यकाल पूरा होने के बाद सात मई से भंग कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना जारी कर फैसले की घोषणा की गई। हाल ही में, संपन्न हुए दो चरणों के चुनावों के बाद, निवर्तमान विधानसभा को भंग किया जाना उसके कार्यकाल की औपचारिक समाप्ति का प्रतीक है। संसदीय कार्य विभाग ने इस संबंध में अधिसूचना जारी की। विधानसभा के भंग होने के साथ ही राज्य मंत्रिमंडल का भी अस्तित्व समाप्त हो गया, जिससे ममता बनर्जी का मुख्यमंत्री के रूप में कार्यकाल प्रभावी रूप से खत्म हो गया। हालांकि, परंपरा से हटकर ममता ने विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी टीएमसी की भाजपा से हार के बाद इस्तीफा देने से इनकार कर दिया। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं का आरोप लगाया था। संविधान का अनुच्छेद 174 राज्यपाल को विशिष्ट प्रावधानों के तहत विधानसभा आहूत का अधिकार देता है। यह अनुच्छेद राज्य विधानसभाओं के सत्र, सत्रावसान और विघटन से संबंधित है।

आज अमित शाह की मौजूदगी में विधायक दल की बैठक में चुना जाएगा मुख्यमंत्री, कल शपथ ग्रहण

- विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में होगी विधायक दल की बैठक

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड जीत के बाद अब सबकी नजर राज्य के अगले मुख्यमंत्री पर टिकी है कि पार्टी किसको यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपती है। शुक्रवार को इस पर से पर्दा हट जाएगा। विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए गृह मंत्री अमित शाह कोलकाता पहुंच रहे हैं। शाह की उपस्थिति में शुक्रवार को कोलकाता में भाजपा के नवनिर्वाचित विधायक दल की बैठक होगी, जिसमें नए नेता यानी मुख्यमंत्री के नाम पर अंतिम मुहर लग जाएगी। भाजपा सूत्रों के अनुसार, यह बैठक कोलकाता के न्यूटाउन स्थित विश्व बांग्ला कन्वेंशन सेंटर में शाम 4 बजे से होगी, जिसमें मुख्यमंत्री का चुनाव किया जाएगा। मुख्यमंत्री पद की रेस में 2021 में नंदीग्राम के बाद इस बार के चुनाव में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को उनके घर भवानीपुर में हराने वाले नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी का नाम सबसे आगे है।

अगले दिन नौ मई, शनिवार को कविगुरु रवींद्र नाथ टैगोर की जयंती के दिन नई सरकार के मुख्यमंत्री और मंत्रियों का शपथ ग्रहण समारोह कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। शपथ समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी व शाह सहित भाजपा शासित करीब 20 राज्यों के मुख्यमंत्री, कई केंद्रीय मंत्री और पार्टी के अन्य दिग्गज नेता मौजूद रहेंगे।

शिवपुर में बमबाजी और फायरिंग, दो बीजेपी कार्यकर्ता घायल

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा के शिवपुर चौड़ाबस्ती इलाके में गुरुवार दोपहर बीजेपी और तृणमूल कांग्रेस समर्थकों के बीच हुई हिंसक झड़प हो गई। इस दौरान बीजेपी कार्यकर्ता मासूम खान (40) और शाहिद इकबाल (30) घायल हो गए। दोनों को तुरंत हावड़ा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना के दौरान बमबाजी, गोलीबारी, पत्थरबाजी और बोतलें फेंके जाने की घटनाओं से पूरा इलाका रणक्षेत्र में तब्दील हो गया। जानकारी के अनुसार, मध्य हावड़ा के 36 नंबर वार्ड स्थित शिवपुर चौड़ाबस्ती इलाके में दोपहर के समय अचानक तनाव फैल गया। बीजेपी का आरोप है कि विधानसभा चुनाव के बाद इलाके में दहशत फैलाने के उद्देश्य से तृणमूल समर्थित बदमाशों ने हमला किया। पार्टी नेत-ाओं के मुताबिक, शिवपुर के शमीम अहमद उर्फ 'बरे', जिन्हें तृणमूल नेता और पूर्व मंत्री अरूप रॉय का करीबी बताया जा रहा है, उनके नेतृत्व में यह हमला किया गया। बीजेपी का आरोप है कि पार्टी के अल्पसंख्यक कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर बम फेंके गए और फायरिंग की गई। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई दुकानों को बंद करना पड़ा। सड़क पर चारों तरफ ईंट-पत्थर बिखरे दिखाई दिए। सूचना मिलने के बाद भारी संख्या में पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया है, जबकि मुख्य आरोपी शमीम अहमद उर्फ 'बड़े' फरार बताया जा रहा है। बीजेपी के मध्य हावड़ा संयोजक शिवशंकर साधुखां ने आरोप लगाया कि इलाके में आतंक फैलाने के लिए योजनाबद्ध तरीके से हमला किया गया। वहीं, अरूप रॉय ने कहा कि उन्हें इस घटना की जानकारी नहीं है, इसलिए वह इस पर कोई टिप्पणी नहीं कर सकते। इस घटना पर हावड़ा सिटी पुलिस कमिश्नर अखिलेश चतुर्वेदी ने फोन पर जानकारी देते हुए कहा कि यह एक राजनीतिक झड़प का मामला है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया गया। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल लोगों की पहचान कर जल्द से जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

निदा खान को नासिक पुलिस ने छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया

जबरन धर्मांतरण मामले में हैं आरोपी

नासिक : महाराष्ट्र के नासिक में मौजूद आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) की स्थानीय यूनिट में काम करने वाली महिला कर्मचारियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न और जबरन धर्म परिवर्तन के मामले में फरार चल रही आरोपी निदा खान का नासिक पुलिस ने छत्रपति संभाजीनगर से हिरासत में लिया है। नासिक पुलिस आयुक्त संदीप कर्णिक ने बताया कि यह गिरफ्तारी छत्रपति संभाजीनगर पुलिस और वहां की क्राइम ब्रांच की मदद से की गई।

निदा खान पर क्या हैं आरोप?

आरोप है कि कंपनी की एक महिला कर्मचारी निदा खान अपने सहकर्मियों को इस्लामी रीति-रिवाजों का पालन करने, नमाज पढ़ने और मांसाहारी भोजन खाने के लिए दबाव डालती थी। इस केस में एक महिला

ऑपरेशंस मैनेजर समेत आठ लोग गिरफ्तार किए जा चुके हैं। टीसीएस ने भी इन आरोपों पर सख्त एक्शन लेते हुए आरोपी कर्मचारियों को निलंबित कर दिया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, यह पूरा मामला निदा खान के ही एक सहकर्मी की शिकायत पर आधारित है। शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने अपनी पेशेवर स्थिति का फायदा उठाते हुए पीड़ित को डराने और उसे धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर करने की कोशिश की।

भारत ने बांग्लादेश से लगभग 3,000 प्रवासियों की राष्ट्रीयता की जांच में तेजी लाने का आग्रह किया

भारत में 2,862 संदिग्ध बांग्लादेशी प्रवासियों के मामले लंबित

कुछ मामलों में पांच वर्षों से नहीं हुआ सत्यापन

नयी दिल्ली : भारत ने बृहस्पतिवार को बांग्लादेश से लगभग 3,000 संदिग्ध अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों की राष्ट्रीयता सत्यापन प्रक्रिया में तेजी लाने को कहा। भारत की यह टिप्पणी बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलीलुर रहमान द्वारा मंगलवार को सोशल मीडिया पर किए गए एक पोस्ट के संदर्भ में आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारतीय पक्ष की ओर से ऐसे किसी भी व्यक्ति को जबरन धकेला गया तो ढाका कार्रवाई करेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''इन टिप्पणियों को भारत से अवैध बांग्लादेशियों की वापसी के मूल मुद्दे के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। इसके लिए बांग्लादेश के सहयोग की आवश्यकता है।'' उन्होंने कहा, ''बांग्लादेश के पास राष्ट्रीयता सत्यापन के 2,862 से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से कुछ पांच साल से भी अधिक पुराने हैं। हमारी नीति यह है कि भारत में रह रहे सभी अवैध विदेशी नागरिकों को हमारे कानूनों, प्रक्रियाओं और स्थापित द्विपक्षीय समझौतों के अनुसार स्वदेश वापस भेजा जाना चाहिए।'' जायसवाल ने कहा, ''हम बांग्लादेश से राष्ट्रीयता सत्यापन में तेजी लाने की उम्मीद करते हैं ताकि अवैध प्रवासियों की वापसी सुचारू रूप से हो सके।'' वह रहमान की टिप्पणियों पर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे। जायसवाल ने तीस्ता नदी के प्रबंधन पर बांग्लादेश और चीन के बीच संभावित सहयोग से संबंधित एक अन्य प्रश्न का भी उत्तर दिया। उन्होंने कहा, ''भारत और बांग्लादेश के बीच 54 नदियाँ हैं जो दोनों देशों के बीच साझा हैं। हमने जल संबंधी सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए द्विपक्षीय तंत्र स्थापित किए हैं। ये द्विपक्षीय तंत्र नियमित अंतराल पर मिलते रहते हैं।'' बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी बीएसएस ने बृहस्पतिवार को कहा कि विदेश मंत्री रहमान ने चीन की अपनी यात्रा के दौरान तीस्ता नदी की जीर्णोद्धार परियोजना के लिए बीजिंग से समर्थन मांगा। भारत ने तीस्ता नदी से संबंधित परियोजनाओं में चीन की किसी भी भागीदारी का विरोध किया है क्योंकि यह बांग्लादेश के साथ सीमा के एक संवेदनशील क्षेत्र के निकट स्थित है। तीस्ता नदी पूर्वी हिमालय से निकलकर सिक्किम और पश्चिम बंगाल से होते हुए बांग्लादेश में प्रवेश करती है, जहां यह लाखों लोगों के लिए सिंचाई और आजीविका का एक प्रमुख स्रोत है।

आतंक की घटनाओं पर राजनीति अस्वीकार्य

गाहे-बगाहे पंजाब में शांति भंग करने के अनेक कुत्सित प्रयास होते नजर आए हैं। सीमा पार से पंजाब का सुख-चैन छीनने के षड्यंत्र काले दौर से लेकर अब तक रुके नहीं हैं। नशे और बेरोजगारी को हथियार बनाकर भटके युवाओं को इन साजिशों का हथियार बनाने के मामले भी उजागर हुए हैं। पंजाब में हाल ही में दो धमाके हुए, पहला जालंधर में बीएसएफ चौकी के बाहर और दूसरा अमृतसर में सेना की छावनी के पास हुआ। सेना और सुरक्षा बलों को लक्षित इन हमलों के घातक मंसूबों को समझा जा सकता है। वहीं दूसरी ओर समय और लक्ष्य के लिहाज से इतने करीबी हमलों के निहितार्थ समझना कठिन नहीं है कि ये महज सामान्य मामले नहीं थे। अब भले ही इन धमाकों की तीव्रता कम रही हो,लेकिन इनमें गंभीर रणनीतिक चेतावनी छिपी है। वह ये कि भारतीय सुरक्षा व्यवस्था के संवेदनशील क्षेत्रों की हिफाजत को आंका जा रहा है। वहीं दूसरी ओर पंजाब के डीजीपी गौरव यादव द्वारा सैन्य क्षेत्र के पास हुए धमाकों में विस्फोटक उपकरण यानी आईडीपी के इस्तेमाल की पुष्टि करना, खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। निस्संदेह, ये महज आकस्मिक घटनाएं मात्र नहीं हैं। ये सुनियोजित तरीके व जासूसी के जरिये रक्षा प्रतिष्ठानों के आसपास की कमजोर कड़ियों को तलाशने की कुत्सित कोशिश है। अब चाहे इन आतंकी गतिविधियों के तार स्थानीय साजिश से जुड़े हों या फिर सीमा पार से साजिश को अंजाम दिया गया हो, कह सकते हैं कि मिलाजुला षड्यंत्र हो, मगर तौर-तरीका स्पष्ट है। हालांकि, राजनीतिक दल अपनी राजनीतिक लाइन के अनुरूप बयान देने से बाज नहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसका दोष भाजपा पर मढ़ा है। वहीं भाजपा आप सरकार पर आरोप लगा रही है कि वह राज्य को सुरक्षा देने में विफल रही है। बहरहाल, भले ही आरोप-प्रत्यारोप का यह खेल नेताओं को राजनीतिक लाभ-हानि के गणित के अनुरूप लगता हो, मगर राज्य की सुरक्षा के नजरिये से अदूरदर्शी कदम ही कहा जाएगा।

यह विडंबना ही है कि पंजाब के राजनेता अतीत के स्याह दौर की घातकता से कोई सबक नहीं सीखते हैं। राजनेताओं की संकीर्णता और दूरगामी प्रभावों को नजरअंदाज करके की गई बयानबाजी ही चिंगारी को आग बनाने का काम करती है। जिसकी कीमत दशकों तक पंजाब के लोगों व राज्य की अर्थव्यवस्था को चुकानी पड़ती है। यह सामान्य तथ्य है कि कि जब भी इस संवेदनशील व सीमावर्ती राज्य पर कोई सुरक्षा संकट पैदा हो, उसके लिये राजनीतिक भेदभाव भुलाकर समन्वय स्थापित करने की आवश्यकता है। टकराव की राजनीति से राज्य का अहित ही होगा। निस्संदेह, पंजाब का अतीत इस मामूली अशांति के प्रति भी विशेष रूप से संवेदनशील होने की जरूरत बताता है। दशकों तक पंजाब ने सुदृढ़ पुलिस व्यवस्था और खुफिया जानकारी पर आधारित अभियानों हेतु देशव्यापी ख्याति अर्जित की है। लेकिन हाल की घटनाओं ने हमारी सुरक्षा चिंताओं को बढ़ाया ही है। यह गंभीर मसला है कि इस सीमावर्ती संवेदनशील राज्य में दस दिनों के भीतर तीन सुनियोजित व उच्च तकनीक से लैस विस्फोट हुए हैं। ये धमाके सभी पक्षों की मेहनत से अर्जित साख को धूमिल करने के जोखिम को बढ़ाते हैं। सवाल मात्र यही नहीं है कि इन धमाकों के लिये कौन जिम्मेदार है। प्रश्न यह भी है कि क्या इन धमाकों के बाबत खुफिया सूचनाओं को नजरअंदाज किया गया है? या फिर मिली हुई खुफिया सूचनाओं के आधार पर समन्वित प्रतिक्रिया देने में कहीं चूक हुई है? वास्तव में वक्त की सबसे बड़ी जरूरत इस बात को लेकर है कि हम ऐसी किसी भी चुनौती को लेकर एक समन्वित प्रतिक्रिया दें। केंद्र व राज्य सरकार की एजेंसियों के बीच खुफिया जानकारी का बेहतर ढंग से आदान-प्रदान किया जाए। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा घेरे के दायरे का तत्काल प्रभाव से सुरक्षा ऑडिट किया जाए। इन साजिशों पर कड़ी निगरानी रखने की जरूरत है। खासकर लगातार गहरी होती ड्रोन आधारित घुसपैठ के खतरों को रोकने के लिये युद्धस्तर पर कार्रवाई की आवश्यकता है। ड्रोन आज अवैध हथियारों व नशीले पदार्थों की तस्करी का साधन बन रहे हैं। जनता का मनोबल बढ़ाना जरूरी है, लेकिन सुरक्षा जोखिमों को कम न आंका जाए।

आज का पंचांग

कोलकाता : 8 मई, शुक्रवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2083, ज्येष्ठ कृष्णपक्ष षष्ठी, 12:19 तक, नक्षत्र : उत्तराषाढ़ा, 21:09 तक, योग : शुभा, 26:20 तक, सूर्योदय: 05:00, सूर्यास्त: 18:05, चन्द्रोदय : 24:19, चन्द्रास्त: 10:35, शक सम्वतः 1948 पराभव, सूर्य राशि : मेष, चन्द्र राशि : मकर, राहू काल : 10:33 से 12:10

राशिफल

मेष : आज किस्मत आपके साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही है। कामकाज में शानदार सफलता मिलेगी और जो मेहनत आप कर रहे थे, उसका असर अब साफ दिखेगा।

वृष : आज आपका मान-सम्मान बढ़ने वाला है और लोग आपकी तारीफ करते नहीं थकेंगे। किसी खास सामाजिक कार्यक्रम में आपकी मौजूदगी आपको खास बना सकती है।

मिथुन : आज का दिन थोड़ा उतार-चढ़ाव भरा रह सकता है। काम में लापरवाही भारी पड़ सकती है, इसलिए पूरा ध्यान अपने टारगेट पर रखें। किसी की बातों में आकर मन में नकारात्मकता न आने दें।

कर्क : आज का दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। मनोरंजन और मस्ती के मौके मिलेंगे, जिससे मन हल्का रहेगा। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई मामला थोड़ा तनाव दे सकता है।

सिंह : आज आपकी पहचान और प्रभाव बढ़ने वाला है। मीठी वाणी से सम्मान मिलेगा और ऑफिस में सहयोगियों का पूरा साथ मिलेगा। आप आगे बढ़ेंगे, लेकिन मन में किसी के लिए जलन न रखें।

कन्या : आज आपका आत्मविश्वास और साहस दोनों चरम पर रहेंगे। कुछ नया करने की चाह आपको आगे बढ़ाएगी और बिजनेस में बदलाव के विचार आएंगे।

तुला : आज का दिन ऐशो-आराम और खुशियों से भरा रहेगा। घर के बड़े आपका पूरा साथ देंगे। अचानक यात्रा करनी पड़ सकती है, इसलिए अपने सामान का ध्यान रखें।

वृश्चिक : आज आपको हर फैसला सोच-समझकर लेना होगा। आपकी समझदारी ही आपको आगे बढ़ाएगी। घर-परिवार की जिम्मेदारियों को नजरअंदाज न करें।

धनु : आज का दिन थोड़ा उलझनों से भरा रह सकता है। गुस्से में आकर कोई फैसला न लें, वरना नुकसान हो सकता है। विरोधी सक्रिय रहेंगे, इसलिए सतर्क रहें।

मकर : आज का दिन मिला-जुला रहेगा। काम में तकनीकी दिक्कतें आ सकती हैं, जिससे रुकावट महसूस होगी। किसी भी काम में जल्दबाजी न करें। जिम्मेदारियां बढ़ेंगी और तनाव भी हो सकता है।

कुम्भ : आज आप अपने अटके हुए कामों को पूरा करने में सफल रहेंगे। आय बढ़ाने के नए रास्ते खुलेंगे। पैतृक संपत्ति से लाभ मिलने के संकेत हैं। कामकाज में खुशखबरी मिल सकती है।

मीन : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहेगा। कामकाज में सुधार आएगा और मन हल्का रहेगा। कोई पुराना मित्र अचानक मिलकर आपको खुश कर सकता है।

जय सोमनाथ !

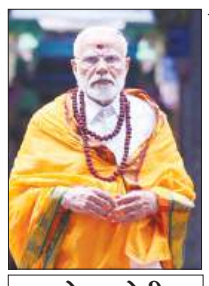

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री भारत सरकार

वर्ष 2026 की शुरुआत में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सम्मिलित होने का सौभाग्य मिला। यह सोमनाथ मंदिर पर हुए पहले आक्रमण के एक हजार वर्ष बाद भी मंदिर के शाश्वत और अविनाशी होने का पर्व था। अब 11 मई को मुझे एक बार फिर सोमनाथ जाने का सुअवसर प्राप्त हो रहा है। इस बार यह यात्रा पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के लोकार्पण की 75वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में है। मैं उस क्षण को फिर जीने जा रहा हूं जब भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी ने मंदिर का लोकार्पण किया था। उस दिन, सोमनाथ में विध्वंस से सृजन तक की यात्रा फिर से जीवंत होगी। छह महीनों के भीतर सोमनाथ के इतिहास से जुड़े इन दो अत्यंत महत्वपूर्ण पड़ावों का साक्षी बनना मेरे लिए बहुत सौभाग्य की बात है।

सोमनाथ केवल एक मंदिर नहीं, हमारी सभ्यता का अटूट संकल्प है। इसके सामने लहराता विशाल समुद्र अनंत काल की अनूभूति कराता है। इसकी लहरें हमें सिखाती हैं कि तूफान चाहे कितने भी विकराल क्यों न हों, मनुष्य का साहस और आत्मबल हर बार फिर से उठ खड़ा होने में सक्षम है। तट से टकराती लहरें सदियों से यह उद्घोष कर रही हैं कि मानवीय चेतना को लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता है।

हमारे प्राचीन शास्त्रों में लिखा है: प्रभासं च परिक्रम्य पृथिवीक्रमसंभवम्। अर्थात दिव्य प्रभास (सोमनाथ) की परिक्रमा पूरी पृथ्वी की परिक्रमा के समान है! जब लोग यहां दर्शन-पूजन के लिए आते हैं, तब उन्हें उस सभ्यता की अद्भुत निरंतरता का भी अनुभव होता है, जिसकी ज्योति कभी बुझाई नहीं जा सकी। कई साम्राज्य आए और गए, समय बदला और इतिहास ने ढेरों उतार-चढ़ाव देखे, फिर भी सोमनाथ हमारे हृदय में हमेशा बना रहा।

यह समय उन असंख्य महान विभूतियों के स्मरण का भी है, जो क्रूर आक्रांताओं के सम्मुख अडिग रहे। लकुलीश और सोम शर्मा जैसे मनीषियों ने प्रभास को शैव दर्शन का महान केंद्र बनाया। चक्रवर्ती महाराज धारसेन चतुर्थ ने सदियों पहले वहां दूसरा मंदिर बनवाया था। समय की कठिन परीक्षा के बीच भीम प्रथम, जयपाल और आनंदपाल जैसे शासकों ने आक्रमणों के विरुद्ध अपनी सभ्यता की ढाल बनकर मंदिर की रक्षा की थी। ऐसा माना जाता है कि महान राजा भोज ने भी इस पावन स्थल के पुनर्निर्माण में अपना अमूल्य योगदान दिया था। कर्णदेव सोलंकी और जयसिंह सिद्धराज ने गुजरात की राजनीतिक और सांस्कृतिक शक्ति को पुनर्स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। भाव बृहस्पति, कुमारपाल सोलंकी और पाशुपताचार्यों ने इस तीर्थ को आराधना और ज्ञान के केंद्र के रूप में स्थापित करने में अमूल्य योगदान दिया। विशालदेव वाघेला और त्रिपुरांतक ने इसकी बौद्धिक और आध्यात्मिक परंपराओं की रक्षा की। महिपाल चूड़ासमा और राव खंगार चूड़ासमा ने विध्वंस के बाद पूजा-पाठ की परंपरा को पुनर्जीवित किया। पुण्यश्लोक अहिल्याबाई होल्कर, जिनकी 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उन्होंने सबसे चुनौतीपूर्ण समय में भी भक्ति की परंपरा को जीवंत रखा। बड़ौदा के गायकवाड़ों ने तीर्थयात्रियों के अधिकारों की रक्षा की। इसके साथ ही हमारी यह धरती वीर हमीरजी गोहिल, वीर वेगड़ाजी भील जैसे पराक्रमियों से धन्य हुई है। उनके साहस और बलिदान को आज भी याद किया जाता है। 1940 के दशक में स्वतंत्रता की भावना पूरे भारत में फैल रही थी। सरदार पटेल जैसे महान नेताओं के नेतृत्व में स्वतंत्र भारत की नींव रखी जा रही थी। ऐसे में एक बात जो उन्हें बहुत व्यथित करती थी, वह थी-सोमनाथ की दुर्दशा। 13 नवंबर 1947 को, दिवाली के समय, उन्होंने सोमनाथ के जर्जर अवशेषों के सामने खड़े होकर, समुद्र का जल हाथ में लेकर संकल्प लिया, ''इस (गुजराती) नववर्ष पर हमारा निश्चय है कि सोमनाथ का पुनर्निर्माण होगा। सौराष्ट्र के लोगों को इसके लिए हर तरह से अपना योगदान देना होगा। यह एक पावन कार्य है, जिसमें हर किसी को भागीदारी निभानी होगी।'' उनके इस आह्वान ने सिर्फ गुजरात ही नहीं, बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष को नए उत्साह से भर दिया।

दुर्भाग्यवश, सरदार पटेल अपने उस सपने को साकार होते नहीं देख सके, जिसके लिए उन्होंने स्वयं को समर्पित कर दिया था। इससे पहले कि जीर्णोद्धार के बाद सोमनाथ मंदिर भक्तों के लिए खुलता, उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इसके बावजूद, प्रभास पाटन की पावन धरती पर उनका प्रभाव निरंतर महसूस किया जाता रहा है। उनके विजन को के.एम. मुंशी ने आगे बढ़ाया, जिन्हें नवानगर के जामसाहेब का समर्थन मिला। 1951 में मंदिर का पुनर्निर्माण पूरा होने पर राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद को उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री पंडित नेहरू के विरोध के बावजूद, डॉ. प्रसाद ने समारोह में हिस्सा लेकर इसे ऐतिहासिक बना दिया।

मुझे अक्टूबर 2001 का वह समय आज भी अच्छे से याद है, जब मैंने मुख्यमंत्री के रूप में दायित्व संभाला था। 31 अक्टूबर 2001 को, सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर गुजरात सरकार ने सोमनाथ मंदिर के पुनर्निर्माण की 50वीं वर्षगांठ का भव्य आयोजन किया। इसी समय सरदार पटेल की 125वीं जयंती भी मनाई जा रही थी। इस कार्यक्रम में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी और तत्कालीन गृहमंत्री श्री लालकृष्ण आडवाणी जी की मौजूदगी ने इसे और भी गरिमापूर्ण बना दिया।

11 मई 1951 को अपने भाषण में डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने कहा था कि सोमनाथ मंदिर दुनिया को यह संदेश देता है कि अद्वितीय श्रद्धा और विश्वास को कभी नष्ट नहीं किया जा सकता। उन्होंने आशा व्यक्त की, कि यह मंदिर सदैव लोगों के हृदय में बसा रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि मंदिर के पुनर्निर्माण से सरदार पटेल का सपना साकार हुआ है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि सरदार पटेल की भावनाओं के अनुरूप लोगों के जीवन में समृद्धि भी लानी होगी। इसको लेकर उनके संदेश अत्यंत प्रेरणादायी रहे हैं।

पिछले एक दशक से हम इसी मार्ग पर चल रहे हैं। 'विकास भी, विरासत भी' के मंत्र से प्रेरित होकर सोमनाथ से काशी, कामाख्या से केदारनाथ, अयोध्या से उज्जैन और त्रयंबकेश्वर से श्रीशैलम तक, हमने अपने आध्यात्मिक केंद्रों को आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया है। इसके साथ ही उनकी पारंपरिक पहचान को भी बनाए रखा है। आज बेहतर कनेक्टिविटी से ज्यादा से ज्यादा लोग यहां आ पा रहे हैं। इससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, आजीविका सुरक्षित हो रही है, साथ ही 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना और सशक्त हो रही है। सोमनाथ की रक्षा और इसके पुनर्निर्माण के लिए जिन्होंने अपना सर्वस्व बलिदान किया, उनका संघर्ष हम कभी नहीं भुला सकते। भारत के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने इसकी भव्यता और दिव्यता को लौटाने में अपना अद्भुत योगदान दिया। उनकी ऐसी ही आस्था पूरे भारतवर्ष को लेकर भी थी। वे एकता की ऐसी अद्भुत डोर से बंधे थे, जिसे जमीनी सीमाओं में नहीं बांटा जा सकता। आज की विभाजित दुनिया में, सोमनाथ से मिलने वाली एकता की यह सीख पहले से कहीं अधिक प्रासंगिक है। सोमनाथ अपनी गौरवशाली परंपरा के साथ हमेशा खड़ा रहेगा, क्योंकि यह हमारी साझा सभ्यता का प्रतीक है। इसी गौरव को नमन करते हुए बलिदान देने वाले वीरों की स्मृति में और दानवीरों की उदारता को याद करते हुए अगले एक हजार दिनों तक यहां विशेष पूजा आयोजित की जाएगी। यह देखकर बहुत प्रसन्नता हो रही है कि बड़ी संख्या में लोग इस पुनीत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं।

सोमनाथ हमें याद दिलाता है कि जब कोई समाज अपनी आस्था, अपनी संस्कृति और अपनी एकता से जुड़ा रहता है, तब उसे लंबे समय तक दबाया नहीं जा सकता। आज भी हमारी सबसे बड़ी शक्ति यही साझा चेतना है, यही एकात्म भाव है। यही भावना हमें विभाजन से ऊपर उठकर राष्ट्रहित में साथ चलने की प्रेरणा देती है।

मैं सभी देशवासियों से आग्रह करता हूं कि इस पावन अवसर पर पवित्र सोमनाथ धाम की यात्रा करें और इसकी भव्यता के साक्षात दर्शन करें। जब आप सोमनाथ के तट पर खड़े होंगे, तब उसकी प्राचीन प्रतिध्वनियों को अपने भीतर महसूस करेंगे। वहां आपको केवल भक्ति का अनुभव नहीं होगा, बल्कि उस सभ्यतागत चेतना की सशक्त धड़कन भी सुनाई देगी, जो कभी रुकी नहीं, जिसकी तीव्रता कभी कम नहीं हुई। वहां आप भारत की उस अपराजित आत्मा का अनुभव करेंगे, जिसने हर आघात के बावजूद अपनी पहचान और अपनी संस्कृति को अक्षुण्ण बनाए रखा। आप समझ पाएंगे कि इतने प्रयासों के बाद भी क्यों हमारी सभ्यता मिट नहीं सकी। वहां आपको चिर विजय के उस दर्शन का अनुभव होगा, जो सदियों से भारत की शक्ति बना हुआ है। मुझे पूरा विश्वास है कि आपके लिए यह एक अविस्मरणीय अनुभव होगा।

पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन है वैचारिक बदलाव का संकेत

ललित गर्ग

पश्चिम बंगाल के हालिया विधानसभा चुनाव परिणामों को केवल एक राजनीतिक दल की जीत या हार के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। यह परिणाम उस वैचारिक संघर्ष का प्रतीक बनकर उभरे हैं, जो लंबे समय से बंगाल की राजनीति के भीतर सुलग रहा था। वर्षों तक बंगाल को एक ऐसे राज्य के रूप में प्रस्तुत किया गया, जहां कथित रूप से जाति, धर्म और पहचान की राजनीति नहीं चलती, बल्कि विचारधारा, वर्ग-संघर्ष और बंगालियत की राजनीति प्रभावी रहती है। किंतु 2026 के चुनाव परिणामों ने इस स्थापित धारणा को गहराई से चुनौती दी है। यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि सामाजिक मनोविज्ञान में आए परिवर्तन का भी संकेत है। मतदाता अब केवल भावनात्मक नारों या वैचारिक रोमांटिसिज्म के आधार पर मतदान नहीं कर रहा, बल्कि वह अपनी सांस्कृतिक पहचान, सुरक्षा, सामाजिक संतुलन और भविष्य को भी ध्यान में रख रहा है। यही कारण है कि पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी की अभूतपूर्व सफलता को अनेक विश्लेषक एक प्रकार के सांस्कृतिक पुनर्जागरण के रूप में देख रहे हैं।

पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल की राजनीति में बंगाली अस्मिता और हिंदू पहचान के बीच एक वैचारिक द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा था। तृणमूल कांग्रेस ने स्वयं को बंगाल की संस्कृति और क्षेत्रीय गौरव का संरक्षक बताया, जबकि भाजपा ने राष्ट्रीयता, हिंदुत्व और सांस्कृतिक चेतना को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया। वास्तव में बंगाल की ऐतिहासिक चेतना कभी संकुचित नहीं रही। यह वही भूमि है जहाँ से स्वामी विवेकानंद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय, रवींद्रनाथ ठाकुर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस जैसे महापुरुषों ने भारतीय राष्ट्रवाद को नई दिशा दी। वंदे मातरम् का उद्घोष भी इसी भूमि से निकला। इसलिए जब बंगाल में राष्ट्रीयता और सांस्कृतिक अस्मिता की चर्चा होती है, तो वह केवल राजनीतिक मुद्दा नहीं रह जाता, बल्कि भावनात्मक और ऐतिहासिक संदर्भ भी ग्रहण कर लेता है। भाजपा ने इसी ऐतिहासिक चेतना को पुनः जागृत करने का प्रयास किया। दुर्गापूजा, रामनवमी, हनुमान जयंती और हिंदू धार्मिक प्रतीकों को लेकर जिस प्रकार की राजनीतिक बहसें पिछले वर्षों में सामने आईं, उन्होंने हिंदू समाज के एक बड़े वर्ग को यह महसूस कराया कि उसकी सांस्कृतिक अभिव्यक्तियां राजनीतिक विवाद का विषय बन रही हैं। परिणामस्वरूप एक बड़ा वर्ग अपनी पहचान के प्रश्न पर अधिक मुखर हुआ।

पश्चिम बंगाल की राजनीति लंबे समय से अल्पसंख्यक वोट बैंक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। विपक्ष लगातार यह आरोप लगाता रहा कि ममता बनर्जी सरकार ने संतुलित शासन के बजाय तुष्टिकरण की राजनीति को बढ़ावा दिया। चाहे इमाम भत्ता का मुद्दा हो, धार्मिक आयोजनों को लेकर प्रशासनिक निर्णय हों या सीमावर्ती जिलों में बदलता जनसांख्यिकीय संतुलन-इन सभी विषयों ने धीरे-धीरे हिंदू समाज के भीतर असंतोष को जन्म दिया। यह असंतोष केवल धार्मिक नहीं था, बल्कि सामाजिक और मनोवैज्ञानिक भी था। अनेक लोगों को यह लगने लगा कि राज्य में कानून व्यवस्था और प्रशासनिक निर्णयों में निष्पक्षता का अभाव है। भाजपा ने इसी भावना को राजनीतिक रूप दिया। उसने यह संदेश देने का प्रयास किया कि उसकी राजनीति केवल चुनाव जीतने की नहीं, बल्कि सांस्कृतिक सुरक्षा स्थापित करने की राजनीति है। यही कारण है कि चुनाव प्रचार के दौरान जय श्रीराम जैसे नारे केवल धार्मिक उद्घोष नहीं रहे, बल्कि वे एक प्रकार के राजनीतिक प्रतिरोध और सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक बन गए।

इस चुनाव में हिंदी भाषी मतदाताओं की भूमिका भी महत्वपूर्ण रही। पिछले कुछ वर्षों में बंगाल के औद्योगिक और शहरी क्षेत्रों में हिंदी भाषी समाज का प्रभाव बढ़ा है। यह वर्ग लंबे समय से स्वयं को राजनीतिक रूप से उपेक्षित महसूस करता रहा था। भाजपा ने इस वर्ग को संगठित करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि इस चुनाव को केवल हिंदी बनाम बंगाली के दृष्टिकोण से देखना भी उचित नहीं होगा। वस्तुतः भाजपा ने हिंदी भाषी और स्थानीय हिंदू समाज के बीच एक वैचारिक सेतु बनाने का प्रयास किया। उसने यह संदेश दिया कि सांस्कृतिक राष्ट्रवाद क्षेत्रीय सीमाओं से ऊपर है। यही कारण है कि बंगाल के अनेक क्षेत्रों में भाजपा को व्यापक समर्थन मिला। पश्चिम बंगाल कभी वामपंथ का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता था। वर्ग-संघर्ष, श्रमिक राजनीति और धर्मनिरपेक्षता की विचारधारा यहाँ की राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा रही। लेकिन समय के साथ यह विचारधारा जमीन से कटती चली गई। वामपंथी दल जनता की नई आकांक्षाओं, युवाओं की उम्मीदों और बदलते सामाजिक यथार्थ को समझने में असफल रहे। आज का युवा केवल वैचारिक भाषण नहीं चाहता- वह रोजगार, सुरक्षा, सांस्कृतिक सम्मान और विकास चाहता है। यही कारण है कि वामपंथ धीरे-धीरे राजनीतिक हाशिये पर पहुँच गया। भाजपा ने इस खाली स्थान को भरते हुए स्वयं को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित किया।

पश्चिम बंगाल में भाजपा की सफलता को अनेक लोग डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सपनों से भी जोड़कर देख रहे हैं। डॉ. मुखर्जी केवल एक राजनेता नहीं थे, बल्कि भारतीय एकता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने विभाजनकारी राजनीति का विरोध किया और राष्ट्रीय एकात्मता को सर्वोपरि माना। बंगाल की राजनीति में भाजपा का उभार कहीं न कहीं उसी विचारधारा की पुनर्स्थापना के रूप में प्रस्तुत किया जा रहा है। यह संदेश देने का प्रयास किया जा रहा है कि बंगाल अब केवल क्षेत्रीय राजनीति का केंद्र नहीं रहेगा, बल्कि वह पुनः राष्ट्रीय चेतना का नेतृत्व करेगा। सबसे बड़ा प्रश्न यही है कि क्या इन चुनाव परिणामों को हिंदू पुनर्जागरण कहा जा सकता है? इसका उत्तर पूरी तरह सरल नहीं है, किंतु इतना स्पष्ट है कि हिंदू समाज के भीतर अपनी सांस्कृतिक पहचान को लेकर एक नई जागरूकता अवश्य उत्पन्न हुई है। यह जागरूकता केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि राजनीतिक अभिव्यक्ति का भी रूप ले रही है। हालांकि किसी भी लोकतंत्र में यह आवश्यक है कि सांस्कृतिक चेतना सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक मूल्यों के साथ संतुलित रहे। यदि पहचान की राजनीति संवाद और समावेशिता के बजाय टकराव का रूप लेती है, तो वह लोकतंत्र के लिए चुनौती बन सकती है। इसलिए बंगाल के इस परिवर्तन को केवल विजय उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि एक सामाजिक चेतावनी और आत्ममंथन के अवसर के रूप में भी देखा जाना चाहिए।

पश्चिम बंगाल की राजनीति अब एक नए मोड़ पर खड़ी है। भाजपा की जीत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बंगाल अब राजनीतिक रूप से अपवाद नहीं रहा। यहाँ भी वही प्रश्न महत्वपूर्ण हो गए हैं जो देश के अन्य हिस्सों में प्रभावी हैं-सांस्कृतिक पहचान, राष्ट्रवाद, सुरक्षा, विकास और सामाजिक संतुलन। लेकिन सत्ता परिवर्तन के साथ जिम्मेदारियाँ भी आती हैं। यदि भाजपा वास्तव में बंगाल में एक नए युग की शुरुआत करना चाहती है, तो उसे केवल वैचारिक नारों तक सीमित नहीं रहना होगा। उसे रोजगार, उद्योग, शिक्षा, कानून व्यवस्था और सामाजिक समरसता जैसे मुद्दों पर ठोस कार्य करना होगा। बंगाल की धरती ने हमेशा भारत को विचार, साहित्य, संस्कृति और राष्ट्रवाद की नई दिशा दी है। आज फिर इतिहास एक नए मोड़ पर खड़ा है। आने वाला समय तय करेगा कि यह परिवर्तन केवल राजनीतिक लहर साबित होगा या वास्तव में बंगाल के सांस्कृतिक और वैचारिक पुनर्जागरण का आधार बनेगा।

-लेखक, पत्रकार, स्तंभकार

वर्ग पहेली नं. 3432

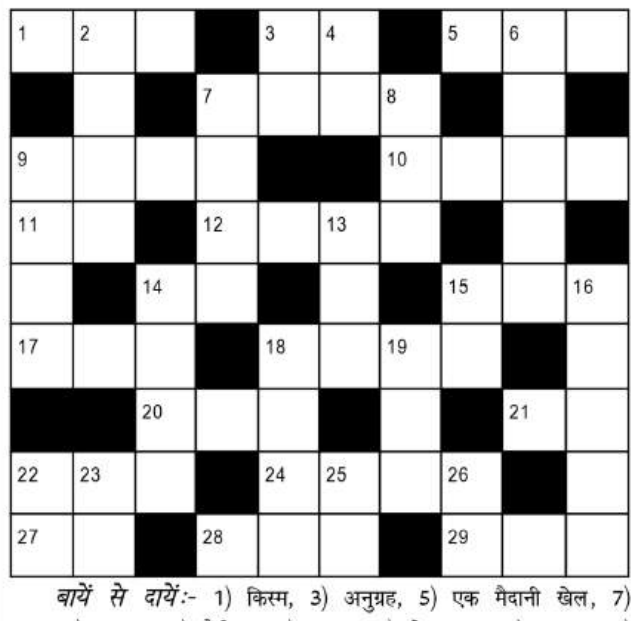

बायें से दायें:- 1) किस्म, 3) अनुग्रह, 5) एक मैदानी खेल, 7) भूकर, 9) आरा, 10) दैवीय, 11) मग्न, 12) जेलयात्रा, 14) समय, 15) धन, 17) सारा, 18) दानेदार, 20) पीड़ा, 21) निर्मल, 22) पियक्कड़, 24) अग्निशामक गाड़ी, 27) एक संख्या, 28) एकाकी, 29) एक पक्षी.

ऊपर से नीचे:- 2) काम में लगा, 3) कीड़ा, 4) निर्मल, 6) बेर, 7) गतकाल, 8) अमीर, 9) दुष्कृत्य, 13) दिन, 14) सफलता, 15) रोग का आक्रमण, 16) पक्षपाती, 18) जल्दी-जल्दी, 19) प्रेक्षक, 22) शताब्दी, 23) ढेर, 25) बड़ा, 26) आदी; व्यसनी. *(उत्तर: अगले अंक में)*

पिछली पहेली का उत्तर

Mob. No. 08329510310

सुडोकू-पहेली-3390

	2				1			7
			3			5		
		1						9
		3	5	4				
2					7	8		1
		4				6		
1						9		
7				2				4
	8				5			

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3389 का उत्तर

3	7	4	2	6	5	9	8	1
5	9	1	3	8	4	2	6	7
2	6	8	9	1	7	5	3	4
7	2	5	8	4	9	6	1	3
6	4	9	7	3	1	8	2	5
8	1	3	6	5	2	7	4	9
1	8	2	5	9	3	4	7	6
4	5	7	1	2	6	3	9	8
9	3	6	4	7	8	1	5	2

रथ अगर मेरे निजी सहायक नहीं होते तो शायद उनकी हत्या नहीं होती : शुभेंदु अधिकारी

हत्या को बताया 'सोची-समझी साजिश', कहा.. 'मामले की जांच सही दिशा में बढ़ रही है'

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को दावा किया कि चंद्रनाथ रथ अगर उनके निजी सहायक के तौर पर काम नहीं करते तो शायद उनकी हत्या नहीं होती। उन्होंने भरोसा जताया कि पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार कर लेगी। शुभेंदु ने आरोप लगाया कि रथ की हत्या में सुपारी लेकर हत्या करने वाले संलिप्त थे। उन्होंने दावा किया कि रथ की किसी से कोई राजनीतिक दुश्मनी नहीं थी। रथ के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए उनके पैतृक स्थान पूर्व मेदिनीपुर जिले के चंडीपुर ले जाते समय शुभेंदु ने संवाददाताओं से कहा कि भारतीय वायु सेना के पूर्व कर्मी रथ की हत्या मेरे साथ उनके संबंध के कारण हुई है। शुभेंदु बारासात स्टेट जनरल अस्पताल में संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे, जहां रथ के शव का पोस्टमार्टम किया गया। भाजपा नेता ने कहा कि अगर भारतीय वायु सेना का पूर्व जवान मेरा निजी सहायक न होता और मैं भवानीपुर से चुनाव न जीता होता, तो शायद उसकी जान न जाती। उसकी एकमात्र गलती यह थी कि वह शुभेंदु अधिकारी का निजी सहायक था। उसकी जान लेने के लिए उस पर

पांच गोलियां चलाई गईं। शुभेंदु ने मामले की जांच के बारे में बताया कि पुलिस महानिदेशक (डीजीपी)ने उन्हें सूचित किया है कि अपराध में कथित तौर पर इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल घटनास्थल से लगभग चार किलोमीटर दूर बरामद की गई है। उन्होंने अस्पताल से बाहर संवाददाताओं से कहा कि पुलिस काम कर रही है। मैंने डीजीपी से बात की, उनके पास कुछ सुराग हैं और कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। मुझे विश्वास है कि पुलिस हमलावरों को गिरफ्तार कर लेगी। सीआईडी, फोरेंसिक और एसआईटी काम कर रही हैं और पुलिस सही दिशा में आगे बढ़ रही है। शुभेंदु ने पूर्ववर्ती तृणमूल कांग्रेस सरकार पर तंज कसते हुए दावा किया कि पुलिस मामलों को सुलझाने में सक्षम है, लेकिन पहले उन्हें ऐसा करने की अनुमति नहीं थी। भाजपा नेता ने तृणमूल कांग्रेस द्वारा मामले की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से कराने की मांग पर कहा कि अब तृणमूल की कोई प्रासंगिता नहीं है। पुलिस इस मामले को सुलझा लेगी। उन्होंने पुलिस से हत्या में शामिल सभी लोगों की पहचान करने और उन्हें मृत्युदंड दिलाने का आग्रह किया।

शुभेंदु के पीए की हत्या : चालक की कई सर्जरी हुई, हालत अब भी नाजुक

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ पर हमले के दौरान घायल हुए उनके कार चालक की हालत अब भी नाजुक बनी हुई है। अस्पताल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रथ की कार चला रहे बुद्धदेव बेरा को गोलियां लगी हैं, और उनकी कई सर्जरी हुई हैं। उन्होंने बताया कि बेरा की हालत नाजुक बनी हुई है। उनकी दो सर्जरी हुई हैं और गहन चिकित्सा इकाई में उनकी लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने कहा कि डॉक्टर बेरा की हालत स्थिर करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

Change of Name

I, Kanishk Sinha, alias Gunjan Sinha, son of Bimal Bihari Sinha, resident of 122, Bidhanpally, Bansdroni, Kolkata-700084, do hereby solemnly affirm and declare that I have changed my name from Kanishk Sinha alias Gunjan Sinha to Kanishk Sinha via affidavit before the Notary Public at Kolkata dated 7th May 2026.

Change of Name

It is for general information that I, NILA NAMADAS W/O LATE MANIRUL ISLAM, R/o West Ghughumari, VTC Ghughumari, DIST: Cooch Behar-I, West Bengal-736170, declare that name my minor Son has been wrongly written as REJJU ISLAM in my minor Son RAJ NAMA DAS aged 11 Years in his Birth Certificate NO-WB-BR-2015/20111/1/4127. The actual name my minor Son is RAJ NAMA DAS, which may be amended accordingly.

PWD (GOVT OF WB) TENDER

Offline Short Notice Inviting Tender No -12/ City (M) of 2026-27 from bonafied and resourceful contractors having credential in similar urgent nature of works and as per Govt. rule. Last date & time of application for obtaining permission will be **on 08.05.2026 up to 12.00 hrs.** Other details may be seen from the web site: **www.pwdwb.in**

Sd/-
Executive Engineer-I,
City Division, P.W.D.

TENDER NOTICE
Short NIQ No. 02 of 2026-2027

Sr. SE, Presidency Circle, PWD invites offline Short NIQ for the work of **"SWEARING IN CEREMONY OF THE CHIEF MINSTER AND COUNCIL OF MINISTERS ON 9TH MAY, 2026 AT BRIGADE PARADE GROUND- Erection of raised platform and allied works".** Last date & time for receipt of tender :- **08.05.2026 up to 1.00 p.m.** Sd/-
Sr. Superintending Engineer
Presidency Circle, PWD
Govt. of West Bengal

'यह हत्या भवानीपुर में ममता की हार का बदला है', चंद्रनाथ रथ की मां ने कहा

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव परिणाम आने के महज 48 घंटे बाद अपने बेटे की मौत से स्तब्ध चंद्रनाथ रथ की मां ने गुरुवार को दोषियों को उम्रकैद की सजा देने की मांग की और दावा किया कि यह हत्या भवानीपुर में शुभेंदु अधिकारी के खिलाफ ममता बनर्जी की हार का बदला है। रथ की मां ने कहा कि एक मां होने के नाते मैं किसी के लिए मौत की सजा नहीं मांग सकती। लेकिन मैं दोषियों के लिए उम्रकैद की मांग करूंगी। शोकाकुल मां ने दावा किया कि यह हत्या भवानीपुर में ममता बनर्जी की हार का बदला है। उन्होंने चुनाव प्रचार के दौरान तृणमूल कांग्रेस के नेताओं के बयानों का हवाला देते हुए कहा कि जब शुभेंदु अधिकारी शांतिपूर्ण मतदान की अपील कर रहे थे, तब तृणमूल सार्वजनिक रूप से कह रही थी कि चार मई के नतीजों के बाद ''दिल्ली का कोई नेता भाजपा कार्यकर्ताओं को नहीं बचा पाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्होंने (तृणमूल नेताओं ने) अपनी बात सच साबित कर दी। उन्होंने कहा कि उनके बेटे को नंदीग्राम और भवानीपुर चुनावों की विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई थी। रथ की मां ने आरोप लगाया कि अगर उसकी मौत किसी दुर्घटना में होती तो मुझे इतना दुख नहीं होता। उसे नंदीग्राम और भवानीपुर चुनावों की जिम्मेदारी दी गयी थी और इसी वजह से उसे निशाना बनाया गया।

पैतृक गांव में किया गया अंतिम संस्कार

पूर्व मेदिनीपुर : भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ का गुरुवार को पूर्व मेदिनीपुर जिले में उनके पैतृक गांव में अंतिम संस्कार किया गया, जहां हजारों ग्रामीणों ने उनकी मौत पर शोक व्यक्त किया। भारतीय वायु सेना के पूर्व कर्मचारी 42 वर्षीय रथ के पार्थिव शरीर को राष्ट्रीय ध्वज में लपेटकर उनके गांव कुलुप में रखा गया ताकि लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे सकें। शुभेंदु के भाई दिव्येंदु अधिकारी समेत कई भाजपा नेता वहां मौजूद थे। इससे पहले, उत्तर 24 परगना जिले के बारासात अस्पताल में शव का पोस्टमार्टम किया गया था। शुभेंदु अधिकारी पोस्टमार्टम के दौरान तीन घंटे से अधिक समय तक बारासात अस्पताल में रहे। जब रथ का शव चांदीपुर

क्षेत्र के कुलुप गांव ले जाया गया, तो उनकी मां और परिवार के अन्य सदस्य बिलखने लगे तथा पड़ोसियों ने उन्हें सांत्वना दी।

मैंने रथ से आखिरी बातचीत में पहले कराहने और फिर गोलियों की आवाज सुनी : शंकर घोष

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा विधायक शंकर घोष ने गुरुवार को दावा किया कि मध्यग्राम के पास शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या से कुछ देर पहले फोन पर हुई बातचीत में उन्होंने गोलियों की आवाज सुनी थी। घोष ने मध्यग्राम में एक निजी अस्पताल में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मेरे पास शब्द नहीं हैं। विधानसभा में चंद्रनाथ हमारे सभी विधायकों के बहुत करीबी थे। वे शुभेंदु दा के भरोसेमंद सहयोगी थे। मुझे और कुछ नहीं कहना है। भाजपा विधायक ने दावा किया कि वह बुधवार की रात करीब 10 बजे उल्टाडांगा से लौटते समय रथ से फोन पर बात कर रहे थे। उन्होंने बताया कि हम केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की यात्रा और शनिवार को ब्रिगेड परेड ग्राउंड में होने वाले शपथ ग्रहण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भी संभावित तौर पर उपस्थित होने को लेकर चर्चा कर रहे थे। घोष ने बताया कि अचानक उनकी आवाज बदल गई। मुझे कुछ कराहने की आवाजें सुनाई दीं और फिर गोलियां चलने जैसी आवाजें सुनाई दीं। उसके बाद सन्नाटा छा गया। विधायक ने कहा कि उन्होंने रथ को बार-बार फोन किया लेकिन दूसरी तरफ से कोई जवाब नहीं मिला। घोष ने कहा कि मैंने उन्हें संदेश भेजकर पूछा, 'क्या आप ठीक हैं?' लेकिन कोई जवाब नहीं आया। जब मैंने दोबारा फोन किया तो एक अज्ञात व्यक्ति ने जवाब दिया और मुझे बताया कि चंद्रनाथ को गोली मार दी गई है। उन्होंने बताया कि शुभेंदु अधिकारी को घटना की जानकारी देने के बाद, वह तत्काल उस निजी अस्पताल की ओर रवाना हुए जहां रथ को ले जाया गया था।

राज्य में चुनावी आचार संहिता समाप्त, फलता में पुनर्मतदान के कारण पाबंदी बरकरार

कोलकाता, समाज्ञा : निर्वाचन आयोग ने राज्य से 'आदर्श चुनाव आचार संहिता' (एमसीसी) को तत्काल प्रभाव से हटा लिया है। 15 मार्च को चुनावी बिगुल बजने के साथ ही लागू हुई यह पाबंदियां चार मई को परिणाम घोषित होने के बाद समाप्त कर दी गई हैं। आयोग ने इस संबंध में राज्य के मुख्य सचिव को औपचारिक अधिसूचना भेज दी है, जिससे अब इन राज्यों में विकास कार्य और प्रशासनिक नियुक्तियां सामान्य रूप से सुचारू हो सकेंगी। भले ही, पूरे राज्य से आचार संहिता हट गई हो, लेकिन दक्षिण 24 परगना जिले की 'फलता' विधानसभा सीट पर यह अभी भी प्रभावी रहेगी। दरअसल, चुनाव आयोग ने ईवीएम में गड़बड़ी और चुनावी अनियमितताओं की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए फलता में हुए पिछले मतदान को रद्द कर दिया है। अब यहां 21 मई को नए सिरे से मतदान कराया जाएगा, जिसके नतीजे 24 मई को घोषित होंगे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि जब तक फलता की चुनावी प्रक्रिया पूरी नहीं हो जाती, वहां आदर्श आचरण विधि लागू रहेगी।

विशेष पर्यवेक्षक के दायित्व से सुब्रत गुप्ता और एनके मिश्रा हुए कार्यमुक्त

विधानसभा चुनाव के समापन के साथ ही निर्वाचन आयोग ने अपने विशेष पर्यवेक्षकों को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया है। आयोग ने गुरुवार को सुब्रत गुप्ता और एनके मिश्रा को पत्र जारी कर इस फैसले की जानकारी दी। सुब्रत गुप्ता को पहले राज्य में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान रोल आब्जर्वर के रूप में नियुक्त किया गया था। उनके कार्य से संतुष्ट होकर आयोग ने उन्हें विधानसभा चुनाव के लिए विशेष पर्यवेक्षक की अतिरिक्त जिम्मेदारी भी सौंपी थी। वहीं, पूर्व आईपीएस अधिकारी एनके मिश्रा को विशेष पुलिस पर्यवेक्षक के रूप में तैनात किया गया था, जिनकी भूमिका चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था और आयोग के निर्देशों के पालन को सुनिश्चित करना था। चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद अब आयोग ने दोनों अधिकारियों को उनके दायित्वों से मुक्त कर दिया है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विद्युत कार्य हेतु ई-निविदा सूचना

निविदा सूचना क्र.: 16-सीई- एसईसीआर-सी-2026, दिनांक: 02.05.2026. **कार्य का नाम:** "एसईसी रेलवे के बिलासपुर डिवीजन में सीआईसी सेक्शन में 2x25 केवी एसी ट्रैक्शन सिस्टम के लिए स्वचालित फॉल्ट लोकेटर (एएफएल) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग।" **निविदा मूल्य:** ₹ 7,49,11,375.00 (₹ सात करोड़ उनतालीस लाख ग्यारह हजार तीन सौ पचहत्तर) मात्र। **बयाना राशि:** ₹ 14,98,200/- (₹ चौदह लाख अट्ठानबे हजार दो सौ) मात्र। **निविदा बंद होने की तिथि व समय: 08.06.2026 को 15:30 बजे। निविदा खुलने की तिथि व समय: 08.06.2026 को 15:45 बजे। कार्य पूर्ण होने की अवधि:** स्वीकृत का पत्र जारी होने की तारीख से 12 (बारह) माह। **वेबसाइट का विवरण तथा नोटिस बोर्ड का स्थान:** उपर दिए गए कार्य के लिए विस्तृत जानकारी/ ई-निविदा दस्तावेज पात्रता का मापदंड तथा अन्य विस्तृत विवरण हेतु ई-निविदा कागजात, जो हमारी वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है उससे डाउनलोड कर/देख सकते है।

उप मुख्य विद्युत अभियंता/निर्माण/
सीपीआर/10/84 मुख्या./बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-38-40-26, दिनांक: 06.05.2026। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी)/आद्रा, दक्षिण पूर्व रेलवे द्वारा नीचे उल्लिखित अनुसार **समपार, विविध कार्यों एवं पुल कार्य** के लिए **03 (तीन)** अदद ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: **क्रम संख्या: 1। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-38-26। कार्यों का विवरण:** मंडल अभियंता/ नॉर्थ/आद्रा के अधीन रखरखाव्ड सतह प्रदान करके महत्वपूर्ण एवं व्यस्त समपार का सुधार। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,36,10,222.54। **क्रम संख्या: 2। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-39-26। कार्यों का विवरण:** भोजुडीह इंटर कॉलेज में वर्तमान भवन का सुधार तथा क्षतिग्रस्त चारदीवारी का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 43,15,155.35। **क्रम संख्या: 3। निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-40-26। कार्य का विवरण:** एडीईएन/बोकारो स्टील सिटी के अधिकार क्षेत्र के अधीन ग्राउटिंग द्वारा पुल का सुधार एवं जीर्णोद्धार, बैलास्ट रिटेनिंग वाल, विंग वाल, फ्लोरिंग, सीढ़ी का निर्माण आदि। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,36,10,222.54। ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय **10.06.2026 को अपराह्न 3.00 बजे** (क्रम संख्या 1 से 3 प्रत्येक के लिए) है। उपर्युक्त ई-निविदा का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। **(PR-134)**

पूर्व रेलवे

निविदा सं.: एसडीएसटीई-एलएचएस-एलसीजी-30-35-आरई, दिनांक: 05.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, हावड़ा, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए **निविदा सं.: एएसडीएसटीई-एलएचएस-एलसीजी-30-35-आरई** के तहत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** हावड़ा मंडल-निम्नलिखित के संबंध में सिग्नलिंग कार्य-शेड्यूल ए1-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 30 के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। शेड्यूल ए2-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 30 के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए टेलीकॉम्यूनिकेशन लागत। शेड्यूल बी1-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 35 के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए सिग्नलिंग लागत। शेड्यूल बी2-एईएन/बैण्डेल के तहत रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा लेवल क्रॉसिंग गेट नंबर 35के बदले नए एलएचएस के निर्माण के लिए टेलीकॉम लागत। **निविदा की किस्म:** खुली। **विज्ञापित मूल्य:** रु. 2,62,41,469.46, **बयाना राशि/बोली प्रतिभूति:** रु. 5,24,800/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** रु.0.00, **बोली प्रणाली:** एकल पैकेट। **बोली प्रारंभ होने की तिथि:** 15.05.2026, **प्रस्ताव की वैधता :** 60 दिन। **समापन अवधि:** 12 माह। **निविदा अपलोड करने की तिथि और समय:** 05.05.2026, 17.43 बजे। **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 29.05.2026, 15.00 बजे। बोलीदाता केवल अंतिम तिथि और समय तक अपनी मूल/संशोधित बोली जमा कर पाएंगे। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं मैनुअल प्रस्ताव प्राप्त होने पर ध्यान नहीं दिया जाएगा। HWH-50/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

इच्छा की अभिव्यक्ति
ध्यान दें: सरकारी/प्राइवेट अस्पताल/सेंटर

सं.: मेड/फ्रेश यूनिफाइड एमओयू/हॉस्प टाई-अप/बीआरएसएच/2026 दिनांक: 07.05.2026

नवीनीकृत सीजीएचएस दरों पर विभिन्न प्रक्रियाओं के लिए दो (02) वर्षों के यूनिफाइड एमओयू टाई-अप हेतु इच्छा की अभिव्यक्ति (ईओआई) का दस्तावेज़ दिनांक 07.05.2026 को पूर्व रेलवे की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

कोलकाता और आस-पास के क्षेत्रों में स्थित इच्छुक सरकारी/प्राइवेट अस्पताल/सेंटर रेलवे की वेबसाइट पर उपलब्ध ईओआई दस्तावेज़ में विस्तृत सूची, नियमों और शर्तों के अनुसार उक्त टाई-अप में भाग ले सकते हैं।

दो (02) वर्षों के यूनिफाइड एमओयू टाई-अप के लिए ईओआई अधिसूचना का लिंक: **https://er.indianrailways.gov.in/view_section.jsp?lang=0&id=0,6,442,462,467,2223**

चिकित्सा निदेशक, बी.आर.सिंह अस्पताल, सियालदह

पूर्व रेलवे

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

ऑर्थोपेडिक अस्पताल, हावड़ा में ऑनरेरी विजिटिंग स्पेशलिस्टों की नियुक्ति

मंडल रेलवे अस्पताल (ऑर्थोपेडिक अस्पताल), पूर्व रेलवे, हावड़ा में अनुबंध के आधार पर ऑनरेरी विजिटिंग स्पेशलिस्ट (एचवीएस) के निम्नलिखित पदों को भरने के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, ऑर्थोपेडिक अस्पताल, 222, विप्लवी हरेन घोष सरणी, पूर्व रेलवे, हावड़ा-711101 को संबोधित आवेदन सभी प्रासंगिक प्रमाणपत्रों तथा दस्तावेज की स्वयं सत्यापित छायाप्रतियों के साथ जमा किए जाने चाहिए, जिसमें चिकित्सा पंजीकरण प्रमाणपत्र, जीवन पंजिका, हाल ही में खींचे गए पासपोर्ट आकार के 2 (दो) फोटोग्राफ तथा एक स्व घोषणा कि **"मैं, एतद्द्वारा घोषणा करता हूँ कि इस आवेदन में उल्लेखित सभी विवरण मेरी सर्वश्रेष्ठ जानकारी एवं विश्वास में सत्य, परिपूर्ण एवं सटीक है"** सम्मिलित होने चाहिए एवं उसे **दिनांक 20.05.2026 तक** सीएमएस, पूर्व रेलवे, हावड़ा के कार्यालय में डाक द्वारा अथवा सीधे जमा किया जाना चाहिए। आवेदन के साथ मोबाइल नं., ईमेल आईडी एवं आवासिक पते के साथ सम्पर्क का विवरण शामिल होने चाहिए। **निम्नलिखित स्पेशलिटियों में ऑनरेरी विजिटिंग स्पेशलिस्टों की आवश्यकता है :** (1) मेडिसिन, (2) रेडियोलॉजी एवं (3) न्यूरो सर्जरी। कुल रिक्तियां **03 (तीन)** हैं - प्रत्येक स्पेशलिटी में एक। **उम्र की सीमा:** 30 वर्ष से 64 वर्ष तक। विरामहीन नियुक्ति की उच्चतम उम्र की सीमा 65 वर्ष है। **योग्यता: (क) सुपर स्पेशलिस्ट:** डीएम/एमसीएच अथवा समतुल्य योग्यता। **(ख) स्पेशलिस्ट :** एक मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डीएनबी में स्नातकोत्तर डिग्री। पी.जी. डिग्री हासिल करने के उपरांत संबंधित स्पेशलिटी के पेशेवर कार्य में न्यूनतम 3 वर्षों का अनुभव होना चाहिए। **(ग)** पी.जी. डिग्री वाले उपयुक्त उम्मीदवार के उपलब्ध नहीं रहने पर पी.जी. डिप्लोमा हासिल करने के उपरांत संबंधित स्पेशलिटी के पेशेवर कार्य में 5 वर्षों का अनुभव रखने वाले पी.जी. डिप्लोमा धारक उम्मीदवार भी योग्य होंगे। **कार्य का समय: मेडिसिन एवं रेडियोलॉजी** - एक सप्ताह में 6 दिन एवं प्रतिदिन 4 घंटे। **न्यूरो सर्जरी** - एक सप्ताह में 2 दिन एवं प्रतिदिन 2 घंटे। **मासिक मानदेय: (क) सुपर स्पेशलिस्ट** - एक सप्ताह में 6 दिन एवं प्रतिदिन 4 घंटे के लिए - रु. 1,23,000/-। एक सप्ताह में 2 दिन एवं प्रतिदिन 2 घंटे के लिए - रु. 25,000/-। **(ख) स्पेशलिस्ट** - एक सप्ताह में 6 दिन एवं प्रतिदिन 4 घंटे के लिए - रु. 1,00,000/-। एक सप्ताह में 2 दिन एवं प्रतिदिन 2 घंटे के लिए - रु. 20,000/-। आगे के विवरण पूर्व रेलवे की वेबसाइट **www.er.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है। **वि.द्र.:** आवेदकों द्वारा जमा किए गए कागजातों की जांच की जाएगी तथा आवेदकों की व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता नहीं है।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, ऑर्थोपेडिक अस्पताल, हावड़ा

पूर्व रेलवे

हमें अनुसरण करें @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अखिलेश यादव ने ममता से की मुलाकात, कहा... 'दीदी आप हारी नहीं हैं'

अखिलेश ने अभिषेक बनर्जी को लगाया गले, बोले... 'तुम बहुत अच्छा चुनाव लड़े'

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव गुरुवार को पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास पहुंचे और उनसे मिलकर तृणमूल नेतृत्व के प्रति एकजुटता व्यक्त की। अखिलेश ने आरोप लगाया कि बंगाल में चुनाव 'उत्तर प्रदेश मॉडल' की तर्ज पर डराने-धमकाने और हेरफेर के माध्यम से कराए गए। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने ममता के आवास के बाहर अखिलेश का स्वागत किया। बताया जा रहा है कि ममता से मुलाकात में अखिलेश ने विधानसभा चुनाव के बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की और भाजपा के खिलाफ विपक्षी एकता के लिए अपना समर्थन दोहराया। बैठक के दौरान मौजूद सूत्रों ने बताया कि अखिलेश ने ममता से कहा कि आप हारी नहीं हैं। लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई जारी रहेगी। हम आपके साथ खड़े हैं। सपा प्रमुख

ने चुनाव में 'कड़ी टक्कर देने' के लिए अभिषेक को बधाई भी दी।

➨ अखिलेश ने बंगाल चुनाव 'उप्र मॉडल' पर होने का आरोप लगाया

बाद में, अखिलेश ने संवाददातओं से बातचीत में आरोप लगाया कि बंगाल चुनाव में भाजपा, निर्वाचन आयोग और 'भूमिगत तत्वों' की मिलीभगत वाली 'बहुस्तरीय माफिया रणनीति' देखने को मिली। उन्होंने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में जो हुआ, वही बंगाल में दोहराया गया। विपक्षी दलों के मतदान एजेंट को धमकाया गया और डर के माहौल में मतदान कराया गया। विपक्ष की हार सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बलों का इस्तेमाल किया गया। अखिलेश ने आरोप लगाया कि चुनाव में धांधली हुई। भाजपा, निर्वाचन आयोग और भूमिगत तत्वों ने मिलकर यह चुनाव कराया। सपा प्रमुख ने अपने आरोपों के समर्थन में मीडिया कर्मियों के सामने तस्वीरें और आंकड़े पेश किए। अखिलेश ने आरोप लगाया कि चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए अधिकारियों को 'उच्च पदों पर तैनाती का लालच दिया गया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा के उम्मीदवारों ने कई निर्वाचन क्षेत्रों में असामान्य रूप से बड़े अंतर से जीत हासिल की, क्योंकि विपक्षी दलों के मतदान एजेंट को डराया-धमकाया गया था। अखिलेश ने ममता और अभिषेक की सुरक्षा को लेकर चिंता भी जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा 'महिला विरोधी' है और कहा कि देशभर में लोकतांत्रिक ताकतों को एकजुट होना चाहिए।

➨ अखिलेश ने चुनाव बाद हुई हिंसा पर भी उठाए सवाल

अखिलेश ने चुनाव के बाद हुई हिंसा पर भी सवाल उठाए। उन्होंने विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के बारे में पूछे जाने पर कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस घटना के लिए जवाब देना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि चूक के लिए उनसे (शाह) जवाब मांगा जाना चाहिए।

भाजपा अध्यक्ष ने शुभेंदु के पीए के मारे जाने को 'सुनियोजित राजनीतिक हत्या' बताया

कोलकाता, समाज्ञा : भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने पार्टी के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या को 'सुनियोजित राजनीतिक हत्या' करार दिया और दावा किया कि इसका उद्देश्य राज्य में अस्थिरता पैदा करना है। उन्होंने बारासात अस्पताल में संवाददाताओं से कहा कि यह लक्षित हिंसा थी। भट्टाचार्य ने सवाल उठाया कि क्या हमलावर इस हत्या के जरिए भाजपा को कोई राजनीतिक संदेश देना चाहते थे या यह संदेश प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लिए था, जो दो दिन बाद कोलकाता आ रहे हैं? उन्होंने कहा कि वह इस घटना की जानकारी राज्यपाल आर एन रवि को देंगे। भाजपा नेता ने इस हत्या को चुनाव बाद की व्यापक हिंसा की घटनाओं से जोड़ते हुए कहा कि हाल ही में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की मौत हुई है और बशीरहाट में एक अन्य व्यक्ति को गोली मारी गई। उन्होंने बारासात-मध्यमग्राम सीमा क्षेत्र को 'संवेदनशील इलाका' बताते हुए कहा कि तृणमूल कांग्रेस शासन के दौरान यहां घुसपैठियों के लिए कथित तौर पर आधार, राशन कार्ड और मतदाता पहचान पत्र की जालसाजी जैसी गंभीर आपराधिक गतिविधियां होती रही हैं। उपद्रवियों को कड़ी चेतावनी देते हुए भट्टाचार्य ने कहा कि हमारे संयम को हमारी कमजोरी न समझा जाए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि जांच जारी होने और आदर्श आचार संहिता लागू रहने के कारण वह मामले की ज्यादा जानकारी साझा नहीं कर सकते।

शुभेंदु के पीए की हत्या के विरोध में भाजपा समर्थकों ने कई जगहों पर किए प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : मध्यमग्राम में भाजपा के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या के विरोध में राज्य के विभिन्न हिस्सों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया है। गुरुवार को मुर्शिदाबाद जिले के सुती थाना क्षेत्र के मानिकपुर के पास 12 नंबर राष्ट्रीय राजमार्ग पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने सड़क जामकर प्रतिकात्मक धरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने चंद्रनाथ रथ की हत्या के दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और उन्हें कड़ी सजा देने की मांग की। उनका कहना है कि

राज्य में बढ़ती राजनीतिक हिंसा चिंता का विषय है और प्रशासन को इस पर सख्त कदम उठाने चाहिए। दूसरी तरफ, पार्टी कार्यकर्ताओं ने पश्चिम मेदिनीपुर जिले के सालबनी में सड़क जाम कर दी। जिले के सालबनी में भाजपा के लगभग 200 कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जलते हुए टायर के साथ एक मुख्य सड़क को अवरुद्ध कर दिया। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर नयी सरकार के शपथ ग्रहण से पहले रथ की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए नारे लगाए। बाद में, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को लगभग 30 मिनट तक अवरुद्ध की गई सड़क को खोलने के लिए राजी कर लिया।

पूर्व रेलवे

निविदा सूचना संख्या : ईएल/एचडब्ल्यूएच/25/21 (सूचना)/755, दिनांक: 06.05.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नया मंडल रेल प्रबंधक का कार्यालय, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा रेलवे स्टेशन, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित विद्युत कार्यों के लिए ओपन ई-टेंडर आमंत्रित किए जाते हैं: **क्रम सं. 1, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3540, कार्य का नाम :** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 12ए/1 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" से संबंधित विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि):** रु.18,500/-, **क्रम सं. 2, निविदा संख्या : ईएल-एचडब्ल्यूएच -25-21-3560-आर, कार्य का नाम :** "पूर्व रेलवे मुख्यालय भवनों (फेयरली प्लेस और ओल्ड केजी) के कार्यालयों के रिमॉडलिंग तथा भवन के बाहरी हिस्से के बड़े पैमाने पर उन्नयन जिसमें भवन की छत, दीवारों, चारदीवारी की व्यापक मरम्मत और छत से होने वाले रिसाव की रोकथाम शामिल हैं" से संबंधित विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 79,45,476/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन राशि):** रु. 1,58,900/-, **क्रम सं. 3, निविदा संख्या: ईएल-एचडब्ल्यूएच-25-21-3588, कार्य का नाम :** "एईएन/नबद्वीपधाम के अधीन रेलवे के रिलीविंग गर्डर द्वारा एलसी गेट नं. 6/3 के स्थान पर नए एलएचएस के निर्माण" के संबंध में विद्युत (सामान्य) कार्य। **निविदा मूल्य :** रु. 9,25,614/-, **बोली सुरक्षा (जमा धन रा

डबल इंजन सरकार से पूर्व रेलवे परियोजनाओं को मिलेगी रफ्तार, वर्षों से अटके काम अब होंगे तेज

कोलकाता, समाज्ञा : रेल यात्रा को सुरक्षित और तेज बनाने के लिए शुरू की गई पूर्व रेलवे की कई महत्वपूर्ण परियोजनाएं लंबे समय से प्रशासनिक अड़चनों के कारण रुकी हुई थीं। रेलवे प्रशासन का आरोप है कि पूर्व राज्य सरकार के सहयोग की कमी और मंजूरियों में देरी की वजह से कई जरूरी परियोजनाएं आगे नहीं बढ़ सकीं, जबकि रेलवे लगातार सार्वजनिक सुरक्षा को लेकर चेतावनी देता रहा। सबसे गंभीर मामला हावड़ा स्टेशन के पास स्थित बनारस और चांदमारी रोड ओवर ब्रिज का है। रेलवे के अनुसार, तकनीकी जांच में इन पुलों की स्थिति बेहद खराब पाई गई थी और ये सड़क यात्रियों व नीचे से गुजरने वाली ट्रेनों के लिए खतरा बन चुके थे। 10 फरवरी 2026 को हुई उच्च स्तरीय बैठक में राज्य सरकार ने एक सप्ताह के भीतर ट्रैफिक ब्लॉक देने का आश्वासन दिया था, ताकि पुल बदलने का काम शुरू हो सके, लेकिन मंजूरी नहीं मिली। इस बीच, चांदमारी पुल पर टूटे हिस्सों से लोगों के गिरने की घटनाएं भी सामने आईं। रेलवे ने मानसून से पहले काम शुरू करने की अपील भी की थी। पूर्व रेलवे के महाप्रबंधक मिलिंद देउस्कर लगातार इन परियोजनाओं को आगे बढ़ाने के प्रयास करते रहे। उन्होंने राज्य प्रशासन से कई बार कहा कि परियोजनाओं का पूरा खर्च रेलवे उठा रहा है और राज्य सरकार को कोई आर्थिक योगदान नहीं देना है। इसके बावजूद, प्रशासनिक स्तर पर देरी बनी रही। नैहाटी-रानाघाट और रानाघाट-कृष्णानगर थर्ड लाइन परियोजनाएं भूमि नक्शों को लेकर विवाद में फंसी रहीं, जबकि रेलवे जुलाई 2025 में ही सभी दस्तावेज जमा कर चुका था। सैंथिया बाईपास परियोजना भी 2020 से जमीन हस्तांतरण और मुआवजा प्रक्रिया में देरी के कारण रुकी हुई है। वहीं, चंदनपुर-शक्तिगढ़, मुरारई-बरहरवा और डानकुनी-बाल्टीकुड़ी लाइन परियोजनाओं के लिए रेलवे ने अप्रैल 2025 में ही सीएएलए नियुक्त करने का अनुरोध किया था, लेकिन कार्रवाई नहीं हुई। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि अब राज्य और केंद्र में बेहतर समन्वय के बाद इन लंबित परियोजनाओं को तेजी से पूरा किया जाएगा, ताकि पश्चिम बंगाल को सुरक्षित, आधुनिक और विश्व-तरीय रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर मिल सके।

चिंगड़ीघाटा में 15 मई से शुरू होगा मेट्रो लाइन जोड़ने का काम, परियोजना को मिलेगी रफ्तार

चिंगड़ीघाटा मेट्रो परियोजना का काम अब शुरू होने जा रहा है। अधिकारियों के अनुसार, 15 मई से चिंगड़ीघाटा में मेट्रो लाइन जोड़ने का कार्य शुरू किया जाएगा। 366 मीटर लंबे इस हिस्से को जोड़ने का काम केंद्र और राज्य के बीच समन्वय की कमी के कारण लंबे समय से रुका हुआ था। मामले को लेकर अदालत में भी सुनवाई चल रही थी। इस परियोजना के लिए ट्रैफिक नियंत्रण जरूरी था। चुनाव खत्म होने के बाद कोलकाता पुलिस ने मई महीने के दो वीकेंड पर यातायात नियंत्रण की अनुमति दे दी है, जिसके बाद अब काम शुरू करने का फैसला लिया गया है। केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार बनने के बाद शहर की लंबित मेट्रो और रेलवे परियोजनाओं को तेजी मिल सकती है। इस काम के पूरा होने के बाद कोलकाता के लोगों को यातायात में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

फिल्म निर्माताओं एवं वितरकों ने ईआईएमपीए प्रमुख पिया सेनगुप्ता के खिलाफ प्रदर्शन किया

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाली फिल्म उद्योग के कुछ निर्माताओं और वितरकों के एक वर्ग ने ईआईएमपीए कार्यालय में पिछले तीन दिनों से बढ़ते तनाव के बीच उसकी अध्यक्ष पिया सेनगुप्ता के इस्तीफे एवं नयी स्क्रीनिंग समिति के गठन की मांग करते हुए उनके (सेनगुप्ता के) खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है। एक प्रदर्शनकारी वितरक सतदीप साहा ने गुरुवार को कहा कि यह तय किया गया कि दोनों पक्ष आठ मई को बैठक करेंगे जहां इस सर्वोच्च फिल्म संस्था के लोकतांत्रिक कामकाज में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के तौर-तरीकों पर चर्चा हो। पिछले तीन दिनों के घटनाक्रम को याद करते हुए, साहा ने कहा कि विरोध प्रदर्शन कर रहे निर्माता और वितरक चार मई को यानी मतगणना के दिन 'ईस्टर्न इंडिया मोशन पिक्चर्स एसोसिएशन' (ईआईएमपीए) के कार्यालय में एकत्र हुए थे और सेनगुप्ता के इस्तीफे की मांग की थी। उन्होंने 'शुद्धिकरण' रस्म के तहत कार्यालय परिसर में गंगाजल छिड़का और केसरिया रंग के गुलाल से भी जश्न मनाया। पांच मई को भी विरोध प्रदर्शन जारी रहा, जब निर्माताओं और वितरकों का एक अन्य समूह ईआईएमपीए कार्यालय में इकट्ठा हुआ और उसने सेनगुप्ता के इस्तीफे, राजनीतिक रूप से तटस्थ फिल्म निर्माताओं के निकाय और कार्यकारी समिति द्वारा कोई भी चर्चा किए जाने से पहले सभी हितधारकों की बैठक बुलाने की अपनी मांगों को दोहराया। हालांकि, उन्होंने आरोप लगाया कि सेनगुप्ता ने कार्यकारी समिति की बैठक से पहले निर्माताओं, प्रदर्शकों, वितरकों और सहयोगी सदस्यों के साथ बैठक करने से इनकार कर दिया।

प्रेम संबंधों में तनाव के बाद युवती ने की आत्महत्या, इलाके में मचा हड़कंप

कोलकाता, समाज्ञा : कल्याणी थाना क्षेत्र के योगेन्द्रनाथ कॉलोनी इलाके में गुरुवार सुबह एक युवती का शव उसके घर में फंदे से लटका हुआ मिलने से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान सुप्रिया सरकार (20) के रूप में हुई है, जो कल्याणी नगर पालिका के वार्ड नंबर 1 की निवासी थी। परिजनों के अनुसार, सुप्रिया का लंबे समय से सौमजीत दास नामक युवक के साथ प्रेम संबंध था, जो कल्याणी हाउसिंग कॉलोनी का रहने वाला और पर्यावरण विद्यालय का छात्र बताया गया है। परिवार का आरोप है कि सौमजीत दास के अन्य लड़कियों के साथ भी संबंध थे, जिसे लेकर सुप्रिया मानसिक रूप से काफी परेशान रहती थी। इसी मुद्दे पर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद और तनाव चल रहा था। परिजनों का कहना है कि कई बार समझाने के बावजूद सुप्रिया इस रिश्ते से बाहर नहीं निकल पाई। जानकारी के अनुसार, बुधवार रात खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने गई थी। गुरुवार सुबह देर तक जवाब नहीं मिलने पर परिवार ने दरवाजा तोड़ा, जहां वह फंदे से लटकी मिली। घटना के बाद उसे तुरंत कॉलेज ऑफ मेडिसिन एंड जेएनएम अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया और आरोपी युवक के परिजनों के साथ मारपीट की भी सूचना है। पुलिस और केंद्रीय बलों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया।

चंद्रनाथ रथ : वायुसेना के जवान से कैसे बने शुभेंदु के सबसे भरोसेमंद

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी चंद्रनाथ रथ की बुधवार की रात गोली मारकर हत्या कर दी गयी, जो वायु सेना में सेवा देने के बाद भाजपा नेता के सहयोगी बने। भारतीय वायु सेना में सेवा देने से लेकर बंगाल में निवर्तमान नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु के सबसे भरोसेमंद राजनीतिक सहयोगियों में से एक बनने वाले चंद्रनाथ का भाजपा नेता से दो दशक से अधिक पुराना नाता रहा। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, 41 वर्षीय चंद्रनाथ मूल रूप से पूर्वी मेदिनीपुर जिले के चंडीपुर के रहने वाले थे। शांत स्वभाव और जमीनी स्तर से जुड़े चंद्रनाथ वर्षों तक शुभेंदु अधिकारी के करीबी लोगों में शामिल होने के बावजूद लोगों की नजरों से काफी हद तक दूर रहे। चंद्रनाथ ने सक्रिय राजनीतिक में प्रवेश से पहले राहारा रामकृष्ण मिशन से अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद भारतीय वायु सेना में लगभग दो दशक सेवा की। परिवार के करीबी लोगों ने बताया कि उन्होंने (चंद्रनाथ ने) एक बार आध्यात्मिक जीवन अपनाने पर विचार किया था और छात्र जीवन के दौरान रामकृष्ण मिशन के आदर्शों से गहरे प्रभावित हुए थे। चंद्रनाथ ने वायु सेना से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने के बाद कुछ समय के लिए कॉर्पोरेट क्षेत्र में काम किया और फिर धीरे-धीरे राजनीतिक और प्रशासनिक जिम्मेदारियों की ओर अग्रसर हुए। शुभेंदु अधिकारी के परिवार की तरह चंद्रनाथ का परिवार भी पहले तृणमूल कांग्रेस से जुड़ा हुआ था। चंद्रनाथ की मां हासी रथ तृणमूल के शासनकाल के दौरान पूर्व मेदिनीपुर की एक स्थानीय पंचायत में पद पर थीं और 2020 में उन्होंने शुभेंदु के साथ भाजपा में शामिल होने का फैसला किया। परिवार के जानकारों का कहना है कि रथ परिवार और शुभेंदु का रिश्ता दो दशक से भी अधिक पुराना है। चंद्रनाथ औपचारिक रूप से 2019 के आसपास शुभेंदु की आधिकारिक टीम का हिस्सा बने जब वह (शुभेंदु) ममता बनर्जी सरकार में मंत्री थे। चंद्रनाथ ने शुरुआत में शुभेंदु के मंत्री पद से जुड़ी जिम्मेदारियां संभालीं और बाद में उनके भाजपा में शामिल होने के बाद भी इसी तरह की भूमिका निभाते रहे। पिछले कुछ वर्षों में चंद्रनाथ, शुभेंदु के राजनीतिक अभियानों में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यक्ति के रूप में उभरे। उन्होंने संगठनात्मक कार्यों का समन्वय, प्रबंधन और पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ संचार बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सत्ता परिवर्तन के बाद कुछ जगहों के नाम बदलने को लेकर विवाद तेज

➡ बारासात में भाजपा पर सड़क और पार्क के नाम बदले जाने का आरोप

➡ मस्जिद बाड़ी रोड के नाम वाले बोर्ड को ढककर नेताजी पल्ली रोड का बैनर लगाया

कोलकाता, समाज्ञा : विधानसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के बाद कोलकाता से सटे उत्तर 24 परगना के बारासात में एक सड़क और एक पार्क का नाम रातोंरात बदले जाने का मामला सामने आया है, जिसको लेकर विवाद शुरू हो गया है। जानकारी के अनुसार, बारासात के काठगोला इलाके में स्थित मस्जिद बाड़ी रोड के नाम वाले बोर्ड को ढककर वहां नेताजी पल्ली रोड का बैनर लगा दिया गया। वहीं चांपाडाली मोड़ के पास बने सिराज उद्यान का नाम बदलकर शिवाजी उद्यान कर दिया गया। घटना के दौरान कुछ युवकों को भाजपा का झंडा लिए देखा गया, जिसके बाद आरोप सीधे पार्टी पर लगे हैं। हालांकि भाजपा ने इन घटनाओं से खुद को अलग बताते हुए कहा है कि पार्टी की ओर से ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया गया था। बताया जा रहा है कि वर्ष 2022 में बने इस उद्यान का नाम बंगाल के अंतिम नवाब सिराजुद्दौला से जुड़ी ऐतिहासिक मान्यता के आधार पर रखा गया था। कहा जाता है कि मुर्शिदाबाद से कोलकाता जाते समय उनके हाथी यहां के जलाशय का पानी पीते थे। चुनाव परिणाम घोषित होने के एक दिन बाद ही पार्क का नाम बदलने की घटना सामने आई, जिससे इलाके में राजनीतिक बहस तेज हो गई है।

मेट्रो ब्लू लाइन पर पेड़ की शाखा गिरने से डेढ़ घंटे तक सेवाएं प्रभावित

कोलकाता, समाज्ञा : मेट्रो रेलवे की ब्लू लाइन पर गुरुवार दोपहर एक पेड़ की शाखा गिरने से कुछ समय के लिए मेट्रो सेवाएं प्रभावित हो गईं। जानकारी के अनुसार, दोपहर 2:37 बजे महानायक उत्तम कुमार और नेताजी स्टेशन के बीच डाउन लाइन पर पेड़ की एक शाखा गिर गई, जिसके कारण ट्रेनों की आवाजाही बाधित हुई। घटना के बाद यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए महानायक उत्तम कुमार और नेताजी स्टेशन के बीच सेवाएं अस्थायी रूप से रोक दी गईं। इस दौरान मेट्रो प्रशासन ने मैदान से दक्षिणेश्वर स्टेशन तक ट्रंकेटेड सेवाएं संचालित की। मेट्रो कर्मचारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शाखा हटाने का काम शुरू किया। करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद ट्रैक से अवरोध हटाया गया और दोपहर 3:53 बजे ब्लू लाइन के पूरे रूट पर मेट्रो सेवाएं सामान्य कर दी गईं।

मानिकतला के नवनिर्वाचित विधायक तापस राय को जीत की बधाई देते श्री सहस्रार्जुन जयंती समारोह समिति के विकास जायसवाल (अध्यक्ष), आकाश जायसवाल (महामंत्री), मनोहर जायसवाल (संयुक्तमंत्री), शैलेंद्र जायसवाल, संजय जायसवाल, राजीव जायसवाल, संतोष जायसवाल (उपकोषाध्यक्ष), दीपचंद जायसवाल, आशीष जायसवाल, रतन जायसवाल (कप्तान), समाजसेवी रामफूल जायसवाल, सत्यनारायण जायसवाल,श्याम जायसवाल मौजूद थे।

कोलकाता के जगन्नाथ घाट स्थित फूलबाजार में नये मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले एक विक्रेता कमल के फूलों का स्टॉक तैयार करता

नागेरबाजार फ्लाईओवर पर सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर घायल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के नागेरबाजार फ्लाईओवर पर गुरुवार की सुबह एक भीषण सड़क हादसे में बाइक सवार पति-पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में पति की हालत नाजुक बताई जा रही है। दोनों को तुरंत नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, घटना सुबह करीब 8:10 बजे नागेरबाजार फ्लाईओवर पर हुई। पति-पत्नी अपने बेटे को स्कूल छोड़कर घर लौट रहे थे और लेकटाउन से एयरपोर्ट की ओर जा रहे थे, जैसे ही उनकी बाइक नागेरबाजार क्रॉसिंग के पास पहुंची, पीछे से आ रहे एक मालवाहक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। स्थानीय लोगों का कहना है कि टक्कर के दौरान ट्रक का एक्सल टूट गया था, जिसके कारण चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और यह हादसा हो गया। टक्कर के बाद दोनों पति-पत्नी सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने दोनों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार, पति की हालत चिंताजनक बनी हुई है। घटना की जानकारी मिलते ही नागेरबाजार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

एआई आधारित अनुपालन समाधान लाया एक्सिस बैंक

मुंबई/कोलकाता : एक्सिस बैंक ने चालू खाता ग्राहकों के लिए एआई आधारित री-केवायसी और डिजिटल बिजनेस प्रोफाइल अपडेट समाधान लॉन्च किया है। नई सेवा के तहत ग्राहक कागजरहित और पूरी तरह डिजिटल प्रक्रिया से व्यवसाय संबंधी जानकारी अपडेट कर सकेंगे। बैंक के अनुसार, यह प्रणाली जेनरेटिव एआई और रीयल-टाइम जीएसटी डेटा के जरिए 3,000 से अधिक विकल्पों में उपयुक्त व्यवसाय कोड स्वतः तय करेगी। बैंक ने गैर-व्यक्तिगत चालू खातों के लिए एआई आधारित री-केवायसी समाधान भी शुरू किया है, जिससे दस्तावेज सत्यापन और अनुपालन प्रक्रिया तेज व त्रुटिरहित होगी। एक्सिस बैंक के ग्रुप एग्जीक्यूटिव समीर शेट्टी ने कहा कि यह पहल भविष्य के एआई आधारित बैंकिंग ढांचे की दिशा में बड़ा कदम है।

पूर्व राज्यपाल के ओएसडी रहे संदीप राजपूत को पश्चिमी वायुसेना कमान के चीफ का मिला प्रशस्ति पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल डा सीवी आनंद बोस के ओएसडी रहे श्री संदीप सिंह राजपूत को राष्ट्र के लिए उत्कृष्ट योगदान के लिए वेस्टर्न एयर कमांड (पश्चिमी वायुसेना कमान) के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ एयर मार्शल जितेंद्र मिश्रा (पीवीएसएम, एवीएसएम, वीएसएम) द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया है। हाल में नई दिल्ली स्थित पश्चिमी वायुसेना कमान मुख्यालय में एयर मार्शल मिश्रा ने उन्हें यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। यह सम्मान श्री राजपूत की विशिष्ट सेवाओं और समर्पण को मान्यता देता है, जिन्होंने राष्ट्र निर्माण और समाजसेवा की भावना को सशक्त रूप से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बताते चलें कि मूल रूप से उत्तर प्रदेश के निवासी श्री संदीप सिंह राजपूत नवंबर 2022 से मार्च 2026 तक तीन साल से अधिक समय तक बंगाल के राज्यपाल पद पर रहे डा सीवी आनंद बोस के सीनियर ओएसडी (ऑफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी) के रूप में शानदार सेवाएं दी। श्री राजपूत के सुझाए कई नए आईडिया व पहलों को बंगाल में राज्यपाल पद पर रहते डा सीवी आनंद बोस ने लागू किया था, जो बेहद कारगर व मिसाल साबित हुआ और आम लोगों से काफी सराहना मिली थी। जिसमें लोक भवन (पूर्व नाम राजभवन) के दरवाजे को आम जनता के लिए खोलने से लेकर लोगों की शिकायतों के लिए शांति कक्ष (पीस रूम) की स्थापना व हेल्पलाइन नंबरों की शुरुआत सहित 'आमार ग्राम' (सुदूरवर्ती गांवों में आम लोगों की समस्याओं को जानने व इसके समाधान के लिए राज्यपाल का दौरा) जैसी पहल शामिल हैं। ये सभी पहल श्री राजपूत के दिमाग की ही उपज मानी जाती है।

पश्चिम बंगाल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की अहम बैठक, संगठन की स्वायत्तता और एकता पर जोर

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की एक महत्वपूर्ण और विस्तृत बैठक बुधवार को सम्मेलन के पंजीकृत कार्यालय 39ए, जोरापुकुर स्कायर लेन, तृतीय तल, कोलकाता में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता सम्मेलन के अध्यक्ष नंदकिशोर अग्रवाल ने की। बैठक में सम्मेलन की विभिन्न शाखाओं के पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, वरिष्ठ सदस्य तथा समाज के कई प्रतिष्ठित व्यक्तित्व उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वर्तमान संगठनात्मक परिस्थितियों, सम्मेलन की भविष्य की कार्यप्रणाली, समाज सेवा के कार्यों तथा अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के साथ उत्पन्न परिस्थितियों पर गंभीर और विस्तृत चर्चा की गई। उपस्थित सदस्यों को पूरे घटनाक्रम, पत्राचार और संगठन की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया गया।

बैठक में उपस्थित शाखाओं और सदस्यों ने एकमत होकर कहा कि पश्चिम बंगाल प्रदेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा संगठन की स्वायत्तता, संवैधानिक अधिकारों और समाजहित को ध्यान में रखते हुए लिए गए निर्णय पूरी तरह उचित, वैधानिक और संगठन के हित में हैं। यह भी स्पष्ट किया गया कि सम्मेलन एक स्वतंत्र और विधिवत पंजीकृत संस्था है, जिसकी अपनी पहचान, संविधान और कार्यप्रणाली है। संस्था समाजहित और सामाजिक कार्यों के लिए पूर्व की भांति पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करती रहेगी। बैठक में संगठन को और अधिक मजबूत एवं सक्रिय बनाने, विभिन्न शाखाओं को गतिशील करने, युवाओं को जोड़ने तथा सामाजिक सेवा कार्यों को बढ़ाने पर भी चर्चा हुई। साथ ही नई समिति के गठन की प्रक्रिया को आगामी बैठक में आगे बढ़ाने और लंबित विधिक विवादों को शांतिपूर्ण एवं विधिसम्मत तरीके से समाप्त करने का निर्णय लिया गया।

बैठक में सम्मेलन के सचिव पंकज कुमार भालोटिया, आसनसोल शाखा के अध्यक्ष नरेश अग्रवाल, किशन किल्ला, पूर्व कोषाध्यक्ष अभिषेक डोकानिया सहित मनीष बजाज, संजय जैन, सोनू जैन, विक्रम गोयल, अभिषेक सरावगी, रमेश कुमार बंका, शैलेश जिंदल और रोहित बगड़िया सहित विभिन्न शाखाओं के प्रतिनिधि मौजूद रहे। इसके अलावा, समाजसेवी लक्ष्मण अग्रवाल, सुनील गोलछा, सुभाष अग्रवाल और अशोक ढेड़िया सहित समाज के कई सम्मानित सदस्य भी बैठक में शामिल हुए। बैठक का समापन संगठन की एकता, स्वाभिमान और समाज सेवा के संकल्प के साथ किया गया।

भारतीय रेलवे की आरक्षण प्रणाली होगी हाईटेक, अगस्त से शुरू होगी नई व्यवस्था

40 साल पुरानी रेलवे आरक्षण प्रणाली में बड़ा बदलाव

कोलकाता, समाज्ञा : भारतीय रेलवे की 40 साल पुरानी यात्री आरक्षण प्रणाली को अब अत्याधुनिक तकनीक के साथ अपग्रेड किया जा रहा है। अगस्त 2026 से रेलगाड़ियों को चरणबद्ध तरीके से नई अपग्रेडेड प्रणाली पर शिफ्ट किया जाएगा। इस दौरान यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसके लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए हैं। रेल भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में रेल मंत्री ने अधिकारियों से कहा कि नई प्रणाली पर ट्रेनों की शिफ्टिंग के दौरान टिकट बुकिंग और यात्रियों की सेवाएं बिना किसी बाधा के जारी रहनी चाहिए। बैठक में रेल राज्य मंत्री वी. सोमन्ना और रवनीत सिंह बिट्टू भी मौजूद रहे। भारतीय रेलवे की वर्तमान आरक्षण प्रणाली वर्ष 1986 में शुरू हुई थी। पिछले चार दशकों में इसमें कई छोटे बदलाव किए गए, लेकिन अब पहली बार बड़े स्तर पर तकनीकी बदलाव किए जा रहे हैं। रेलवे के अनुसार नई प्रणाली में अत्याधुनिक तकनीक का इस्तेमाल कर इसकी क्षमता और दक्षता दोनों को बढ़ाया गया है। रेलवे टिकटिंग प्रणाली ने पिछले वर्षों में कई बड़े बदलाव देखे हैं। वर्ष 2002 में भारतीय रेलवे ने इंटरनेट टिकटिंग की शुरुआत की थी। आज स्थिति यह है कि देश में लगभग 88 प्रतिशत टिकट बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से हो रही है और अधिकांश यात्री टिकट खिड़कियों की बजाय डिजिटल प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहे हैं।

इसी बीच, भारतीय रेलवे का मोबाइल ऐप रेलवन यात्रियों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। पिछले साल जुलाई में लॉन्च हुए इस ऐप को अब तक 3.5 करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया जा चुका है। ऐप के जरिए आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफॉर्म टिकटों की बुकिंग, कैंसिलेशन और रिफंड जैसी सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसके अलावा, ट्रेन की लाइव स्थिति, प्लेटफॉर्म जानकारी, कोच पोजिशन, वेटिंग टिकट कन्फर्म होने की संभावना और रेल मदद जैसी सेवाएं भी इसमें दी गई हैं। एआई आधारित नई सुविधा के जरिए वेटिंग टिकट कन्फर्म होने की सटीकता 53 प्रतिशत से बढ़कर अब 94 प्रतिशत तक पहुंच गई है। यात्री ऐप के जरिए यात्रा के दौरान भोजन भी ऑर्डर कर सकते हैं। वर्तमान में इस ऐप के माध्यम से प्रतिदिन करीब 9.29 लाख टिकट बुक हो रहे हैं, जिनमें 7.2 लाख अनारक्षित और 2.09 लाख आरक्षित टिकट शामिल हैं। भारतीय रेलवे ने यह भी बताया कि वर्ष 2024-25 में यात्रियों के टिकटों पर 60,239 करोड़ रुपये की सब्सिडी दी गई, जो प्रति यात्री औसतन 43 प्रतिशत छूट के बराबर है।

सियालदह मंडल ने कर्मचारियों को सिखाए बेहतर व्यवहार और संवाद के गुर

कोलकाता, समाज्ञा : पूर्व रेलवे अंतर्गत सियालदह मंडल के वाणिज्यिक विभाग ने यात्रियों को बेहतर अनुभव देने और रेलवे सेवाओं को अधिक संवेदनशील बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मंडल की ओर से फ्रंटलाइन वाणिज्यिक कर्मचारियों के लिए विशेष सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम बुधवार को आयोजित किया गया, जिसमें यात्रियों से बेहतर संवाद और व्यवहार पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सियालदह के डीआरएम राजीव सक्सेना ने कहा कि रेलवे कर्मचारियों का व्यवहार ही भारतीय रेलवे की छवि को दर्शाता है। ऐसे में यात्रियों की समस्याओं को ध्यान से सुनना, विनम्रता के साथ समाधान देना और स्पष्ट जानकारी उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है। डीआरएम सहित अन्य मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने रेलकर्मचारियों को वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं और दिव्यांग यात्रियों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण व्यवहार अपनाने की भी सलाह दी। कार्यशाला में क्या करें और क्या न करें के माध्यम से कर्मचारियों को व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इसमें तनावपूर्ण परिस्थितियों में बहस से बचने, अधूरी जानकारी न देने और किसी भी यात्री की शिकायत को नजरअंदाज न करने जैसे बिंदुओं पर विशेष जोर रहा। अधिकारियों के अनुसार, इस पहल से यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों के बीच संवाद बेहतर होगा तथा हर यात्री को सहज और सुखद यात्रा अनुभव मिल सकेगा। सियालदह मंडल ने दोहराया कि वह पैसेंजर फर्स्ट की भावना के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सिर्फ मंच बदला है, उद्देश्य आज भी जनसेवा ही है : डॉ. राजेश कुमार

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य की राजनीति में इस बार जगद्दल विधानसभा सीट काफी चर्चा में रही। भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और पूर्व आईपीएस अधिकारी डॉ. राजेश कुमार ने यहां जीत दर्ज कर राजनीति में अपनी नई पारी की शुरुआत की है। लंबे समय तक पुलिस सेवा में रहने के बाद अब वह राजनीति के जरिए जनता के बीच काम करना चाहते हैं। चुनाव जीतने के बाद उन्होंने क्षेत्र के विकास, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं को अपनी प्राथमिकता बताया। अपने राजनीतिक सफर को लेकर डॉ. राजेश कुमार ने कहा कि वह 36 साल तक जनसेवा में ही रहे हैं और पुलिस सेवा के दौरान भी लोगों के बीच काम करते रहे। अब सिर्फ उनका मंच बदला है, उद्देश्य नहीं।

जगद्दल के विधायक डॉ राजेश कुमार के साथ उद्योगपति नलिन विलोचन, राजेंद्र प्रसाद राय अविनाश कुमार सिंह, समाज्ञा के संपादक अनिल कुमार राय, विजय कुमार पाण्डेय, श्याम नारायण चौधरी, डॉ विनोद कुमार, रामाशंकर पाण्डेय, रामकिरत राय, कमलेश मिश्रा, उमाशंकर सिंह, संतोष सिंह, मोनू मिश्रा

उन्होंने कहा कि राजनीति में आने के बाद भी वह उसी भावना के साथ जनता की सेवा करना चाहते हैं। इसके लिए उन्होंने बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व और राज्य नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर भरोसा जताया और उन्हें यह अवसर दिया।

जगद्दल में अपनी जीत और क्षेत्र की प्राथमिकताओं को लेकर उन्होंने कहा कि पिछले 15 सालों में इलाके में चोरी, गोलीबारी, भ्रष्टाचार और सिंडीकेट राज के अलावा कोई बड़ा काम नहीं हुआ। उनके मुताबिक एक-एक कर सारे कारखाने बंद कर दिए गए, जिससे लोगों को रोजगार नहीं मिल रहा और काम की तलाश में उन्हें बाहर जाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि गांवों में आज भी बेसिक सुविधाओं की कमी है, ड्रेनेज सिस्टम नहीं है और लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ भी नहीं मिल पाया है। डॉ. राजेश कुमार ने आगे कहा कि बीजेपी ने अपने संकल्प पत्र में जिन मुद्दों को प्राथमिकता दी है, उन पर काम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जगद्दल में अब तक सरकारी कॉलेज और सरकारी अस्पताल नहीं है। बच्चों के लिए स्पोर्ट्स की भी प्रोपर व्यवस्था नहीं है, जबकि यहां टैलेंट की कोई कमी नहीं है। उनका कहना था कि समस्या सिर्फ इतनी रही कि लंबे समय तक क्षेत्र की कमान ऐसे लोगों के हाथों में रही जिन्होंने विकास की बजाय सिर्फ लूट का काम किया। अब उनकी कोशिश होगी कि जगद्दल में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और खेल के क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध

हुमायूं ने रेजीनगर सीट छोड़ने का किया ऐलान, उपचुनाव में बेटे को बनाया उम्मीदवार

मुर्शिदाबाद : आम जनता विकास पार्टी के संस्थापक हुमायूं कबीर ने मुर्शिदाबाद की नोउदा और रेजीनगर सीटों पर जीत हासिल की थी। उन्होंने पहले ही ऐलान कर दिया था कि जीतने के बाद वे रेजीनगर सीट छोड़ देंगे। गुरुवार को हुमायूं कबीर ने इस सीट से भी इस्तीफा देने का ऐलान किया। उन्होंने रेजीनगर में कार्यकर्ताओं की सभा में यह ऐलान किया। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि रेजीनगर उपचुनाव में उनके बेटे गुलाम नबी आजाद उम्मीदवार होंगे। हुमायूं कबीर ने कहा कि उनके बेटे उपचुनाव में रेजीनगर से आम जनता विकास पार्टी के कैंडिडेट बनने जा रहे हैं।

हावड़ा नगर निगम में जल्द हो सकते हैं चुनाव, बीजेपी नेताओं ने नगर आयुक्त से की मुलाकात

हावड़ा, समाज्ञा : हावड़ा नगर निगम में लंबे समय से लंबित चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। भारतीय जनता पार्टी के जिला नेतृत्व ने संकेत दिए हैं कि राज्य में नई सरकार बनने के बाद हावड़ा नगर निगम में जल्द चुनाव कराने की दिशा में पहल की जाएगी। इसी सिलसिले में बुधवार को बीजेपी के हावड़ा जिला सदर अध्यक्ष गौरंग भट्टाचार्य ने नगर निगम पहुंचकर नगर आयुक्त एवं प्रशासक से मुलाकात की। गौरतलब है कि दिसंबर 2018 में तृणमूल कांग्रेस बोर्ड का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से अब तक हावड़ा नगर निगम में चुनाव नहीं हुए हैं। तब से प्रशासनिक व्यवस्था के जरिए निगम का संचालन किया जा रहा है। इस बीच, स्थानीय लोगों ने नागरिक सेवाओं की स्थिति खराब

होने को लेकर कई बार नाराजगी जताई है। बीजेपी नेताओं ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में बुनियादी सेवाओं की हालत चिंताजनक है और लोगों को रोजमर्रा की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। पार्टी ने राज्य सरकार से जल्द चुनाव कराने की मांग उठाने की बात कही है। बैठक के दौरान बीजेपी नेताओं ने नगर आयुक्त से यह भी अनुरोध किया कि आगामी मानसून में हावड़ा शहर हर साल की तरह जलभराव की समस्या से प्रभावित न हो, इसके लिए पहले से जरूरी कदम उठाए जाएं।

श्रीरामपुर में टीएमसी पार्षद गिरफ्तार, पुलिस कर्मी की नाक तोड़ने का आरोप

हुगली, समाज्ञा : श्रीरामपुर के टिन बाजार इलाके में एक आंगनबाड़ी केंद्र को लेकर विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, बंद पड़े आंगनवाड़ी केंद्र का ताला खोलने के लिए श्रीरामपुर थाना की पेट्रोलिंग टीम केंद्रीय बल के जवानों के साथ मौके पर पहुंची थी। इसी दौरान आरोप है कि वार्ड नंबर 10 के टीएमसी पार्षद राजेश साव उर्फ 'कुकुआ' ने ताला खोलने का विरोध किया। पुलिस के साथ कहासुनी के बीच उन्होंने कथित तौर पर पेट्रोलिंग टीम में शामिल एएसआई नटराज को सीधे नाक पर घूंसा मार दिया, जिससे उनकी नाक फट गई और काफी खून बहने लगा। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए राजेश साव और उनके दो सहयोगियों को गिरफ्तार

कर लिया। सभी को श्रीरामपुर कोर्ट में पेश किया गया। श्रीरामपुर के बीजेपी विधायक भास्कर भट्टाचार्य ने कहा कि कानून के शासन को स्थापित करना जरूरी है। पुलिस को बिना किसी राजनीतिक दबाव के कार्रवाई करनी चाहिए। हम इसमें कोई हस्तक्षेप नहीं करेंगे, जनता शांति चाहती है। वहीं, अदालत ले जाते समय आरोपी पार्षद राजेश साव ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र इलाके की सहमति से बनाया गया था। बीजेपी और सीपीएम इसे जबरन कब्जा करना चाहते थे, जिससे विवाद हुआ। बहस जरूर हुई, लेकिन मैंने किसी पर हमला नहीं किया। यह हमारी चुनावी जीत से नाराज होकर की गई राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई है।

तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका, हावड़ा नगर निगम के पूर्व मुख्य प्रशासक सुजय चक्रवर्ती ने छोड़ी पार्टी

हावड़ा, समाज्ञा : चुनाव परिणाम घोषित होने के कुछ ही दिनों बाद तृणमूल कांग्रेस में अंदरूनी असंतोष खुलकर सामने आने लगा है। इसी बीच, हावड़ा नगर निगम के प्रशासनिक बोर्ड के पूर्व मुख्य प्रशासक सुजय चक्रवर्ती ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस छोड़ने का ऐलान कर दिया। हालांकि, उन्होंने साफ कर दिया कि फिलहाल वह किसी अन्य राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे और अब अपना पूरा ध्यान डॉक्टरी पेशे पर देना चाहते हैं। सुजय चक्रवर्ती ने पत्रकार वार्ता में पार्टी नेतृत्व और राज्य की मौजूदा स्थिति को लेकर खुलकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि मुख्य प्रशासक पद से इस्तीफा देने के बाद से ही वह पार्टी के कामकाज में

सक्रिय नहीं थे। चूंकि उन्होंने हावड़ा नगर निगम की जिम्मेदारी संभालने के लिए आधिकारिक तौर पर तृणमूल का झंडा उठाया था, इसलिए अब औपचारिक रूप से पार्टी छोड़ने की घोषणा कर रहे हैं।

सुजय चक्रवर्ती ने राज्य की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए। उन्होंने कहा, जिस तरह मतदान खत्म होने के तुरंत बाद बीजेपी नेता शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या हुई, उससे लगता है कि राज्य में अराजकता का माहौल बन गया है। इससे पूरे राज्य की छवि खराब हो रही है और इसी कारण मैं पार्टी छोड़ने को मजबूर हुआ हूं। उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर काम में बाधा डालने का आरोप भी लगाया। सुजय चक्रवर्ती के मुताबिक, जब वह हावड़ा नगर निगम के मुख्य प्रशासक थे, तब उन्हें स्वतंत्र रूप से काम नहीं करने दिया गया। उन्होंने कहा, मैं हावड़ा के लोगों के लिए काम करना चाहता था और इसी सोच के साथ पार्टी में शामिल हुआ था। पार्टी ने मुझे मुख्य प्रशासक की जिम्मेदारी दी, लेकिन जब मैं काम करना चाहता था, तब शीर्ष नेतृत्व ही मुझे काम नहीं करने दे रहा था।

'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के अडिग रुख को दर्शाया : राज्यपाल

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल आरएन रवि ने गुरुवार को कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के 'अडिग रुख' की पुष्टि की और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरों का दृढ़ता से जवाब देने के देश के संकल्प को दर्शाया। रवि ने 'ऑपरेशन सिंदूर' की वर्षगांठ के अवसर पर एक पोस्ट में मिशन के दौरान सशस्त्र बलों की 'सटीकता, साहस और दृढ़ संकल्प' की प्रशंसा की। राज्यपाल ने कहा कि पहलगाम में निर्दोष नागरिकों पर हुए कायरता-पूर्ण हमले का जवाब देते हुए हमारे सशस्त्र बलों ने सटीकता, साहस और दृढ़ संकल्प के साथ कार्रवाई की तथा स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद के हर कृत्य का दृढ़ता से जवाब देगा। उन्होंने कहा कि इस 'ऑपरेशन' ने सशस्त्र बलों की 'वीरता व असाधारण तैयारी', विभिन्न सेवाओं के बीच निर्बाध समन्वय और आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत स्वदेशी रक्षा क्षमताओं की बढ़ती ताकत को प्रदर्शित किया। रवि ने कहा कि यह राष्ट्रीय सुरक्षा के प्रति भारत के दृष्टिकोण में एक निर्णायक बदलाव का प्रतीक था जो स्पष्टता, दृढ़ विश्वास और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता से प्रेरित था। राज्यपाल ने सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि राष्ट्र वर्दीधारी पुरुषों और महिलाओं की 'वीरता, बलिदान और अटूट समर्पण' को सलाम करता है। उन्होंने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' भारत के अपने लोगों व संप्रभुता की दृढ़ता और निर्णायक शक्ति से रक्षा करने के संकल्प का गौरवशाली प्रतीक बना हुआ है।

हुगली में चुनाव बाद हिंसा पर पुलिस का सख्त एक्शन, खानाकुल से 8 गिरफ्तार

हुगली, समाज्ञा : विधानसभा आम चुनाव 2026 के बाद हुगली जिला पुलिस ने छिटपुट पोस्ट-पोल घटनाओं पर नियंत्रण के लिए सख्त और सक्रिय कदम उठाए हैं। पुलिस की त्वरित कार्रवाई से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सफलता मिली है। खानाकुल थाना में सबिता दास की तरफ से राजनीतिक रंजिश, गाली-गलौज और उनके व परिवार पर हमले के आरोप में शिकायत दर्ज कराई गई। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कुल 8 आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों में सुप्रिया दास

उर्फ रमेश दास (26), जगत दास (48), पापाई दास (22), रतुल दास (26), भास्कर दास (26), लक्ष्मी दास (45), सागर रॉय (27) और श्याम रॉय (27) शामिल हैं। ये सभी खानाकुल थाना क्षेत्र के गारबेरिया और उदना गांव के निवासी हैं। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है, जिनमें मारपीट, आपराधिक धमकी और अन्य गंभीर अपराध शामिल हैं। स्थिति को नियंत्रित रखने के लिए प्रभावित इलाकों में पुलिस द्वारा लगातार पेट्रोलिंग, एरिया डोमिनेशन और लोगों का विश्वास बहाल करने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि फिलहाल स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए कड़ी निगरानी जारी है। हुगली जिला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि शांति भंग करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी।

लिएंडर पेस ने पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु के सहयोगी की हत्या पर दुख जताया

कोलकाता, समाज्ञा : टेनिस खिलाड़ी और भाजपा नेता लिएंडर पेस ने बृहस्पतिवार को पश्चिम बंगाल के मध्यमग्राम में शुभेंदु अधिकारी के करीबी सहयोगी की हत्या पर दुख जताते हुये कहा कि विधानसभा चुनावों के बाद राज्य में 'गुंडागर्दी' की घटनाएं हो रही हैं। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद से बना तनावपूर्ण माहौल बुधवार रात उस समय हिंसक हो गया, जब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता शुभेंदु अधिकारी के निजी सहायक (पीए) चंद्रनाथ रथ की उत्तर 24 परगना जिले में गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के बाद भारी आक्रोश और विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। पेस ने पत्रकारों से कहा, कल जो हुआ उससे मैं स्तब्ध और दुखी हूं। दुर्भाग्यवश, पिछले 15 वर्षों में पश्चिम बंगाल में जो कुछ हो रहा है, वह उचित नहीं है। राज्य में 2011 से तृणमूल कांग्रेस की सरकार थी, जबकि 2026 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने भारी जीत दर्ज की। हालांकि, पेस ने विश्वास जताया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की नयी सरकार कानून-व्यवस्था की स्थिति पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा, शासन, कानून-व्यवस्था और सुरक्षा स्थिति में गिरावट के कारण हमारे राज्य में चुनाव के बाद के चरण में गुंडागर्दी हो रही है।' पेस ने कहा, मेरा जन्म कोलकाता में हुआ, मैंने यहां पढ़ाई की और टेनिस खेलने के लिए साउथ क्लब तक पैदल जाता था। यह हमारा राज्य। वह शहर जिसे हम सब जानते हैं। यहां गंदी राजनीति की कोई जगह नहीं है। पेस विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में शामिल हुए।

सिंगुर मामले में टाटा को झटका, हाई कोर्ट ने मुआवजा देने के आदेश पर लगाई रोक

कोलकाता, समाज्ञा : बंगाल सरकार को बड़ी राहत मिली है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने टाटा समूह को मुआवजे के तौर पर 765.78 करोड़ रुपये देने के आदेश पर रोक लगा दी है। बता दें कि राज्य सरकार को सिंगूर में कारखाना स्थापित न करने के लिए हर्जाना भरने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति अनिरुद्ध रॉय की पीठ ने आठ सप्ताह के लिए यह स्थगन आदेश जारी किया है। राज्य सरकार को आठ सप्ताह के भीतर बैंक गारंटी जमा करनी होगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय का यह फैसला पूर्व तृणमूल सरकार की याचिका पर आधारित है। अक्टूबर 2023 में, तीन सदस्यीय मध्यस्थता न्यायालय ने टाटा मोटर्स को सिंगूर

में कारखाना स्थापित न कर पाने के लिए मुआवजे के तौर पर 765.78 करोड़ रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया था। इस मूल राशि के साथ-साथ, पश्चिम बंगाल औद्योगिक विकास निगम (डब्ल्यूबीआईडीसी) को 1 सितंबर, 2011 से भुगतान की तिथि तक 11 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज और मुकदमेबाजी लागत के रूप में अतिरिक्त 1 करोड़ रुपये का भुगतान करने का भी आदेश दिया गया था। तत्कालीन तृणमूल सरकार ने इस फैसले के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय में अपील की थी। तत्कालीन तृणमूल सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर जमीन वापस करने का काम शुरू किया। 31 अगस्त 2016 को, सर्वोच्च न्यायालय ने टाटा समूह के लिए सिंगूर में 997 एकड़ भूमि के अधिग्रहण को 'अवैध' घोषित कर दिया। न्यायालय ने आदेश दिया कि भूमि 12 सप्ताह के भीतर किसानों को वापस कर दी जाए।

भाजपा सरकार के शपथ ग्रहण के दिन गरज के साथ बारिश का पूर्वानुमान

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य के विभिन्न हिस्सों में गुरुवार की सुबह से बीते 24 घंटे के भीतर मध्यम बारिश दर्ज की गई और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने राज्य में शनिवार को बादलों की गरज के साथ वर्षा का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। राज्य में शनिवार को ही भाजपा की नयी सरकार शपथ लेगी। मौसम विभाग के अनुसार, गुरुवार की सुबह 8.30 बजे से पिछले 24 घंटे के भीतर साल्टलेक में सबसे अधिक 23.3 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, इसके बाद दमदम में 17.7 मिमी बारिश हुई। इनके अलावा, बेलुरघाट में 17 मिमी, मगरा में 15 मिमी, बशीरहाट में 14.4 मिमी और मालदा में 14.2 मिमी बारिश हुई। आईएमडी ने कोलकाता समेत पूरे राज्य में शनिवार को बिजली चमकने

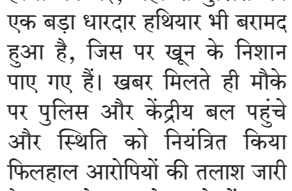

और बादलों की गरज के साथ 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने का पूर्वानुमान व्यक्त किया है। इसी दिन, ब्रिगेड परेड ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन, कई केंद्रीय मंत्रियों तथा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजक) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों की मौजूदगी में भाजपा सरकार का शपथ ग्रहण समारोह होगा। मौसम विभाग ने बताया है कि दक्षिण बंगाल के सभी जिलों में 13 मई तक बारिश और गरज के साथ पानी बरसने के आसार हैं।

पूर्व मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम का एसआईआर ट्रिब्यूनल से इस्तीफा

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम ने विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) ट्रिब्यूनल से इस्तीफा दे दिया है। आयोग के सूत्रों के अनुसार, न्यायमूर्ति शिवगणनम ने अपने पदत्याग के पीछे व्यक्तिगत कारणों का उल्लेख किया है। उल्लेखनीय है कि वे न केवल इस ट्रिब्यूनल के सदस्य थे, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर गठित उस उच्चाधिकार प्राप्त समिति का भी हिस्सा थे, जिसे मतदाता सूची से जुड़े विवादों के निपटारे की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। इस प्रक्रिया में न्यायमूर्ति शिवगणन समेत 19 पूर्व न्यायाधीश शामिल थे। न्यायमूर्ति शिवगणनम उस तीन सदस्यीय विशेष समिति में भी शामिल थे, जिसे कलकत्ता हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुजय पाल ने ट्रिब्यूनल की कार्यप्रणाली तय करने के लिए बनाया था। इस समिति में उनके साथ सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रदीप्त राय और न्यायमूर्ति प्रणब कुमार देब भी सदस्य हैं। अब पूर्व जस्टिस शिवगणनम के इस्तीफे के बाद, ट्रिब्यूनल में लंबित अपीलों की सुनवाई और प्रक्रियात्मक निर्णयों पर क्या प्रभाव पड़ेगा, इस पर कानूनी विशेषज्ञों की नजर बनी हुई है।

हॉग मार्केट तोड़फोड़ मामले में हाई कोर्ट में जनहित याचिका, पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता न्यू मार्केट इलाके के हॉग मार्केट में बुलडोजर चलाकर तोड़फोड़ किए जाने की घटना को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में ही हॉग मार्केट में तांडव और तोड़फोड़ की घटना हुई, लेकिन इसे रोकने के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया गया। याचिका में संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और जांच की मांग की गई है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को होने की संभावना है। बताया जा रहा है कि मतगणना वाले दिन देर रात न्यू मार्केट इलाके में अचानक तनाव फैल गया। आरोप है कि बीजेपी के झंडे लिए कुछ युवक हॉग मार्केट के पास पहुंचे और वहां मौजूद हॉकर्स के अस्थायी ढांचों को बुलडोजर से तोड़ दिया। इसके अलावा तृणमूल कांग्रेस के एक पार्टी कार्यालय में भी तोड़फोड़ किए जाने का आरोप लगा है। खबर मिलने पर पुलिस और केंद्रीय बल मौके पर पहुंचे, लेकिन आरोप है कि पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में ही बुलडोजर चलाकर तोड़फोड़ की गई। हालांकि, पुलिस ने इस मामले में कई लोगों को गिरफ्तार किया है और जांच जारी है।

माकपा ने शुभेंदु अधिकारी के पीए की हत्या की निंदा की, विस्तृत जांच की मांग की

कोलकाता, समाज्ञा : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी चंद्रनाथ रथ की हत्या की गुरुवार को 'कड़ी निंदा' की और घटना की विस्तृत जांच की मांग की। माकपा के सचिव मोहम्मद सलीम ने कहा कि इस 'भयानक और जघन्य अपराध' की जांच शनिवार को शपथ लेने वाली नयी भाजपा सरकार के लिए एक अग्निपरीक्षा होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि विधानसभा चुनाव समाप्त होने के बाद भी राज्य में अपराध का सिलसिला जारी है। सलीम ने कहा कि हम इस हत्या की कड़ी निंदा करते हैं। इस अपराध के पीछे की सच्चाई का पता केवल विस्तृत और उचित जांच से ही चल सकता है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से रथ

की हत्या की गई है, उससे स्पष्ट होता है कि यह सुनियोजित, निर्मम और पेशेवर तरीके से अंजाम दी गई हत्या थी। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद लोग शांति और कानून व्यवस्था की बहाली के साथ-साथ सौहार्द चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'चुनाव के बाद राज्य में चार हत्याएं हो चुकी हैं और पश्चिम बंगाल में ऐसी घटनाएं तुरंत रुकनी चाहिए।

बीजेएमटीयूसी नवनिर्वाचित विधायक उमेश राय व संजय सिंह को दी बधाई

हावड़ा, समाज्ञा : भारतीय जनता मजदूर ट्रेड यूनियन काउंसिल (बीजेएमटीयूसी) के प्रदेश अध्यक्ष रितेश पांडे ने उत्तर हावड़ा सीट से उमेश राय, बाली से संजय सिंह सहित सभी विजयी भाजपा प्रत्याशियों को बधाई दी है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि भाजपा की यह जीत राज्य के मजदूरों के लिए हितकर होगा। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हावड़ा सहित राज्य के कई जिलों में जूट मिलों की स्थिति खराब है। कई मिल बंद पड़े हुए हैं। श्रमिकों की हालत वाम जमाने से लेकर तृणमूल जमाने तक जस की तस है। इस नयी सरकार से हमलोगों को काफी उम्मीदें हैं। नयी सरकार फिर से बंगाल को सोनार बांग्ला बनाये।

मालदह में बीजेपी समर्थक की हत्या, घर से 500 मीटर दूर मिला खून से लथपथ शव

मालदह : मालदह जिले में चुनाव परिणाम के बाद हिंसा की घटनाओं के बीच एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई है। इंग्लिश बाजार नगर पालिका के वार्ड नंबर 1 स्थित गादुआ मोड़ इलाके में बुधवार रात एक बीजेपी समर्थक को फोन कर बुलाकर बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक का शव उसके घर से लगभग 500 मीटर दूर महेशपुर बागानपाड़ा इलाके में खून से लथपथ हालत में बरामद हुआ। मृतक की पहचान किशन हालदार (28) के रूप में हुई है। परिजनों का आरोप है कि बुधवार रात कुछ लोगों ने उसे फोन कर घर से बाहर बुलाया, जिसके बाद उस पर धारदार हथियार (हंसिया) से हमला कर उसकी

हत्या कर दी गई। घटना के बाद काफी देर तक शव घटनास्थल पर पड़ा रहा, जिससे इलाके में भारी तनाव फैल गया। इस घटना में किशन के दो दोस्त भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। आरोप है कि पड़ोसी गोलाम हालदार के बेटे सुमन हालदार सहित कई लोगों ने मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया। जिस स्थान पर हत्या की गई, वहां से पुलिस को एक बड़ा धारदार हथियार भी बरामद हुआ है, जिस पर खून के निशान पाए गए हैं। खबर मिलते ही मौके पर पुलिस और केंद्रीय बल पहुंचे और स्थिति को नियंत्रित किया फिलहाल आरोपियों की तलाश जारी है। घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव का माहौल बना हुआ है।

पानीहाटी में बाइक सवार बदमाशों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर फेंका बम, पांच घायल

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के पानीहाटी इलाके में भाजपा कार्यकर्ताओं पर देसी बम फेंके जाने की घटना में कम से कम पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, घटना आधी रात के बाद पानीहाटी नगरपालिका के वार्ड 2 स्थित दत्ता रोड पर हुई। बताया जा रहा है कि कुछ भाजपा कार्यकर्ता आम लोगों से बातचीत कर रहे थे, तभी बाइक पर सवार कुछ बदमाश वहां पहुंचे। चश्मदीदों के मुताबिक, बाइक पर आए चार लोगों ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर बम फेंके। तीन बम फेंके गए, जिसके बाद हमलावर फरार हो गए। इस हमले में पांच भाजपा कार्यकर्ता गंभीर रूप से

घायल हो गए। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया। घायलों को गंभीर हालत में आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूचना मिलने के बाद खड़दह थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। केंद्रीय बलों को भी तैनात किया गया। पुलिस ने हालात को नियंत्रण में लेकर इलाके में गश्त शुरू कर दी। पुलिस इलाके के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

बशीरहाट में भाजपा कार्यकर्ता को मारी गोली, हालत गंभीर

विधानसभा चुनाव परिणामों के बाद राज्य में जारी राजनीतिक तनाव के बीच उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट में बुधवार की रात एक और हिंसक घटना सामने आयी। यहां भाजपा कार्यकर्ता रोहित रॉय उर्फ चिंटू को गोली मार दी गयी। उन्हें गंभीर हालत में बशीरहाट के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना बशीरहाट के गोत्रा इलाके में हुई, जहां भाजपा के झंडे लगाने को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और कथित तृणमूल समर्थकों के बीच विवाद हुआ था। भाजपा ने आरोप लगाया है कि तृणमूल समर्थित बदमाशों ने रोहित रॉय पर फायरिंग की। रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित रॉय के पेट में गोली लगी है। अस्पताल सूत्रों ने बताया कि उनकी हालत गंभीर लेकिन स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है, हालांकि, अब तक आरोपितों को चिह्नित नहीं कया जा सका है।

कोलकाता पुलिस ने धारा-144 संबंधी एडवाइजरी को बताया 'फर्जी'

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में चुनाव बाद हुई हिंसा के कारण कई क्षेत्रों में हालात तनावपूर्ण हैं। इसी बीच, सोशल मीडिया पर फर्जी और भ्रामक सामग्री भी शेयर की जा रही है। कोलकाता पुलिस ने बताया कि राजधानी के कई इलाकों में धारा-144 संबंधी 'एडवाइजरी' भी फर्जी और भ्रामक है। कोलकाता के खिदिरपुर और तपसिया समेत कुछ इलाकों में धारा-144 लागू किए जाने संबंधी एडवाइजरी सोशल मीडिया पर शेयर की जा रही थी। दावा था कि यह एडवाइजरी कोलकाता पुलिस हेडक्वार्टर से जारी की गई। हालांकि, कोलकाता पुलिस ने इस एडवाजरी को फर्जी और भ्रामक बताया है। पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि यह एडवाइजरी फर्जी और भ्रामक

है। कोलकाता पुलिस के अधिकार क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति पूरी तरह सामान्य है और उस पर लगातार सतर्क निगरानी रखी जा रही है। पोस्ट में आगे लिखा कि कोलकाता पुलिस आयुक्त के नाम पर इस तरह की झूठी जानकारी फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई शुरू की जा रही है। इसके साथ ही, पुलिस ने नागरिकों से अपील है कि वे केवल आधिकारिक स्रोतों से जारी सत्यापित जानकारी पर ही भरोसा करें।

भाजपा नीत बिहार सरकार के मंत्रिमंडल का बड़ा विस्तार, निशांत कुमार समेत 32 नेताओं ने ली शपथ

पटना : बिहार में बृहस्पतिवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली पहली सरकार का बड़ा मंत्रिमंडल विस्तार हुआ और जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के अध्यक्ष नीतीश कुमार के पुत्र निशांत कुमार तथा 31 अन्य नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। राज्यपाल सैयद अता हसनैन ने पांच दलों वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी 32 नेताओं को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। गांधी मैदान में आयोजित भव्य समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा तथा बिहार भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन भी उपस्थित थे। सभी की निगाहें निशांत कुमार (45) पर टिकी थीं, जिन्होंने करीब दो महीने पहले नीतीश के मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा सदस्य बनने की घोषणा के बाद सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया था। पिछले महीने भाजपा नेता सम्राट चौधरी के मुख्यमंत्री बनने के समय उपमुख्यमंत्री पद का प्रस्ताव ठुकराने वाले निशांत ने अंततः पार्टी नेताओं के आग्रह को स्वीकार कर लिया। पार्टी नेताओं को आशंका थी कि नीतीश के मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद जदयू की राजनीतिक संभावनाएं प्रभावित हो सकती हैं। शपथ लेने से पहले सार्वजनिक जीवन से अपेक्षाकृत दूर रहने वाले निशांत कुमार ने अपने पिता के साथ-साथ शाह और मोदी के पैर छूकर आशीर्वाद लिया। बिहार की 243 सदस्यीय विधानसभा में 89 विधायकों के साथ भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है और अब उसके मंत्रियों की संख्या 15 हो गई है। मंत्रिमंडल में शामिल अधिकांश नेता वे हैं जो पिछले वर्ष नवंबर में राजग की सत्ता में वापसी के बाद बनी नीतीश कुमार सरकार में मंत्री रह चुके थे। झंझारपुर के विधायक नीतीश मिश्रा की भी मंत्रिमंडल में वापसी हुई है। उद्योग राज्य मंत्री के रूप में उन्होंने प्रभाव छोड़ा था, लेकिन पिछले वर्ष नवंबर में नीतीश कुमार के फिर मुख्यमंत्री बनने पर उन्हें मंत्रिमंडल से बाहर कर दिया गया था। उनके पिता दिवंगत जगन्नाथ मिश्रा बिहार के मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री रह चुके थे। हालांकि, पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष मंगल पांडेय को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलना चर्चा का विषय रहा। वह पिछले कई वर्ष से स्वास्थ्य विभाग संभाल रहे थे। पांडेय फिलहाल पश्चिम बंगाल में भाजपा के प्रभारी हैं और अटकलें हैं कि राज्य में पार्टी की हालिया सफलता के बाद उन्हें अगले वर्ष होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के मद्देनजर अहम जिम्मेदारी दी जा सकती है। भाजपा ने बिहार की राजनीति में मंडल प्रभाव को देखते हुए ''सिर्फ सवर्णों की पार्टी'' की छवि तोड़ने का प्रयास भी किया है। पार्टी ने अपने पहले मुख्यमंत्री के रूप में पिछड़ा वर्ग के नेता को चुना है और मंत्रिमंडल में केवल छह सवर्ण नेताओं को शामिल किया गया है। इसके अलावा बड़ी संख्या में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के साथ दो दलित नेताओं - लखेंद्र पासवान और नंद किशोर राम - को भी शामिल किया गया है। जदयू के कुल 15 मंत्री हैं, जिनमें से 13 ने बृहस्पतिवार को गांधी मैदान में शपथ ली। विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र प्रसाद यादव अप्रैल में सम्राट चौधरी के साथ शपथ ले चुके थे और उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाया गया था। धर्मनिरपेक्षता के प्रति नीतीश कुमार की प्रतिबद्धता को बनाए रखते हुए जदयू ने अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री रह चुके जमा खान को फिर मंत्रिमंडल में शामिल किया है। वह मंत्रिमंडल के एकमात्र मुस्लिम सदस्य हैं। संविधान के अनुसार मंत्रिपरिषद का आकार विधानसभा की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकता। बिहार में 243 सदस्यीय विधानसभा के हिसाब से मंत्रिमंडल में अधिकतम 36 सदस्य हो सकते हैं। वर्तमान में मंत्रिमंडल में 35 सदस्य हैं, जो अधिकतम सीमा से एक कम है। जदयू से श्रवण कुमार, अशोक चौधरी, सुनील कुमार और लेशी सिंह जैसे वरिष्ठ नेताओं के अलावा शिवहर से पहली बार विधायक बनीं श्वेता गुप्ता को भी मंत्रिमंडल में जगह मिली है। श्रवण कुमार और निशांत कुमार दोनों कुर्मी समुदाय से हैं, जिसे जदयू का सबसे मजबूत समर्थन आधार माना जाता है। लेशी सिंह को छोड़कर जदयू के सभी मंत्री ओबीसी, अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) और दलित समुदायों से हैं। लेशी सिंह राजपूत समुदाय से हैं। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) से संजय कुमार सिंह और संजय कुमार पासवान फिर मंत्री बने हैं। इसी तरह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के पुत्र संतोष कुमार सुमन तथा उपेंद्र कुशवाहा के पुत्र दीपक प्रकाश को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। मंत्रिमंडल में पांच महिलाएं शामिल हैं। इनमें भाजपा की ओर से पुरस्कार विजेता निशानेबाज से नेता बनीं श्रेयसी सिंह और पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद शामिल हैं। अन्य महिला मंत्री - लेशी सिंह, श्वेता गुप्ता और पूर्व मंत्री शीला मंडल - जदयू से हैं। राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) को छोड़कर राजग के सभी घटक दलों से एक या अधिक दलित मंत्री बने हैं। मंत्रिमंडल में कुल सात दलित मंत्री हैं, जिनमें सबसे अधिक तीन - अशोक चौधरी, रत्नेश सदा और सुनील कुमार - जदयू से हैं।

प्रधानमंत्री ने बिहार के नए मंत्रियों को बधाई दी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को शपथ ग्रहण करने वाले बिहार के नवनियुक्त मंत्रियों को बधाई दी और कहा कि वह आश्वस्त हैं कि सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता राज्य को समृद्धि की नयी ऊंचाई पर ले जाएगी।

माननीय मंत्री का नाम एवं विभाग

सम्राट चौधरी
सामान्य प्रशासन, गृह, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन, सिविल विमानन, ऐसे सभी विभाग जो किसी को आवंटित नहीं हैं
विजय कुमार चौधरी
जल संसाधन, संसदीय कार्य
बिजेन्द्र प्रसाद यादव
वित्त, वाणिज्य-कर
श्रवण कुमार
ग्रामीण विकास, सूचना एवं जन-संपर्क
विजय कुमार सिन्हा
कृषि
डॉ दिलीप कुमार जायसवाल
राजस्व एवं भूमि सुधार
निशांत कुमार
स्वास्थ्य
लेशी सिंह
खाद्य एवं उपभोक्ता संरक्षण
राम कृपाल यादव
सहकारिता
नीतीश मिश्रा
नगर विकास एवं आवास, सूचना प्रावैधिकी
दामोदर रावत
परिवहन
संजय सिंह
टाइगर उच्च शिक्षा, विधि
अशोक चौधरी भवन निर्माण
भगवान सिंह कुशवाहा
योजना एवं विकास
अरुण शंकर प्रसाद
श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण, युवा, रोजगार एवं कौशल विकास
मदन सहनी
मद्य निषेध उत्पाद एवं निबंधन
डॉ संतोष कुमार
सुमन लघु जल संसाधन
रमा निवास
पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण
रत्नेश सादा
आपदा प्रबंधन
कुमार शैलेन्द्र
पथ निर्माण
शीला कुमारी
विज्ञान, प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा
केदार प्रसाद गुप्ता
पर्यटन
लक्ष्मण कुमार निशाद
अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति कल्याण
सुनील कुमार
ग्रामीण कार्य
श्रेयसी सिंह
उद्योग, खेल
मो. जमा खान
अल्पसंख्यक कल्याण
नन्दकिशोर
राम डेयरी, मत्स्य पशु संसाधन
शैलेश कुमार उर्फ बुलो
मंडल ऊर्जा
प्रमोद कुमार
खान एवं भूतत्व, कला एवं संस्कृति
श्वेता गुप्ता
समाज कल्याण
दिनेशचंद्र दिवाकर
शिक्षा
रामचन्द्र प्रसाद
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
संजय कुमार सिंह
लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण
संजय कुमार
गन्ना उद्योग
दीपक प्रकाश
पंचायती राज

उत्तर प्रदेश के ललितपुर में चेक डैम में पांच युवक डूबे, तीन की मौत

बांदा (उप्र) : ललितपुर जिले के महरौनी क्षेत्र में बृहस्पतिवार को नहाते समय चेक डैम में पांच युवक डूब गए, जिनमें से तीन की मौत हो गई। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। महरौनी क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक (सीओ) रक्षपाल सिंह ने बताया कि बृहस्पतिवार की दोपहर महरौनी क्षेत्र के हर्षपुर गांव के पास बह रही नहर के चेकडैम (लघु बांध) में नहाते समय पांच युवक डूब गए, जिनमें से तीन युवकों की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि मृत युवकों की पहचान मध्य प्रदेश के अशोकनगर के रहने वाले मिथुन (30), धर्मेंद्र (20) और धीरज (22) के रूप में हुई है। तीनों युवकों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजकर विस्तृत कार्रवाई शुरू कर दी गई है। सीओ ने बताया कि जगदीश (32) और राजकुमार (30) को बचा लिया गया है और उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि सभी युवक एक विवाह समारोह में शामिल होने आए थे।

राजस्थान के अलवर में भीड़ ने किया थाने पर हमला, 18 लोगों को हिरासत में लिया गया

जयपुर : राजस्थान के अलवर जिले में बुधवार देर रात दो युवकों को हिरासत में लिए जाने के बाद भीड़ ने गोविंदगढ़ थाने पर कथित तौर पर पथराव कर दिया। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रियंका रघुवंशी ने बताया कि घटना में थाना प्रभारी समेत चार पुलिसकर्मी घायल हो गए। उन्होंने कहा कि प्राथमिकी दर्ज करके 18 लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) ने बताया कि दो युवक मोटरसाइकिल पर 'स्टंट' कर रहे थे, तभी ग्रामीणों की ओर से शिकायत मिलने पर सहायक पुलिस निरीक्षक वहां पहुंचे और युवकों को रोका, जिसके बाद विवाद हो गया। एएसपी ने बताया कि दोनों युवकों को थाने लाया गया, जिसके बाद करीब 100 लोग थाने के बाहर इकट्ठा हो गए और पथराव शुरू कर दिया।

उत्तर प्रदेश के बरेली में कुएं में गिरने से छह वर्षीय छात्र की मौत

बरेली : बरेली में बृहस्पतिवार सुबह छह वर्षीय एक छात्र की स्कूल के पास खुले कुएं में गिरने के बाद मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना अदीनापुर गांव में हुई, जहां एक निजी स्कूल का छात्र लविश स्कूल परिसर के पास पुराने कुएं के निकट लगे पानी के नल के पास गया था। ग्रामीणों के अनुसार, बारिश के कारण कुएं के आसपास का क्षेत्र फिसलन भरा हो गया था और बच्चा कथित तौर पर फिसलकर गहरे कुएं में गिर गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया, रस्सियां डालकर कुएं में उतरने की कोशिश की, लेकिन कुएं की गहराई के कारण बचाव कार्य में मुश्किल आई।

उत्तर प्रदेश: यमुना नदी में पलटी नाव, छह लोगों की मौत

हमीरपुर (उप्र) : हमीरपुर जिले में यमुना नदी में एक नाव पलटने के बाद पांच बच्चों और एक महिला समेत छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीमों ने शव बरामद किए। मृतकों की पहचान आकांक्षा (9), रानी (9), बृजरानी (25), लाभयांश (5), महेश (6) और आदित्य (11) के रूप में हुई। पुलिस ने बृहस्पतिवार को बताया कि भौली ग्राम पंचायत के मजरा कुतुबपुर पटिया में बुधवार शाम यमुना नदी में एक नाव पलट गई जिसके बाद उस पर सवार नौ लोग डूबने लगे। उन्होंने बताया कि नाव चला रहे धीरू नामक किशोर ने तीन

लोगों को बचा लिया लेकिन आकांक्षा, रानी, बृजरानी, लाभयांश, महेश और आदित्य डूब गए। थानाध्यक्ष ब्रजेश कुमार ने बताया कि बचाव टीमों ने बाद में आकांक्षा, लाभयांश, महेश, रानी और बृजरानी के शव बरामद कर लिए जबकि आदित्य का शव बृहस्पतिवार देर शाम बरामद हुआ। इससे पहले उन्होंने बताया था कि सुबह से हो रही भारी बारिश के कारण बचाव कार्य में टीमों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा। कुरारा के थाना प्रभारी ब्रजेश कुमार ने बताया कि सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है. इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस घटना का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को युद्ध स्तर पर बचाव और राहत कार्य के निर्देश दिए हैं।

पिता-पुत्र हत्याकांड में दोषी सात लोगों को आजीवन कारावास

आजमगढ़ (उप्र) : आजमगढ़ जिले की एक अदालत ने वर्ष 2020 के चुनाव की रंजिश को लेकर पिता-पुत्र की हत्या किए जाने के मामले में सात आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास और जुर्माने की सजा सुनायी है। जिला शासकीय अधिवक्ता प्रियदर्शी पियूष त्रिपाठी ने बताया कि यह फैसला जिला एवं सत्र न्यायाधीश जय प्रकाश पांडेय ने बुधवार को सुनाया। त्रिपाठी ने बताया कि 13 अगस्त 2020 को देवगांव थाना क्षेत्र के अकबेलपुर नाउपुर गांव की रहने वाली संतरा देवी 13 अगस्त 2020 को अपने पति और बेटों के साथ दवा लेने लालगंज बाजार गई थी। उन्होंने बताया कि एक मोटरसाइकिल पर संतरा देवी व उसका बेटा विनोद यादव तथा दूसरी मोटरसाइकिल पर पति हीरालाल तथा बेटा तेज कुमार यादव थे। त्रिपाठी ने बताया कि रास्ते में घोड़सहना गांव में सुरेन्द्र तथा प्रदीप नामक व्यक्तियों ने उनका रास्ता रोका और प्रधान के चुनाव की बातचीत के लिए हीरालाल और तेज कुमार यादव को अपने घर ले गये जबकि संतरा देवी और उसका बेटा विनोद बाहर ही खड़े रहे, तभी वहां पर लाल बहादुर, अजय, उमेश यादव, रणजीत और उसकी मां कमली आ गए। त्रिपाठी ने बताया कि बातचीत के दौरान ही प्रदीप तथा सुरेंद्र ने हीरालाल को गोली मार दी और यह देख कर उसके बेटे तेज कुमार ने भागने की कोशिश की तो कमली देवी, उमेश व अजय ने उसे घेर लिया और लाल बहादुर तथा रणजीत ने उसे गोली मार दी। उन्होंने बताया कि इस घटना में पिता पुत्र दोनों की ही मौके पर मृत्यु हो गई।

मुजफ्फरनगर में 36 घंटे में आठ पुलिस मुठभेड़, 12 अपराधी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर (उप्र) : मुजफ्फरनगर जिले के विभिन्न हिस्सों में 36 घंटे आठ मुठभेड़ के बाद 12 कथित अपराधियों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें से 10 पुलिस की ओर से चलाई गई गोली लगने से घायल हो गए। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने कहा कि ये मुठभेड़ बुढ़ाना, मंसूरपुर, कोतवाली सिटी, नयी मंडी और शाहपुर थाना क्षेत्रों में हुईं। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी लूट, डकैती, मोबाइल झपटमारी और पशु चोरी से जुड़े मामलों में शामिल थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान शाहरुख, मनीष, शिवम, सलमान, खुशनसीब, अमर, गुड्डू, अभिषेक, अरशद और मोमिन के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी के दौरान 10 आरोपियों को गोली लगी और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया।

राजस्थान: तीन राज्यों के विधानसभा चुनाव में अच्छे प्रदर्शन के बाद भाजपा ने मनाया विजय उत्सव

जयपुर : भाजपा की जयपुर शहर इकाई ने पश्चिम बंगाल तथा असम के विधानसभा चुनाव में पार्टी की शानदार जीत और पुडुचेरी में अच्छे प्रदर्शन के बाद बृहस्पतिवार को कार्यकर्ताओं के लिए विजय उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया। यह कार्यक्रम जयपुर के ईपी हॉल में आयोजित किया गया, जहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने फिल्म धुरंधर की विशेष स्क्रीनिंग देखी और बाद में रैली व उत्सव में शामिल हुए, जिसमें नारेबाजी और आतिशबाजी भी हुई। जयपुर शहर के भाजपा अध्यक्ष अमित गोयल ने कहा कि यह कार्यक्रम कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाने और संगठन में आपसी एकजुटता मजबूत करने के लिए आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि यह आयोजन ऑपरेशन सिंदूर की वर्षगांठ के मौके पर किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर आतंकवाद के खिलाफ भारत की अडिग शक्ति की उद्घोषणा सम्राट चौधरी

पटना : बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर बृहस्पतिवार को इसे आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी ताकतों के खिलाफ ''भारत की अडिग शक्ति की उद्घोषणा'' बताया। ऑपरेशन सिंदूर सात से 10 मई 2025 के बीच भारतीय सेना के तीनों अंगों (थलसेना, वायुसेना और नौसेना) तथा सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) द्वारा देश की पश्चिमी सीमा पर चलाया गया सैन्य अभियान था, जिसके तहत पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी तथा सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया था। यह अभियान 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में चलाया गया था। आतंकी हमले में 25 पर्यटकों और एक स्थानीय निवासी की मौत हो गई थी। चौधरी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं था, बल्कि आतंकवाद और राष्ट्रविरोधी ताकतों के खिलाफ भारत की अडिग शक्ति की उद्घोषणा था। हमारे वीर जवानों ने अदम्य साहस और पराक्रम का परिचय देते हुए दुश्मन की कुटिल साजिशों को नाकाम कर दिया तथा दुनिया को यह संदेश दिया कि भारत अपने सम्मान और नागरिकों की सुरक्षा के लिए किसी भी हद तक जा सकता है।''

बीएसएफ ने बाड़मेर में पाकिस्तानी घुसपैठिए को पकड़ा, पुलिस के हवाले किया

जयपुर : राजस्थान के बाड़मेर जिले में भारत-पाकिस्तान सीमा के पास भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने वाले एक पाकिस्तानी नागरिक को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पकड़ लिया और बाद में पूछताछ के लिए पुलिस को सौंप दिया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी युवक सरूपे का तला इलाके में अशोका चौकी के पास से भारतीय सीमा में घुस गया। प्रारंभिक पूछताछ के बाद बीएसएफ ने आरोपी को धनाऊ थाना पुलिस को सौंप दिया। धनाऊ थाना प्रभारी दीप सिंह ने बताया कि बीएसएफ ने पाकिस्तान निवासी आवेश खां को सोमवार को पकड़ा था। इसके बाद पांच मई को आरोपी को पुलिस को सौंपा था। चौहटन पुलिस उपाधीक्षक जेठाराम ने बताया कि आरोपी से पूछताछ की जा रही है। फिलहाल

कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। विभिन्न सुरक्षा एजेंसियां उससे पूछताछ करेंगी। पुलिस उपाधीक्षक के अनुसार, बीएसएफ को जैसे ही पाकिस्तानी नागरिक के भारतीय सीमा में घुसने की भनक मिली तो बीएसएफ ने कार्रवाई कर तुरंत उसे पकड़ लिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

अधिकारी के सहयोगी की हत्या पर चिराग ने कहा, 'बंगाल की जनता ने हिंसा की राजनीति के खिलाफ मतदान किया'

पटना : केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पश्चिम बंगाल में भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के सहयोगी की हत्या की बृहस्पतिवार को निंदा करते हुए कहा कि राज्य की जनता ने हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में ''इसी हिंसा की राजनीति'' के खिलाफ मतदान किया है। अधिकारी के कार्यकारी सहायक चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात करीब साढ़े दस बजे कोलकाता के बाहरी इलाके में मोटरसाइकिल सवार हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। हमलावरों ने पहले उनकी कार को रुकवाया था। संवाददाताओं से बातचीत में पासवान ने कहा, ''यह बेहद पीड़ादायक और शर्मनाक है। बंगाल की जनता ने हाल में संपन्न विधानसभा चुनाव में इसी हिंसा की राजनीति के खिलाफ मतदान किया है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि हत्या को ''तृणमूल कांग्रेस के गुंडों'' ने अंजाम दिया है।

पासवान ने कहा, ''इसीलिए उन्हें टीएमसी के गुंडे कहा जाता है। चुनाव समाप्त होने के बाद भी वे अपनी हार स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। इससे उस मानसिकता का पता चलता है जिसके बल पर उन्होंने 15 वर्षों तक बंगाल की जनता को दबाकर रखा।'' उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने कहा, ''केंद्र सरकार और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस घटना को लेकर काफी चिंतित हैं। हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है कि बंगाल में अब इस तरह की हिंसा को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।'' पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफा देने से इनकार करने के सवाल पर पासवान ने कहा कि उनके फैसले से इतर राज्य में भाजपा के नेतृत्व में नई सरकार बनेगी।

कभी दंगों, फतवों व पलायन के कारण बदनाम सहारनपुर आज विकास, प्रगति की नई पहचान बना: योगी

सहारनपुर (उप्र) : उत्तर प्रदेश में जाति आधारित राजनीति को बढावा देने के लिये प्रदेश की पिछली सरकारों पर निशाना साधते हुये प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को कहा कि प्रदेश अब तुष्टिकरण और फतवा की राजनीति से दूर विकास और लोक कल्याण आधारित व्यवस्था की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में अब तुष्टीकरण नहीं, बल्कि संतुष्टिकरण की राजनीति को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले सरकारी संसाधनों का उपयोग कब्रिस्तानों की बाउंड्री वॉल, अवैध कब्जों और जातीय-साम्प्रदायिक समीकरणों को साधने में किया जाता था, जबकि वर्तमान सरकार उन्हीं संसाधनों को सड़क, विश्वविद्यालय, स्पोर्ट्स

कॉलेज, आरसीसी ड्रेन, एक्सप्रेसवे तथा धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों के विकास जैसे जनहितकारी कार्यों में लगा रही है। योगी सहारनपुर में आयोजित 2,131 करोड़ रुपये की 325 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे । मुख्यमंत्री ने कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल में सरकारी धन का इस्तेमाल जातीय और सांप्रदायिक तुष्टीकरण से जुड़े कार्यों में अधिक होता था, जबकि वर्तमान सरकार उसी संसाधन को आधारभूत ढांचे और जनहित से जुड़ी परियोजनाओं पर खर्च कर रही है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने की जनगणना-2027 के पहले चरण की शुरुआत

लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को उत्तर प्रदेश में जनगणना-2027 के प्रथम चरण की औपचारिक शुरुआत की और कहा कि यह कवायद सिर्फ आबादी की गिनती भर नहीं बल्कि समग्र, समावेशी और सुनियोजित विकास का एक सशक्त आधार भी है। आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर आयोजित कार्यक्रम में 'हमारी जनगणना, हमारा विकास' के तहत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना कार्य का शुभारंभ किया।

नियुक्ति प्रक्रिया में अब नहीं चलती सिफारिश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राज्य में सरकारी भर्तियां पारदर्शी और प्रौद्योगिकी के जरिये किए जाने का दावा करते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि अब चयन प्रक्रिया के किसी भी चरण में सिफारिश या गलत तरीकों की कोई गुंजाइश नहीं है। मुख्यमंत्री ने लखनऊ के लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम में आयुष विभाग, व्यावसायिक शिक्षा और कौशल विकास विभाग, और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के 481 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि अगर नीयत साफ और नीति स्पष्ट हो तो सकारात्मक परिणाम आने में देर नहीं लगती और यह नियुक्ति-पत्र वितरण कार्यक्रम इसका उदाहरण है।

राजस्थान: एसीबी ने जल जीवन मिशन घोटाला मामले में पूर्व मंत्री जोशी को गिरफ्तार किया

जयपुर : राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने जल जीवन मिशन (जेजेएम) में 900 करोड़ रुपये के कथित घोटाले से जुड़े मामले में बृहस्पतिवार को पूर्व मंत्री महेश जोशी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पूर्व मंत्री की गिरफ्तारी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के सेवानिवृत्त अधिकारी सुबोध अग्रवाल की गिरफ्तारी के बाद हुई है। राज्य की पिछली कांग्रेस सरकार के दौरान जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रहे जोशी को गिरफ्तारी के बाद एक अदालत में पेश किया गया जहां से उन्हें 11 मई तक एसीबी की हिरासत में भेज दिया गया। इससे पहले अप्रैल 2025 में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने भी इसी कथित घोटाले से जुड़े धनशोधन के एक मामले में जोशी को गिरफ्तार किया था। वह करीब सात महीने तक जेल में रहे जिसके बाद दिसंबर में उच्चतम न्यायालय ने उन्हें जमानत दे दी थी। अधिकारियों के अनुसार जोशी को बृहस्पतिवार तड़के जयपुर में स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। एसीबी के प्रवक्ता के अनुसार विशेष जांच दल (एसआईटी) सुबह करीब पांच बजे जोशी के आवास पर पहुंचा और 'जल जीवन मिशन' के क्रियान्वयन में कथित अनियमितताओं की जांच के सिलसिले में उन्हें हिरासत में ले लिया। उन्हें एसीबी कार्यालय लाया गया और औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। अदालत ले जाते समय जोशी ने पत्रकारों से कहा कि एसीबी ने उन्हें कोई नोटिस नहीं दिया और सुबह उनके आवास पर पहुंच गई। जोशी ने कहा कि वह निर्दोष हैं। उन्होंने अपने खिलाफ की गई इस कार्रवाई को क्रूर बताया। जोशी ने कहा, इससे ज़्यादा क्रूर कुछ नहीं हो सकता। मैं निर्दोष हूं। आज मेरी शादी की सालगिरह है और सरकार ने मेरी पत्नी को इस तरह दुख दिया है। उन्होंने कहा कि सच परेशान हो सकता है, लेकिन पराजित नहीं।

भारत को सीमा पार से होने वाले आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा का अधिकार : विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली : भारत ने सीमा पार से होने वाली पाकिस्तान समर्थित आतंकवादी गतिविधियों के खिलाफ बृहस्पतिवार को आत्मरक्षा के अपने अधिकार को दोहराया और आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने का संकल्प लिया। नयी दिल्ली का यह कड़ा संदेश ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर आया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, ''आज हम ऑपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ मना रहे हैं। पूरी दुनिया ने पहलगाम आतंकवादी हमले को देखा। सीमा पार से आतंकवाद को प्रायोजित करने के

लिए हमने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया।'' उन्होंने विदेश मंत्रालय के साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''दुनिया जानती है कि सीमा पार से होने वाला आतंकवाद लंबे समय से पाकिस्तान की नीति का हिस्सा रहा है। हमें आतंकवाद के खिलाफ आत्मरक्षा का पूरा अधिकार है।'' जायसवाल ने कहा कि भारत आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक लड़ाई को मजबूत करने के लिए काम करता रहेगा। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में, भारत ने पिछले साल 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था, जिसमें पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में नौ आतंकी ठिकानों पर हवाई हमले किए गए थे और कम से कम 100 आतंकवादियों को मार गिराया गया था।

कनाडा 'भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों' के खिलाफ कार्रवाई करे

भारत ने बृहस्पतिवार को कनाडा से आह्वान किया कि वह उसकी धरती से काम कर रहे ''भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों'' के खिलाफ कार्रवाई करे। भारत की यह अपील कनाडा की खुफिया रिपोर्ट के मद्देनजर आई है, जिसमें खालिस्तानी तत्वों द्वारा उत्पन्न राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे को उजागर किया गया है। कनाडाई सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) द्वारा पिछले सप्ताह जारी की गई 2025 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी चरमपंथियों की ''हिंसक उग्रवादी गतिविधियों'' में संलिप्तता कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने अपनी साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कहा, भारत ने कनाडा सरकार से बार-बार आग्रह किया है कि वह अपनी धरती से संचालित होने वाले भारत विरोधी चरमपंथी तत्वों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करे।

स्वस्थ पति आय छिपाकर पत्नी के भरण-पोषण के दायित्व से बच नहीं सकता : अदालत

नयी दिल्ली : दिल्ली की एक अदालत ने उस अंतरिम आदेश को बरकरार रखा है, जिसके तहत घरेलू हिंसा के आरोपी एक व्यक्ति को अलग रह रही पत्नी और नाबालिग बच्ची को गुजर-बसर के लिए हर महीने 7,500 रुपये देने का निर्देश दिया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश शीतल चौधरी प्रधान ने कहा कि एक स्वस्थ पति अपनी आय छिपाकर परिवार के भरण-पोषण के वैध दायित्व से बच नहीं सकता है। उन्होंने घरेलू हिंसा से महिलाओं की सुरक्षा अधिनियम-2005 के तहत पारित निचली अदालत के आदेश के खिलाफ व्यक्ति की अपील खारिज कर दी। न्यायमूर्ति प्रधान ने कहा, मेरा यह सुविचारित मत है कि अपने खर्चों का प्रबंधन करना अपीलकर्ता की जिम्मेदारी है। अपीलकर्ता का खर्चों का विवरण देना और यह कहना कि उस पर अपनी मां की देखभाल की जिम्मेदारी है, उसे अपनी कानूनी रूप से विवाहित पत्नी के भरण-पोषण के दायित्व से मुक्त नहीं करता है। फरीदाबाद निवासी प्रदीप कुमार ने निचली अदालत के 23 दिसंबर 2025 के अंतरिम आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें उसे अपनी पत्नी प्रिया और नाबालिग बच्ची को गुजर-बसर के लिए हर महीने 7,500 रुपये देने का निर्देश दिया गया था। अदालती रिकॉर्ड के मुताबिक, प्रिया का आरोप है कि जनवरी 2020 में शादी के बाद से ही उसे प्रदीप तथा उसके घरवालों के हाथों दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा और क्रूरता का सामना करना पड़ा है।

जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार संघ 99 वर्षों बाद हुआ पंजीकृत

जम्मू : जम्मू-कश्मीर उच्च न्यायालय बार संघ की स्थापना के लगभग 99 वर्षों बाद यह औपचारिक रूप से पंजीकृत हो गया है। यह बार एसोसिएशम के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अरुण पल्ली ने इस उपलब्धि पर बार एसोसिएशन को बधाई दी और इसे संस्थागत मान्यता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। मुख्य न्यायाधीश और उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों की उपस्थिति में एसोसिएशन के पदाधिकारियों को पंजीकरण प्रमाण पत्र सौंपा गया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष निर्मल कोतवाल ने इस अवसर को 'ऐतिहासिक दिन' बताया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, किसी संस्था का पंजीकरण अत्यंत महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे कानूनी मान्यता मिलती है और सदस्यों को विभिन्न लाभ प्राप्त करने का अवसर मिलता है। कोतवाल ने कहा कि पंजीकरण न होने के कारण अतीत में हितधारकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा लेकिन औपचारिक मान्यता मिलने से अब संस्थागत सहयोग आसान होगा और एसोसिएशन का कामकाज सुचारू रूप से चलेगा।

ओडिशा में नीट अभ्यर्थी ने असफलता के डर से आत्महत्या की

भुवनेश्वर : ओडिशा के भद्रक जिले में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) की तैयारी करने वाला 19 वर्षीय युवक अपने घर पर फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने यह जानाकारी दी। पुलिस के अनुसार, मृतक के परिवार का आरोप है कि उसने तीन मई को हुई मेडिकल प्रवेश परीक्षा में असफल होने के डर से आत्महत्या कर ली। उसने बताया मृतक की पहचान ज्योति प्रकाश बारिक के रूप मे हुई है। वह तिहिडी प्रखंड के नुंदा गांव का रहने वाला था। पुलिस के अनुसार, वह भद्रक टाउन पुलिस स्टेशन क्षेत्र में अपने किराए के मकान की छत से लटका मिला। हालांकि उसे भद्रक जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने बताया कि भद्रक शहर पुलिस ने इस संबंध में अप्राकृतिक मृत्यु का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है, वहीं मृतक के परिवार के सदस्यों ने कहा कि रविवार को परीक्षा में शामिल होने के बाद से वह गहरे मानसिक तनाव में था। ज्योति पिछले साल नीट की परीक्षा में सफल नहीं हो पाया था लेकिन इस बार उसे इसके सफल होने की उम्मीद थी। नीट-यूजी एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और बीएससी नर्सिंग सहित स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों के लिए प्रतिवर्ष आयोजित की जाने वाली एक राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा है।

असम की नई सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को

गुवाहाटी : असम के मुख्य सचिव रवि कोटा ने बताया कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नव निर्वाचित सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कई केंद्रीय मंत्री, भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री तथा उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के इस समारोह में शामिल होने की उम्मीद है। उन्होंने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह खानपारा स्थित पशु चिकित्सालय में आयोजित किया जाएगा। कोटा ने बुधवार रात को 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, नव निर्वाचित मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री के आगामी दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के वास्ते आज (बृहस्पतिवार) असम के पुलिस महानिदेशक के साथ एक व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि सुरक्षा, यातायात प्रबंधन, आयोजन स्थल की तैयारियों, प्रोटोकॉल और अंतर-विभागीय समन्वय से संबंधित व्यवस्थाओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कोटा ने बताया, कार्यक्रम के सुचारू संचालन, स्थापित प्रोटोकॉल के कड़ाई से पालन और सभी हितधारकों के बीच घनिष्ठ समन्वय की आवश्यकता पर बल दिया गया। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य को अपना इस्तीफा सौंप दिया। आचार्य ने शर्मा से कार्यवाहक सरकार के प्रमुख के रूप में बने रहने का अनुरोध किया। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और नायब सिंह सैनी को भाजपा विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए क्रमशः पर्यवेक्षक और सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

सीईसी की नियुक्ति संबंधी कानून पर संसद में चर्चा नहीं हुई: याचिकाकर्ताओं का न्यायालय में दावा

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय के समक्ष बृहस्पतिवार को दावा किया गया कि मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और चुनाव आयुक्तों (ईसी) की नियुक्ति को विनियमित करने वाले 2023 के कानून को पारित करते समय संसद में वस्तुतः कोई बहस नहीं हुई और विधेयक को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। सीईसी और ईसी की नियुक्ति को विनियमित करने वाले कानून की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ के समक्ष कई वकीलों ने अपनी-अपनी दलीलें पेश की। कानून में इन संवैधानिक पदाधिकारियों की नियुक्ति करने वाली समिति में प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) के स्थान पर प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक केंद्रीय कैबिनेट मंत्री को शामिल करने का प्रावधान किया गया है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने दलील दी कि मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 नियुक्तियों की प्रक्रिया को पूरी तरह से कार्यपालिका के प्रभुत्व के अधीन करके निर्वाचन आयोग की स्वतंत्रता को कमजोर करता है।

सशस्त्र उग्रवादियों ने मणिपुर के कामजोंग जिले में घरों को आग लगाई, निवासी घर-बार छोड़ कर भागे

इंफाल : हथियारों से लैस उग्रवादियों ने बृहस्पतिवार तड़के भारत-म्यांमा सीमा के पास मणिपुर के कामजोंग जिले के गांवों पर हमला किया, घरों में आग लगा दी और निवासियों को भागने के लिए मजबूर कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, उग्रवादियों ने तड़के करीब चार बजे कसोम खुल्लेन पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले तांगखुल नगा गांवों -- नामली, वांगली और चोरो पर हमला किया, जिसके कारण सीमावर्ती बस्तियों के निवासियों को पास के जंगलों में शरण लेनी पड़ी। ये गांव अंतरराष्ट्रीय सीमा से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर स्थित हैं। अधिकारियों ने बताया कि हमले के दौरान भागने की कोशिश में एक

बुजुर्ग महिला घायल हो गई। ग्रामीणों के अनुसार, नामली में दो घर, वांगली में तीन-चार घर और चोरो में एक चर्च को छोड़कर कई घर जलकर खाक हो गए। बाद में असम राइफल्स सहित सुरक्षा बल स्थिति का जायजा लेने के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। फुंग्यार के विधायक एल. कीशिंग ने आरोप लगाया कि यह हमला सीमा पार से म्यांमा स्थित उग्रवादी समूहों कुकी नेशनल आर्मी (बर्मा) और पीपुल्स डिफेंस फोर्स (पीडीएफ) द्वारा किया गया।

भोजशाला को 'मस्जिद घोषित करने' के रियासतकालीन आदेश की कोई कानूनी मान्यता नहीं : मध्यप्रदेश सरकार

इंदौर : मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में भोजशाला मंदिर-कमाल मौला मस्जिद विवाद के मामले की सुनवाई के दौरान राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को दलील दी कि इस स्मारक को लेकर तत्कालीन धार रियासत के दरबार की ओर से वर्ष 1935 में जारी 'ऐलान' (सरकारी आदेश) की कोई कानूनी मान्यता नहीं है। मुस्लिम पक्ष ने 91 साल पुराने रियासतकालीन आदेश के हवाले से दावा किया है कि इसके जरिये भोजशाला को मस्जिद घोषित किया गया था और इसमें नमाज जारी रखे जाने की अनुमति दी गई थी। भोजशाला को हिंदू समुदाय वाग्देवी (देवी सरस्वती) का मंदिर मानता है, जबकि मुस्लिम पक्ष इस स्मारक को कमाल मौला मस्जिद बताता है। यह विवादित परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा संरक्षित है। प्रदेश के महाधिवक्ता प्रशांत सिंह ने तत्कालीन धार रियासत के दीवान और प्रशासनिक परिषद के अध्यक्ष के. नाडकर के 24 अगस्त 1935 को जारी 'ऐलान' की कानूनी वैधता को चुनौती दी। उन्होंने इंदौर पीठ के न्यायमूर्ति विजय कुमार शुक्ला और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी के सामने तर्क रखा कि यह रियासतकालीन आदेश विधायी प्रक्रिया के तहत जारी नहीं किया गया था, इसलिए इसे कानून नहीं माना जा सकता।

वह वर्दी में नहीं थे, फिर भी सैनिक की तरह सेवा दी: 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान मारे गए अधिकारी की पत्नी

जम्मू : 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान राजौरी में पाकिस्तानी सेना की भीषण गोलाबारी के दौरान मारे गए जम्मू-कश्मीर के वरिष्ठ नौकरशाह डॉ. राज कुमार थापा की पत्नी ने बृहस्पतिवार को कहा कि परिवार अभी तक इस सच को स्वीकार नहीं कर पाया है कि वह (डॉ. थापा) अब हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उसे इस बात पर गर्व है कि वर्दी में न होने के बावजूद उन्होंने एक सैनिक की तरह सेवा दी। जम्मू-कश्मीर प्रशासनिक सेवा (जेकेएएस) के 2001 बैच के अधिकारी थापा राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त (एडीडीसी) के रूप में कार्यरत थे। पिछले साल 10 मई को सीमावर्ती जिले में पाकिस्तान की भीषण गोलाबारी के दौरान एक गोला थापा के आवासीय क्वार्टर पर गिर गया था, जिससे उनकी मौत हो गई थी। अपने पति की पहली बरसी से पहले उस दर्दनाक पल को याद करते हुए डॉ. मीनाक्षी कुंदन थापा ने कहा कि डॉ. राजकुमार थापा का बलिदान एक बेहद व्यक्तिगत और दर्दनाक वास्तविकता है। उन्होंने नम आंखों से कहा, जब हम किताबों में इस शब्द (बलिदान) को पढ़ते हैं, तो यह बहुत महान लगता है, लेकिन इसका

असल अर्थ केवल वही लोग समझ सकते हैं, जिन्होंने हकीकत में नुकसान झेला हो। वीरगति वास्तव में मौत का दूसरा नाम है और उसके बाद व्यक्ति कभी वापस नहीं आता। डॉ. मीनाक्षी ने कहा, ऐसा लगता है, जैसे यह कल ही हुआ हो। इस पर विश्वास करना अभी भी कठिन है। कभी-कभी दिल यह मानने से ही इनकार कर देता है कि ऐसा हकीकत में हुआ। उन्होंने कहा, परिवार के सदस्य-खास तौर पर मेरे बच्चे-अभी भी इस सच को स्वीकार नहीं कर पाए हैं कि डॉ. थापा इस दुनिया में नहीं रहे।

पंजाब के मुख्यमंत्री के ओएसडी के 'सहयोगी' और अन्य लोगों के परिसरों पर ईडी की छापेमारी

रेड के बीच उड़ने लगे 500 रुपये के नोट, 9वीं मंजिल से फेंके गए रुपयों से भरे बैग

चंडीगढ़ : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कथित जमीन धोखाधड़ी मामले में धनशोधन जांच के तहत मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) के एक कथित निकट सहयोगी के परिसरों समेत पंजाब और चंडीगढ़ में कई स्थानों पर बृहस्पतिवार को छापे मारे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि मोहाली और चंडीगढ़ में सनटेक सिटी परियोजना, अजय सहगल, एबीएस टाउनशिप्स, अल्टस बिल्डर्स, धीर कंस्ट्रक्शंस और उनके सहयोगियों से जुड़े करीब 12 स्थानों पर धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत छापेमारी की जा रही है। उन्होंने बताया कि एजेंसी नितिन गोहल नामक व्यक्ति के परिसरों पर भी छापे मार रही है। उस पर 'ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी' (गमाडा) के शुल्क के भुगतान में ''चूक'' करने वाले कई बिल्डर की ''मदद''

करने और उनके लिए राजनीतिक संरक्षण की व्यवस्था करने का आरोप है। अधिकारियों ने दावा किया कि आईटी पेशेवर गोहल का संबंध पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान के ओएसडी राजबीर घुम्मण से है। अधिकारियों ने कहा कि आरोपियों पर गमाडा से भूमि उपयोग परिवर्तन (सीएलयू) लाइसेंस हासिल करने में धोखाधड़ी करने और बाद में लोगों से ठगी करने का आरोप है। आरोप है कि उन्होंने निवेशकों से करोड़ों रुपये की धनराशि जुटाई। हालांकि, मान ने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसी की कार्रवाई का उनसे कोई लेना-देना नहीं है। अमृतसर में अपनी 'शुक्राना यात्रा' के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए एक सवाल पर मान ने कहा, ''ईडी की छापेमारी का हमसे कोई लेना-देना नहीं है। वे (ईडी) किसी कंपनी के सिलसिले में यहां आए हैं। वे कहीं भी जांच कर सकते हैं।'' अधिकारियों ने बताया कि मोहाली में ऊंची इमारत से कथित तौर पर फेंकी गई नकद राशि बरामद होने की घटना भी सामने आई है। उन्होंने कहा कि एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि कितनी राशि फेंकी गई है। सूत्रों ने बताया कि मोहाली के खरड़ में एक आवासीय सोसायटी के परिसर में 500 रुपये के नोटों से भरे दो बैग देखे गए जिससे संकेत मिलता है कि ईडी की छापेमारी के बाद उन्हें एक फ्लैट से नीचे फेंका गया था। सूत्रों ने बताया कि आवासीय सोसायटी के परिसर में नकदी के कुछ बंडल भी बिखरे दिखाई दिए। जमीन पर पड़े नकदी से भरे बैग का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है।

'सर के चुनर' विवाद: नोरा फतेही ने राष्ट्रीय महिला आयोग से माफी मांगी

अनाथ लड़कियों को देंगी सहायता

नयी दिल्ली : अभिनेत्री नोरा फतेही 'सर के चुनर' गाने से जुड़े विवाद के सिलसिले में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष पेश हुईं और माफी मांगते हुए कहा कि उनका 'किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था।' नोरा ने आयोग में सुनवाई के बाद पत्रकारों से कहा कि अनजाने में उनसे यह गलती हो गई । उन्होंने एक कलाकार के तौर पर अपनी जिम्मेदारी स्वीकार की। उन्होंने कहा, यह बस एक ऐसी स्थिति थी जिसमें मैं फंस गई थी लेकिन मेरा किसी को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था।

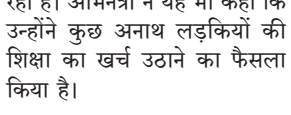

हालांकि बेशक एक कलाकार होने के नाते मेरी जिम्मेदारियां हैं। मैं माफी मांगती हूं, हमने सब कुछ लिखित में दे दिया है। वे (आयोग की सदस्य) बहुत दयालु और मददगार रही हैं। अभिनेत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने कुछ अनाथ लड़कियों की शिक्षा का खर्च उठाने का फैसला किया है।

योयो हनी सिंह ने दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा: 'वॉल्यूम 1' नहीं गाया

नयी दिल्ली : गायक योयो हनी सिंह ने बृहस्पतिवार को दिल्ली उच्च न्यायालय में कहा कि उन्होंने 2006 में रिलीज हुए ''अश्लील'' गीत 'वॉल्यूम 1' को नहीं गाया था। इस गीत को कथित तौर पर सिंह और बादशाह ने अपने बैंड 'माफिया मुंडीर' के तहत जारी किया था। सिंह के वकील ने न्यायामूर्ति पुरुषैंद्र कुमार कौरव से कहा, ''यह मेरे लिए इस कलंक को मिटाने का समय है... हमने यही रुख अपनाया है। मैं अदालत की सहायता करने के लिए यहां हूं ताकि यह सामग्री हटाई जा सके। मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि यह गीत मैंने नहीं गाया है।''

अदालत हिंदू शक्ति दल की उस याचिका पर सुनवाई कर रही, जिसमें गीत को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से हटाने का अनुरोध किया गया था। वरिष्ठ अधिवक्ता ने अदालत को बताया कि इस गीत से संबंधित कार्यवाही नागपुर की एक अदालत में भी उनके मुवक्किल के खिलाफ लंबित है, जहां गायक ने इसी तरह का रुख अपनाया है। वकील ने याचिकाकर्ता के इस दावे का भी खंडन किया कि सिंह ने 1 मार्च 2025 को दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में आयोजित एक कार्यक्रम में इस गीत की कुछ पंक्तियां गाई थीं। उन्होंने कहा, ''ऐसा कुछ नहीं हुआ था। मैंने गीत नहीं गाया। अगर 50,000 से अधिक लोगों की बैठने की क्षमता वाले स्टेडियम में ऐसा कुछ हुआ होता, तो उसका कोई न कोई वीडियो क्लिप जरूर होता।''

धार्मिक रीति-रिवाजों पर सवाल उठाने से धर्म और सभ्यता के विघटन का खतरा होगा: न्यायालय

शबरिमला और दाऊदी बोहरा समुदाय से जुड़े मामलों की सुनवाई के दौरान संविधान पीठ की टिप्पणी

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि यदि लोग धार्मिक प्रथाओं और धर्म से जुड़े मामलों को लगातार संवैधानिक अदालतों में चुनौती देने लगेंगे तो इससे विभिन्न परंपराओं और रीति-रिवाजों पर सवाल उठाने वाली सैकड़ों याचिकाएं दायर होंगी, जो अंततः धर्मों और भारतीय सभ्यता के विघटन का कारण बन सकती हैं।नौ न्यायाधीशों वाली संविधान पीठ महिलाओं के साथ धार्मिक स्थलों पर होने वाले भेदभाव से संबंधित विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। इनमें केरल के प्रसिद्ध शबरिमला मंदिर से जुड़ा मामला भी शामिल है। पीठ दाऊदी बोहरा समुदाय सहित विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार कर रही है।संविधान पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति बी. वी. नागरत्ना, न्यायमूर्ति एम. एम. सुंदरेश, न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, न्यायमूर्ति अरविंद कुमार, न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी. वराले, न्यायमूर्ति आर. महादेवन और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची शामिल हैं।सुनवाई के दौरान सुधारवादी दाऊदी बोहरा समुदाय की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचंद्रन ने दलील दी कि किसी व्यक्ति के सामाजिक और धर्मनिरपेक्ष आचरण के आधार पर अपनाई जाने वाली प्रथाओं को संविधान के अनुच्छेद 25 के तहत संरक्षण नहीं दिया जा सकता।

2024 में केंद्र शासित प्रदेशों में विदेशियों से अपराध की सूची में दिल्ली शीर्ष पर: एनसीआरबी

नयी दिल्ली : दिल्ली में 2024 में विदेशियों से अपराध के 64 मामले दर्ज किए गए, जो सभी केंद्र शासित प्रदेशों में सबसे अधिक हैं और 2023 में दर्ज किए गए 63 मामलों से मामूली तौर पर अधिक हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के नवीनतम आंकड़ों में यह जानकारी सामने आई है। राष्ट्रीय राजधानी में 2022 में ऐसे 40 मामले दर्ज किए गए, जो पिछले तीन वर्षों में लगातार वृद्धि को दर्शाते हैं। बुधवार को जारी एनसीआरबी के आंकड़ों से पता चला कि 2024 में केंद्र शासित प्रदेशों में दर्ज विदेशियों से अपराधों में से ज्यादातर मामले दिल्ली में दर्ज हुए। वर्ष 2024 में केंद्र

शासित प्रदेशों में इस तरह के 67 मामले दर्ज किए गए, जिनमें अकेले दिल्ली में 64 मामले शामिल हैं। वहीं जम्मू-कश्मीर में दो और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह में एक मामला दर्ज किया गया। चंडीगढ़ में 2023 में चार मामले दर्ज किए गए थे जबकि 2024 में एक भी मामला दर्ज नहीं किया गया। दिल्ली में 2024 में आरोपपत्र दाखिल करने की दर 46 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 68 प्रतिशत से कम है। केंद्र शासित प्रदेशों में आरोपपत्र दाखिल करने की कुल दर 45.5 प्रतिशत रही। आंकड़ों के अनुसार, पूरे देश में 2024 में विदेशियों से अपराध के 257 मामले दर्ज किए गए जबकि 2023 में 238 और 2022 में 192 मामले दर्ज किए गए थे। बात करें राज्यों की तो महाराष्ट्र में ऐसे मामलों की संख्या सबसे अधिक 41 दर्ज की गई, उसके बाद कर्नाटक में 32 मामले दर्ज किए गए। आंकड़ों में यह भी सामने आया कि दिल्ली में 2024 में विदेशियों ने करीब 201 वारदातों को अंजाम दिया जबकि 2023 में इस तरह के 130 मामले सामने आए थे। बुधवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेशों में दिल्ली में ऐसे मामलों की संख्या सबसे अधिक रही। दिल्ली में 2022 में विदेशी नागरिकों से जुड़े 256 मामले दर्ज किए गए थे लेकिन 2023 में यह आंकड़ा तेजी से घटा और 2024 में इसमें फिर से वृद्धि हुई। वर्ष 2024 में 2023 की तुलना में इस तरह के मामलों में 54 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गयी। दिल्ली में 2024 में आरोपपत्र दाखिल करने की दर 99 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 96.7 प्रतिशत से अधिक है।

हाल में हुए चुनावों के दौरान 1,445 करोड़ रुपये मूल्य की प्रलोभन सामग्री जब्त

नयी दिल्ली : हाल में पांच विधानसभा चुनावों के दौरान 1,445 करोड़ रुपये मूल्य की प्रलोभन सामग्री जब्त की गई। इनमें नकदी जब्ती के मामले में तमिलनाडु सबसे आगे रहा, जबकि शराब और मादक पदार्थों की जब्ती में पश्चिम बंगाल शीर्ष पर रहा। निर्वाचन आयोग ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। ये आंकड़े 2021 के विधानसभा चुनावों की तुलना में 40.14 प्रतिशत अधिक हैं। उस समय इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश में कुल 1,029.93 करोड़ रुपये की जब्ती हुई थी। पश्चिम बंगाल में जब्ती में सबसे अधिक 68.92 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई जबकि तमिलनाडु में 2021 के मुकाबले 2026 में 48.40 प्रतिशत अधिक जब्ती हुई।

चुनाव आयोग द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, चार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी से लगभग 155 करोड़ रुपये की अवैध नकदी बरामद की गई। इसके अलावा 183.33 करोड़ रुपये मूल्य की लगभग 70 लाख लीटर शराब भी जब्त की गई। मतदाताओं को किसी खास पार्टी के पक्ष में मतदान के लिए प्रभावित करने हेतु नकदी, शराब, मादक पदार्थ, कीमती धातुएं और अन्य उपहार जैसे साड़ियां, कपड़े, प्रेशर कुकर, बर्तन और यहां तक कि टेलीविजन सेट भी बांटे जाते हैं। राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश से लगभग 3,338 करोड़ रुपये मूल्य के मादक पदार्थ बरामद किए गए। इसमें पश्चिम बंगाल 30.28 करोड़ रुपये की बरामदगी के साथ सबसे आगे रहा। पुडुचेरी से किसी भी मादक पदार्थ की बरामदगी की सूचना नहीं मिली। पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में नयी सरकारों के गठन के लिए अप्रैल में मतदान हुआ था और चार मई को मतगणना की गई थी।

कोटक बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक, फेडरल बैंक में हिस्सेदारी खरीदने की मिली मंजूरी

नयी दिल्ली : कोटक महिंद्रा बैंक को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और फेडरल बैंक दोनों में 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंजूरी मिल गई है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक और फेडरल बैंक ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को अलग-अलग दी जानकारी में बताया कि उन्हें छह मई को भारतीय रिजर्व बैंक से मंजूरी पत्र प्राप्त हुआ है। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक ने कहा कि कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड (केएमबीएल) को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में कुल मिलाकर 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की मंजूरी मिली है। इसी तरह, फेडरल बैंक ने बीएसई को दी गई सूचना में कहा कि आरबीआई ने कोटक महिंद्रा बैंक को बैंक की चुकता शेयर पूंजी या मतदान अधिकारों में कुल मिलाकर 9.99 प्रतिशत तक हिस्सेदारी हासिल करने की अनुमति दी है।

नीलामी शुरू होने के बाद से 101 खनिज ब्लॉकों का परिचालन शुरू

नयी दिल्ली : केंद्र सरकार ने बृहस्पतिवार को कहा कि 2015 में नीलामी व्यवस्था शुरू होने के बाद से अब तक 101 खनिज ब्लॉक में परिचालन शुरू हो चुका है। खान मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि यह उपलब्धि केंद्र और राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों तथा खनन क्षेत्र में किए गए सुधारों के प्रभाव को दर्शाती है, जो 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने में मदद कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि नीलामी में आवंटित 101 खनिज ब्लॉक का संचालन शुरू होना इस बात का संकेत है कि ध्यान केवल संसाधनों की नीलामी तक सीमित नहीं है, बल्कि उन्हें समय पर उत्पादन में लाने पर भी है। बयान के मुताबिक, नीतिगत समर्थन, प्रक्रियाओं को सरल बनाने और सक्रिय निगरानी के जरिए मंत्रालय ने राज्यों के साथ मिलकर वैधानिक मंजूरियों में तेजी लाई है और कार्यान्वयन से जुड़ी चुनौतियों का समाधान किया है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र-राज्य के इस समन्वित दृष्टिकोण से नीलाम किए गए खनिज ब्लॉकों को आवंटन से उत्पादन में लाने की प्रक्रिया में तेजी आई है।

जेवर हवाई अड्डा का वाणिज्यिक परिचालन अगले महीने से, इंडिगो की उड़ान से होगी शुरुआत

नोएडा : इंडिगो ने 15 जून से जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से वाणिज्यिक उड़ानें शुरू करने की घोषणा की है। इसके साथ ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में स्थित इस हवाई अड्डे से वाणिज्यिक परिचालन शुरू हो जाएगा। इंडिगो इस हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाली पहली एयरलाइन होगी। इंडिगो ने बृहस्पतिवार को एक बयान में कहा कि पहले दिन की उड़ानें लखनऊ और बेंगलुरु के बीच होंगी। नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मार्च को किया था। इंडिगो ने कहा कि वह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में स्थित इस तीसरे हवाई अड्डे से वाणिज्यिक सेवाएं शुरू करने वाली पहली एयरलाइन होगी। एयरलाइन के अनुसार, 15 जून को शुरू होने

वाली उड़ानें लखनऊ-नोएडा-बेंगलुरु-नोएडा-लखनऊ मार्ग पर संचालित होंगी। घोषित कार्यक्रम के अनुसार, उड़ान 6ई 2278 लखनऊ से सुबह 7:05 बजे प्रस्थान करेगी और नोएडा में सुबह 8:05 बजे पहुंचेगी। वह सुबह 8:35 बजे बेंगलुरु के लिए रवाना होगी और वहां सुबह 11:05 बजे उतरेगी। वापसी की उड़ान (6ई 2279) बेंगलुरु से दोपहर 3.45 बजे रवाना होगी और शाम 6.20 बजे नोएडा पहुंचेगी। इसके बाद यह उड़ान शाम 6.55 बजे लखनऊ के लिए रवाना होगी और वहां रात आठ बजे पहुंचेगी। इंडिगो ने कहा कि वह धीरे-धीरे नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे को देश भर के 16 से अधिक गंतव्यों से जोड़ने वाली सीधी उड़ानें शुरू करेगी, जिनमें बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे महानगरों के अलावा अमृतसर, चंडीगढ़, धर्मशाला, जयपुर, लखनऊ, नवी मुंबई, पंतनगर और श्रीनगर जैसे दूसरे और तीसरी श्रेणी के शहर शामिल हैं। एयरलाइन ने बताया कि इन उड़ानों के लिए बुकिंग वेबसाइट, मोबाइल एप्लिकेशन और अधिकृत ट्रैवल भागीदारों के माध्यम से चरणबद्ध तरीके से शुरू की जा रही है। इंडिगो के मुख्य रणनीति अधिकारी आलोक सिंह ने कहा कि एयरलाइन नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से परिचालन शुरू करने की घोषणा करते हुए काफी खुश है।

उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में सेंसेक्स 114 अंक टूटा, निफ्टी स्थिर

मुंबई : विदेशी कोषों की निकासी तथा वैश्विक अनिश्चितता के बीच बृहस्पतिवार को उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में स्थानीय शेयर बाजार में मामूली गिरावट आई। निवेशकों के सतर्क रुख के चलते सेंसेक्स 114 अंक टूट गया, जबकि निफ्टी लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स कारोबार के दौरान ऊपर-नीचे होने के बाद अंत में 114 अंक यानी 0.15 प्रतिशत टूटकर 77,844.52 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 78,384.70 अंक के उच्चस्तर तक गया और 77,713.21 अंक के निचले स्तर तक आया। सेंसेक्स में 671.49 अंक का उतार-चढ़ाव देखने को मिला। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 4.30 अंक यानी 0.02 प्रतिशत के मामूली नुकसान के साथ 24,326.65 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, टेक महिंद्रा, टाइटन, सन फार्मा और आईटीसी में गिरावट आई। दूसरी ओर, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, कोटक महिंद्रा बैंक और टाटा स्टील के शेयर लाभ में रहे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 2.23 प्रतिशत के नुकसान के साथ 99 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार लगभग स्थिर रहे क्योंकि निवेशक अमेरिकी शांति प्रस्ताव पर ईरान की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं। निफ्टी लगभग स्थिर रुख के साथ बंद हुआ।'' शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 5,834.90 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। अन्य एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में रहे। दोपहर के कारोबार में यूरोपीय बाजारों में गिरावट थी। अमेरिकी बाजार बुधवार को लाभ के साथ बंद हुए थे। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा, ''भारतीय शेयर बाजार आज थोड़े सतर्कता भरे माहौल में बंद हुए। विदेशी निवेशकों की निरंतर निकासी और कमजोर वैश्विक संकेतों का बाजार पर दबाव रहा। भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने भी निवेशकों के भरोसे को प्रभावित किया है जिससे जोखिम लेने की धारणा पर असर पड़ा है।''

रतन टाटा ट्रस्ट की बैठक पर रोक की याचिका पर तत्काल सुनवाई से उच्च न्यायालय का इनकार

मुंबई : बंबई उच्च न्यायालय ने सर रतन टाटा ट्रस्ट की आठ मई को प्रस्तावित बोर्ड बैठक पर रोक लगाने का अनुरोध वाली याचिका पर तत्काल सुनवाई से बृहस्पतिवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश श्री चंद्रशेखर और न्यायमूर्ति गौतम अंखड की पीठ के समक्ष इस याचिका का उल्लेख किया गया था। इसमें ट्रस्ट की शुक्रवार को होने वाली बोर्ड बैठक पर अंतरिम रोक लगाने का अनुरोध किया गया था। हालांकि न्यायालय ने तत्काल सुनवाई से इनकार करते हुए याचिकाकर्ता को अवकाशकालीन पीठ के समक्ष याचिका दायर करने की छूट दी। उच्च न्यायालय शनिवार से ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए बंद हो रहा है। यह याचिका ठाणे निवासी 61 वर्षीय सुरेश पाटिलखेड़े ने दायर की है। इसमें ट्रस्ट के ट्रस्टी को प्रस्तावित बैठक में किसी भी निर्णय को पारित या लागू करने से रोकने की भी मांग की गई थी। याचिका में आरोप लगाया गया है कि यह प्रतिष्ठित सार्वजनिक धर्मार्थ ट्रस्ट महाराष्ट्र सार्वजनिक ट्रस्ट अधिनियम में 2025 में किए गए संशोधन का उल्लंघन कर रहा है, जिसमें 'आजीवन ट्रस्टी' की संख्या पर सीमा तय की गई है। संशोधन के अनुसार, यदि ट्रस्ट के मूल दस्तावेज स्थायी या आजीवन ट्रस्टी की अनुमति नहीं देते हैं, तो ऐसे ट्रस्टी की संख्या कुल सदस्यों के एक-चौथाई से अधिक नहीं हो सकती।

पश्चिम एशिया संघर्ष की चुनौतियों के बीच एयर इंडिया के निदेशक मंडल की बैठक

नयी दिल्ली : पश्चिम एशिया संघर्ष के कारण विमान ईंधन की ऊंची कीमतों सहित कई चुनौतियों का सामना कर रही एयर इंडिया के निदेशक मंडल की बृहस्पतिवार को यहां बैठक हुई। घाटे में चल रही एयरलाइन कंपनी के निदेशक मंडल की बैठक हरियाणा के गुरुग्राम स्थित एयरलाइन के मुख्यालय में हुई। सूत्रों के अनुसार, बैठक सुबह लगभग 11:30 बजे शुरू हुई और तीन घंटे से अधिक समय तक चली। बैठक में हुई बातचीत के बारे में विशेष जानकारी नहीं मिली है। इससे पहले, सूत्रों ने बताया था कि बैठक में एयरलाइन के 2025-26 के वित्तीय नतीजों, लागत-बचत उपायों और नए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के चयन पर चर्चा होने की उम्मीद है। मौजूदा सीईओ और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन इस साल के अंत में पद छोड़ देंगे।

राज्यों के जीडीपी की गणना के लिए 2022-23 के आधार वर्ष के साथ दिशानिर्देश जारी

नयी दिल्ली : सांख्यिकी मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को राज्यों के सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की गणना के लिए 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए एक समान दिशानिर्देश जारी किए हैं। इस कदम से सभी राज्यों में मानकीकृत ढांचे और प्रदर्शन की तुलनात्मकता सुनिश्चित की जा सकेगी। राष्ट्रीय लेखा खातों की गणना के लिए आधार वर्ष को पहले ही 2022-23 में बदल दिया गया है ताकि नये आंकड़ों और विकसित हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बेहतर अनुमान पद्धतियों को शामिल करके अर्थव्यवस्था की वर्तमान संरचना को अधिक सटीक रूप से समझा जा सके। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम

कार्यान्वयन मंत्रालय ने बयान में कहा कि इस बदलाव के अनुरूप, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को क्षेत्रीय आर्थिक प्रदर्शन के आकलन में अधिक सटीकता, एकरूपता और तुलनात्मकता सुनिश्चित करने के लिए सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) संकलन को नए आधार वर्ष को अपनाना आवश्यक है। इस दिशानिर्देश से राज्य स्तरीय अनुमानों की एकरूपता, विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक मानकीकृत ढांचा प्राप्त होगा। वित्त मंत्रालय, वित्त आयोग, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) और अन्य संबंधित पक्ष राजकोषीय विकेंद्रीकरण, नीति निर्माण, संसाधन आवंटन, बजट निर्माण, प्रदर्शन मूल्यांकन और अंतर-राज्यीय तुलनाओं के लिए जीएसडीपी का व्यापक रूप से उपयोग करते हैं। वर्तमान में, लक्षद्वीप और दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव (डीएनएच एवं डीडी) को छोड़कर 34 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश 2011-12 को आधार वर्ष मानकर जीएसडीपी अनुमान संकलित कर रहे हैं।

आयकर विभाग ने झारखंड-बिहार से 20,000 करोड़ रुपये का कर जुटाया

धोनी सबसे बड़े करदाता

रांची : आयकर विभाग ने 2025-26 के दौरान झारखंड और बिहार से कुल मिलाकर लगभग 20,000 करोड़ रुपये का कर जुटाया है। यह जानकारी बृहस्पतिवार को एक वरिष्ठ आयकर अधिकारी ने दी। अधिकारी ने बताया कि दोनों राज्यों को मिलाकर व्यक्तिगत करदाताओं में सबसे अधिक कर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने चुकाया है। प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त (बिहार-झारखंड), डॉ. डी. सुधाकर राव ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान बिहार और झारखंड से कुल वसूली लगभग 20,000 करोड़ रुपये थी, जिसमें से 12,000 करोड़ रुपये केवल झारखंड से वसूले गए।'' उन्होंने बताया कि कुल वसूली का लगभग 70 प्रतिशत स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस) के माध्यम से प्राप्त हुआ। राव ने कहा, ''पिछले वित्त वर्ष में बिहार और झारखंड को मिलाकर धोनी सबसे अधिक कर अदा करने वाले व्यक्तिगत करदाता हैं। हालांकि, उन्होंने अपने शुद्ध कर रिटर्न का खुलासा करने से परहेज किया।''

सोना 600 रुपये मजबूत, चांदी 7,000 रुपये चढ़ी

नयी दिल्ली : स्थानीय बाजार में बृहस्पतिवार को सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 1.56 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गयी। यह तेजी डॉलर में गिरावट और अमेरिका-ईरान शांति समझौते की उम्मीदों के बीच कच्चे तेल की कीमतों में नरमी के कारण आई है। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, औद्योगिक मांग में सुधार के कारण चांदी की कीमत 7,000 रुपये बढ़कर 2,61,500 रुपये प्रति किलोग्राम हो गयी। यह लगातार चौथा दिन है जब चांदी की कीमतों में तेजी आई है। 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 600 रुपये बढ़कर 1,56,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गयी। बुधवार को सोने की कीमत 2,900 रुपये बढ़कर 1,55,400 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी।

इमामी 321 करोड़ रुपये में हैदराबाद की कंपनी इंकनट डिजिटल में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी

कोलकाता : रोजमर्रा के उपभोग का सामान बनाने वाली प्रमुख कंपनी इमामी लिमिटेड ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह सौंदर्य और व्यक्तिगत देखरेख खंड में अपनी मौजूदगी को मज़बूत करने के लिए 321 करोड़ रुपये में हैदराबाद की इंकनट डिजिटल प्रा लि में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। कोलकाता की इस कंपनी ने बयान में कहा कि इस सौदे में 24 महीनों में प्रदर्शन से जुड़े बदलाव भी शामिल हैं। कंपनी ने कहा, ''इमामी ने इंकनट डिजिटल प्रा लि और उसकी अनुषंगी कंपनियों और सहयोगियों में 60 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए एक पक्का समझौता किया है। इस सौदे की कीमत 321 करोड़ रुपये है।'' कंपनी ने बताया कि वह इंकनट (जो व्यक्तिगत सौंदर्य और त्वचा देखभाल ब्रांड वेडिक्स और स्किनक्राफ्ट की मूल कंपनी है) में बची हुई हिस्सेदारी अगले साढ़े चार साल में दो किस्तों में खरीदेगी, जिसकी कीमत भविष्य के प्रदर्शन के आधार पर तय की जाएगी। इंकनट डेटा-आधारित जांच और 'पर्सनलाइज्ड फ़ॉर्मूले' के ज़रिये बालों और त्वचा की देखभाल के लिए खास समाधान देती है। इमामी के वाइस चेयरमैन और प्रबंध निदेशक, हर्ष वर्धन अग्रवाल ने कहा, ''यह निवेश तेज़ी से बढ़ते सौंदर्य और व्यक्तिगत देखरेख खंड में हमारी मौजूदगी को मज़बूत करने की दिशा में एक रणनीतिक कदम है।'' इंक नट के संस्थापक और सीईओ, चैतन्य नल्लन ने कहा कि इस साझेदारी से नए प्रयोगों को बढ़ावा मिलेगा और ब्रांड की पहुंच का विस्तार होगा।

मार्श का शतक, एलएसजी ने डीएलएस पद्धति से आरसीबी को नौ रन से हराया

लखनऊ : मिचेल मार्श के विस्फोटक शतक और गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत लखनऊ सुपर जायंट्स ने बारिश से प्रभावित इंडियन प्रीमियर लीग मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को डकवर्थ लुईस पद्धति से नौ रन से हरा दिया। इस जीत के साथ एलएसजी ने लगातार छह हार का सिलसिला तोड़ा, जबकि आरसीबी शीर्ष स्थान पर पहुंचने का मौका गंवा बैठी।बारिश के कारण तीन बार खेल बाधित होने से मैच को 19-19 ओवर का कर दिया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए एलएसजी ने तीन विकेट पर 209 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। जवाब में आरसीबी की टीम 19 ओवर में छह विकेट पर 203 रन ही बना सकी।ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज मिचेल मार्श ने शुरुआत से ही आक्रामक बल्लेबाजी की। उन्होंने केवल 56 गेंदों में नौ चौकों और नौ छक्कों की मदद से 111 रन बनाए। मार्श ने अर्शिन कुलकर्णी के साथ पहले विकेट के लिए 95 रन

की साझेदारी की, जबकि निकोलस पूरन के साथ 70 रन जोड़े। कप्तान ऋषभ पंत ने भी 10 गेंदों में नाबाद 32 रन बनाकर टीम को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।मार्श ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया, जो आईपीएल में उनका सबसे तेज अर्धशतक रहा। उन्होंने जोश हेजलवुड समेत आरसीबी के सभी गेंदबाजों पर जमकर प्रहार किया।लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरसीबी की शुरुआत बेहद खराब रही। विराट कोहली खाता खोले बिना आउट हो गए, जबकि जैकब बेथेल भी जल्दी पवेलियन लौट गए। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार ने 31 गेंदों में 61 रन की तेज पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की। देवदत्त पडिक्कल ने 34 रन बनाए, जबकि टिम डेविड ने 17 गेंदों में 40 रन की तेज पारी खेली।एलएसजी की ओर से प्रिंस यादव ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 33 रन देकर तीन विकेट झटके। शाहबाज अहमद ने दो विकेट हासिल किए। अंतिम ओवर में जीत के लिए 20 रन चाहिए थे, लेकिन दिग्वेश राठी ने कसी हुई गेंदबाजी कर आरसीबी की उम्मीदें खत्म कर दीं।

एक-दूसरे पर उंगली नहीं उठा रहे, हम सब एकजुट होकर खेल रहे हैं: मिलर

नयी दिल्ली : दक्षिण अफ्रीका के सीनियर बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) प्लेऑफ में जगह बनाने की अपनी कोशिश में एकजुट बनी हुई है और टीम ने जानबूझकर किसी एक खिलाड़ी पर दोष मढ़ने से दूरी बनाए रखी है। बल्लेबाजी में लगातार नाकामियों और क्षेत्ररक्षण में महंगी गलतियों जैसे मुश्किल दौर से गुजरने के बाद दिल्ली कैपिटल्स अब लीग चरण के आखिरी दौर में 'हर हाल में जीत' वाली स्थिति में पहुंच गई है। अब उसे प्लेऑफ की दौड़ में बने रहने के लिए अपने बाकी बचे चारों मैच जीतने होंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स के ख़िलाफ मैच से पहले मिलर ने

कहा, ''हम ऐसी स्थिति में हैं जहां हमने आपस में बात की है कि हम सब मिलकर खेल रहे हैं। जीत हो या हार, हम सब साथ हैं।'' मिलर ने कहा, ''और हमने जो कुछ भी किया है, उसके लिए हम एक-दूसरे पर बिल्कुल भी उंगली नहीं उठा रहे हैं। हम सब मिलकर इस चुनौती का सामना कर रहे हैं।'' इस बात पर जोर देते हुए कि टीम के लिए प्लेऑफ में जगह बनाने का समीकरण अब बिल्कुल सीधा है, उन्होंने कहा, ''हकीकत यह है कि हमें चार मैच जीतने हैं। इसलिए अगर हम ऐसा कर लेते हैं तो हम खुद को एक अच्छी स्थिति में पहुंचा लेंगे।'' दिल्ली की हालिया हार के बारे में बात करते हुए मिलर ने कहा कि टीम ने कुल मिलाकर खराब क्रिकेट नहीं खेला है, बल्कि अहम मौकों पर टीम से गलतियां हुई हैं। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि हम बिल्कुल भी खराब क्रिकेट खेल रहे हैं। हम बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं, लेकिन मैच में कुछ ऐसे पल आते हैं जब हम एक टीम के तौर पर कुछ खास क्षेत्रों में खुद को निराश कर देते हैं।''

तीरंदाजी विश्व कप : महिला टीम ने कोरिया को हराकर पदक पक्का किया, पुरूष टीम हारी

शंघाई : भारत का तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण में बृहस्पतिवार को प्रदर्शन मिला जुला रहा जब महिला रिकर्व टीम ने रिकॉर्ड दस बार की ओलंपिक चैम्पियन दक्षिण कोरिया को सेमीफाइनल में हराकर पहला पदक पक्का किया लेकिन पुरूष टीम पहले दौर में बांग्लादेश से हार गई। मिश्रित टीम वर्ग में भारत की चुनौती समाप्त हो गई जब धीरज बोम्मादेवरा और अंकिता भकत दूसरे दौर में ब्राजील से शूटआफ में 4 . 5 से हार गए। महिला टीम की सदस्यों दीपिका कुमारी, अंकिता भकत और कुमकुम मोहोद ने सेमीफाइनल में कोरिया को 5 . 1 से मात दी। अब उसका सामना स्वर्ण पदक के मुकाबले में रविवार को चीन से होगा। पुरूष रिकर्व टीम में तरूणदीप रॉय, धीरज बोम्मादेवरा और यशदीप भोगे थे जिन्हें बांग्लादेश ने 6 . 2 से मात दी। भारतीय महिला टीम ने लगातार तीन मैच जीतकर फाइनल में प्रवेश किया। चौथी वरीयता प्राप्त भारतीय टीम ने छह तीरों में से चार पर 10 स्कोर किया और सिर्फ दो अंक गंवाकर पहला सेट 58 . 55 से जीता। दूसरे सेट में मुकाबला 56 . 56 से बराबर रहा लेकिन भारत ने 3 . 1 की बढत बना ली। मैच जीतने के लिये अब सिर्फ दो अंक की जरूरत थी और अगला सेट भारत ने 58 . 56 से अपने नाम किया। लेकिन कोरिया ने यहां अनुभवहीन टीम भेजी है क्योंकि

उसका फोकस चार महीने बाद जापान में होने वाले एशियाई खेलों पर है। कोरियाई टीम में दो नये चेहरे ली युंजी और ओ येजिन थे जबकि मौजूदा विश्व चैम्पियन कांग चाएयंग एकमात्र अनुभवी तीरंदाज थी। इससे पहले भारतीय महिला टीम ने उजबेकिस्तान को पहले दौर में 6-2 (53-56, 57-54, 55-54, 55-51) से हराया। क्वार्टर फाइनल में तनावपूर्ण शूटआफ में वियतनाम पर 5. 4 से जीत दर्ज की। पुरूष टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसने पहला सेट 52 . 55 से गंवाया। दूसरे सेट में बांग्लादेश ने उसे 54 . 54 से बराबरी पर रोका। तीसरे सेट में दोनों टीमों का स्कोर 53 रहा। बांग्लादेश की तिकड़ी अब्दुर रहमान आलिफ, राम कृष्ण साहा और मोहम्मद मिशाद प्रधान ने चौथा सेट 57 . 53 से जीता।

भारत की निगाहें अंडर-17 महिला एशियाई कप में इतिहास रचने पर

सुजोऊ (चीन) : एशिया की दो बड़ी टीम से हारने के बाद भारतीय टीम अब शुक्रवार को यहां एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप में लेबनान के खिलाफ 'करो या मरो' वाले मुकाबले में खेलने उतरेगी और उसे पता है कि इस मैच में जीत उसे पहली बार टूर्नामेंट के नॉकआउट चरण में जगह दिला सकती है। ग्रुप बी में ऑस्ट्रेलिया (0-2) और जापान (0-3) से हारने के बाद यह स्पष्ट हो गया कि भारत को क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए अपने आखिरी मौके के रूप में अंतिम मैच में जीत दर्ज करनी होगी। भारत नॉकआउट चरण की दौड़ में बरकरार है क्योंकि वह सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली दो टीम में से एक है। भारत का गोल अंतर अभी -5 (माइनस 5) है जो ग्रुप सी की टीम फिलीपींस (-13) और चीनी ताइपे (-14) से बेहतर है। ये दोनों टीमें आखिरी मैच के दिन एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इसका मतलब है कि अगर भारतीय टीम लेबनान को हरा देती है तो ग्रुप सी की किसी भी टीम को भारत के गोल अंतर को पीछे छोड़ने के लिए बड़े अंतर से जीत हासिल करनी होगी। इसके अलावा अगर बृहस्पतिवार शाम को वियतनाम और म्यांमा के बीच ग्रुप ए का मैच ड्रॉ पर खत्म होता है, या म्यांमा तीन से कम गोल के अंतर से जीतता है तो भारत अपनी जीत के साथ ही अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर लेगा, फिर चाहे ग्रुप सी का नतीजा कुछ भी हो।

पाकिस्तान के खिलाफ श्रृंखला से टकराव के बावजूद आईपीएल के लिए रुकेंगे ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी

मेलबर्न : क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बृहस्पतिवार को पुष्टि की कि कप्तान पैट कमिंस सहित उसके खिलाड़ियों को आईपीएल 2026 में अपनी प्रतिबद्धता पूरी करने की स्वीकृति मिलेगी और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ 30 मई से शुरू हो रही तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला के लिए छूट दी जाएगी। आईपीएल का लीग चरण 24 मई को संपन्न होगा जबकि टूर्नामेंट का फाइनल 31 मई को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के 23 मई को इस्लामाबाद पहुंचने का कार्यक्रम है जो आईपीएल का अंतिम चरण होगा। सनराइजर्स हैदराबाद के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''हां, हमें सूचना मिली है कि हमारी टीम में शामिल ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी आईपीएल के लिए रुकेंगे।'' कप्तान कमिंस के अलावा ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड भी सनराइजर्स की टीम का हिस्सा हैं। हैदराबाद की टीम अभी 14 अंक के साथ तालिका में शीर्ष पर चल रही है और प्ले ऑफ में जगह बनाने की प्रबल दावेदार है।

आईसीसी बोर्ड बैठक, अहमदाबाद में अधिक क्षमता फाइनल को स्थानांतरित करने की वजह: धूमल

नयी दिल्ली : इंडियन प्रीमियर लीग के अध्यक्ष अरुण सिंह धूमल ने बृहस्पतिवार को पीटीआई को बताया कि 31 मई को होने वाले फाइनल मैच को बेंगलुरु से अहमदाबाद स्थानांतरित करने के पीछे दर्शकों के बैठने की अधिक क्षमता और आईपीएल फाइनल के आस-पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बोर्ड की बैठक का होना मुख्य कारण थे। नियम यह है कि आईपीएल जीतने वाली टीम को अगले सत्र में फाइनल की मेजबानी करने का मौका मिलता है लेकिन बुधवार को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने फाइनल की मेजबानी अहमदाबाद को सौंप दी जिसने पिछले साल भी फाइनल का आयोजन किया था। चिन्नास्वामी स्टेडियम में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की जीत के जश्न के दौरान हुई भयानक भगदड़ में 11

लोगों की जान चली गई थी। इस स्टेडियम की क्षमता लगभग 40,000 है जबकि अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 1,30,000 से अधिक लोग बैठ सकते हैं। कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ (केएससीए) ने फाइनल की मेजबानी का मौका नहीं मिलने पर निराशा जाहिर की। धूमल ने पीटीआई से बात करते हुए बताया कि बीसीसीआई ने स्थल बदलने का फैसला क्यों किया।

वर्ष 11, पूर्णांक 3585 अंक 051 RNI No WBHIN/2016/66788, सर्वांग प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **सरोज राय** द्वारा रजि. 17, बालमुकुन्द मक्कर रोड, 2सरा तल्ला, कोलकाता-700 007 से प्रकाशित। एल. एस. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 4, कैनल वेस्ट रोड, कोलकाता-700 015 से मुद्रित।
सम्पादक- **अनिल कुमार राय** (पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी), कॉर्पोरेट आफिस : 230, चित्तरंजन एवेन्यू, कोलकाता-700 006, विज्ञापन एवं प्रसार-9874555256/7044444522, ई-मेल news@samagya.in